हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

18 मार्च, 1997

खण्ड 1, अंक 10

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 18 मार्च, 1997

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र नों एवं उत्तर	(10)1
नियम 45 के अधिनसदन की मेज पर रखे गऐ तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(10)18
विभिन्न विशयों को उठाया जाना	(10)24

नियम 104 का निलम्बन तथा श्री भजनलाल एम0 एल0 ए0 का सदन की सेवा से निलम्बन	(10)30
वाक आउट	(10)31
वर्श 1996–97 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान	
(i) राज्य के राजस्वों पर प्रभावित व्यय के अनुमानों पर चर्चा	(10)32
(ii) अनूपुरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(10)32
नियम 104 का निलम्बन तथा सर्वश्री धीरपाल सिंह, और रमे ा कुमार एम0 एल0 ए0 का सदन की सेवा से निलम्बन	(10)35
वर्श 1996–97 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(10)37
वर्श 1997–98 के बजट अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान	(10)39
बैठक का समय बढ़ाना	(10)67
वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा	(10)67

तथा मतदान (पुनरारम्भ)	
बैठक का समय बढ़ाना	(10)77
वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(10)77
अध्यक्ष हटाने के लिए संकल्प 1997–98 केक बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा स्थगित करने के लिए प्रस्ताव	(10)85
वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(10)88
बैठक का समय बढ़ाना	(10)89
वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(10)89
वाक आउट	(10)90
वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(10)90

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 18 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन,सैक्टर–1 चण्डीगढ़ में प्रात 9..00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रौ0 छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होगे।

Shifting of Water Disposal Systme of Bahadurgarh City

250. Sh. Nafe Singh Rathee: Will the Minister for public Health I pleased to state wheter there is any scheme under consideration of Government to shift the present water disposal system of Bahadurgarh city another place; if so, the time by which the scheme, as referred to above, likely to be implemented?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): जी हां। कार्य प्रगति पर है और स्थाई डिस्पोजल वर्क्स लिए भूमि अभिग्रहण का हाथ में लिया गया हैं इस कार्य की मार्च 1998 तक पूर्ण होने संभावना है।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, जैसाकि इन्होने बताया कि कार्य प्रगति पर है। मै मंत्री से जानना चाहता हूं कि

कितना कार्य प्रगति पर है इस पर कितना पैसा खर्च होगा, कब कार्य भुरू हुआ और कब तक पूरा हो जाऐगा?

श्री जगन्नाथः स्पीकर सर, ऐसा है कि जो नये वाटर डिसपोलज वक्तर्स है और जो पुराने वाले डिसपोजल वर्क्स है उनकी दूरी दो किलोमीअर की है। इस कार्य को पूरा करने के लिए 5358000 रूपया खर्च होगा और यह कार्य मार्च 1998 तक पूरा हो जायेगा।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो दो किलोमीटर की दूरी इन्होने बताई है क्या उस जमीन को एक्वायर करने का काम भुरू हो गया हैं अगर भुरू हो गया है अगर भुरू हो गया है यह कहाम कब तक भुरू हो जायेगा। इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहता हूं कि बहादुरगढ़ रेल के पार को जो क्षेत्र है क्या उस क्षेत्र मे ंभी सीवरेज लाईन डालने का कार्य करेगे क्योंकि वहां की आबादी भी लगभग 15 हजार के करीब है?

श्री जगन्नाथः स्पीकरसर, जितने भी विकास के नये क्षेत्र है जैसे महावीर नगर, लालच कालोनी, छीक्कारा कालोनी, आनन्द नगर, भांकर नगर और रेलवे लाइन पार जो बस्ती है उसमें सीवर डालने का कार्य भुरू करवायेगे। जिस पर 5350000 रूपये का एस्टिमेंट 1984 में बनया गया और उस कार्य को मार्च 1998 तक पूरा कर दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, श्री मायना से सांपला बारे

एक प्र ान पूछा था उनके क्षेत्र को भ बहादुरगढ के साथ ही सीवरेज सिस्टम में भामिल किया जायेगा

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, जन स्वास्थय मंत्री जी ने श्री नफेसिंह राठी जी के लिखित प्र न के उत्तर में बहादुरगढ के बारे में जवाब दिया हैं मै मंत्री जी से जानकारी चाहूंगा कि बहादुरगढत्र के अलावा हरियाणा के जिन गांवों की जनसंख्या दस हजार से अधिक है क्या उनमें में भी सीवरेज सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव सराकार के विचारधीन है। ये एक योग्य मंत्री है ओर बहुत सीनियर मंत्री है।

श्री जगन्नाथः स्पीकर सर, सीवरेज के साथ–साथ पानी काहोना भी बहुत जरूरी है, क्योंकि जहां पर सीवरेज लाईन है वहां पर प्रति व्यक्ति 100 से 110 लीटर पानी होना जरूरी है।इसलिए जहां पानी की कमी होगी पहले वहां पानी की पूर्ति की जाऐगी। उसके बाद जिन गांवों की दस हजार की आबादी है उन गावों को सीवरेज में लाने के बारे में सोचा जा सकता है।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मेरे हल्के राई के अन्दर पानी का स्तर बहुत नीचे चला गया है जिसके कारण राई क्षेत्र में जितने टयूबवैल लगे हुए है वे ठीक काम नही कर पा रहे है। लोगों को पानी की सप्लाई भी ठीक से नही हो पा रही हैं टयूबवैल वगैरह सब लगे

हुए है लेकिन लोगों को समय पर पानी की सप्लाई नही मिलती है जिसके कारण लोगों को बहुत दुःख होता है।

श्री जगन्नाथः अगर पानी की सप्लाई में कोई गडबड है तो उसको ठीक करवा दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः मै माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जहां पर आबादी 20 हजार है और ऐसी कंस्टीच्यूएंसी भी है जिनके अन्दर कोई भाहर नही हैं क्या आप ऐसे गांव जनकी आबादी 20 हजार है, उनके लिए कोई सीवरेज का प्रबंध का विचार रखते है?

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, ऐसे तो बहुत से गांव हो सकते है। आपका बौंद कलां भी हो सकता है, मोखरा हो सकता है। लेकिन इतना पैसा नही है कि हम सारे बड़े बड़े गांवों और सारे भाहरों में यह प्रबंध कर सकें। जितने 44 कस्बों और भाहरों में सीवरेज का काम चल रहा है, उनके अन्दर भी यह काम पूरा नही हुआ है। किसी में 85 प्रति ात, किसी में 75 प्रति ात तथा किसी में 70 प्रति ात कार्य ही हो पया है। हां, आने वाले समय मे बड़े बड़े गांवों कजिनकी आबादी 20 हजार की है, उनके लिएभी हम विचार कर लेगें लेकिन पहले तो 100 या 110 लीटर पानी प्रति व्यक्ति दिन देने का विचार है।

Opening of Polytechnic Institure in Julana Constituency

238. Sh. Sat Narain Lather: Will the Minister for Technicla Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of Government to open a polytechnic Insitute in Julana Constituency?

आवास मंत्री (श्री नारायण सिंह): नही श्रीमान जी।

श्री सतनारायण लाठर: अध्यक्ष महोदय, जुलाना में बहुतकनीकी ि ाक्षा केन्द्र खोलने की बहुत जरूरत है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि जुलाना के अन्दर एक निहाली होती थी और उस ने दूसरी कास्ट में भाादी कर ली थी। वह बाहर से आई हुई थी। यंहां पर श्री घासी राम जी एम0 एल0 ए0 होते थे।

श्री अध्यक्ष: आप प्र न पूछिए।

श्री सत नारायण लाठर: अध्यक्ष महोदय, जुलाना में इन चीजों की कमी है। पिछली सरकार ने वहां के लिए कुद नही किया हैं इसलिए मै आपनी सरकार से चाहता हूं कि इस बारे में कोई अच्छा जवाब दे तांकि मुझे भी संतुश्टि मिल सके ओर कोई उम्मीद भी हो सकैं।

श्री नारायण सिंह: अध्यक्ष महोदय, सरकार के पास इतना पैसा नही है जिससे ज्यादा कार्य हो सके। इनके यहां तीन कालेज सरकारी है और 5 गैर सरकारी कालेज है। इन कालेजों को सरकार पूरी सुविधाए दी हुई है। इसके ज्यादा अगर ये कुछ और पूछना चाहते है तो अलग से नोटिस दे दें।

Upgradation of Govt. Middle School, Dadlana

232. Sh. Krishan Lal. Will the Minister for education be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government Middle School, Dadlana, District Karnal; and

(b) If so, time by which the said school is likely to be upgraded?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): वर्तमान में विद्यालय को स्तरोन्नत करने का कोई प्रस्ताव नही है।

श्री कृश्ण लाल: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी सपूछना चाहता हूं कि लगातार 5 साल से राजकीय माध्यमिक विद्यालय, ददलाना (करनाल) के स्कूल को अपग्रेड करने के बारे में सदन में सवाल लग रहे है। वहां पर बिल्डिंग भी कंपलीट है। और उसके 8–10 कि0मी0 के एरिया में कोई हाई स्कूल भी नही है। इसलिए मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि क्या इस स्कूल को अपग्रेड करने पर विचार करेगे?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, हमारे काबिल साथी श्री कृश्ण लाल जी ने जो सवाल पूछा है यह पहले भी इस सदन में आया है। इनकी जानकारी के लिए मै बताना चाहता हूं कि ददलाना के विधायलक में 8 कमरे है। और 3 एकड जमीन उनके पास है। वहां पर छात्रों की संख्या 647 है। ददलाना गांव

की आबादी 7000 है। वह स्कूल अपग्रेड ान के वांछित नार्मज पूरे नही करता है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बतानाचाहता हू कि जो रिपोर्ट इनके पास आई है कि यह विद्यालय अपग्रेड ान के लिए के लिए नार्मज पूरे नही करताहै, वह गल्त है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर 17 कमरे है। इसलिए इस विद्यालय को दुबारा सर्वे कराकर इसको अपग्रेड करवाने की कृपा करें।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैने माननीय सदस्य को उस राजकीय विद्यालय की सूचना दे दी है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, माननीय मंत्री जी सेन अपने भाशणों में और सवालों के जवाबों में खुद माना है हरियाणा प्रदे ा के अन्दर ि ाक्षा का एक नया ट्रैन्ड उभर कर सामने आया है। स्पीकर साहब, देहातों में पब्लिक स्कूलों के पैट्रन पर काफी संख्य में स्कूल खोले हुए है क्या मंत्री की नालेज में यह बात है कि वे प्राइवेट पब्लिक स्कूल किन हालात में है, किस वातावरण में है, उनकी बिल्डिंग कैसी है, और वे फीस कितनी लेते है? मै कहता हूं कि वे बड़े अच्छे–अच्छे पब्लिक स्कूलों के बराबर फीस लेते है उनके पास साधन है नही। आज देहातों में भी लोग अपने अपने बच्चों को उन प्राइवेट पब्लिक स्कूलों में पढ़ाने के बहुत इच्छुकहै जिसके कारण गवर्नमैंट स्कूलों में छात्र छात्राओं की

संख्या बहुत तेजी से साथ घटती जा रही है। मै मंत्री जी से जानना चाहंता हूं कि क्या सरकार ऐसी कोई कारपोरे ान का गठन कर सकती है जो उन प्राइवेट पब्लिक स्कूलेां को वांछित वातारण के लिए जोकि अच्छे पब्लिक स्कूलों के लिए होना चाहिए उसमें वह सब साधन जुटा सके। और उन प्राइवेट पब्लिक स्कूलों के अध्यापक उस कारपोरे ान से लोन बगैरह ले करके अपने प्राइवेट स्कूलों को सही ढंग से चला सके। वे अपने पब्लिक स्कूलों में अच्छे अध्यापक रख सकें ओर गांव के बच्चे भी एक अच्छे वातावरण में पढ़ सकें ओर उन पब्लिक स्कूलों मे ंपढ़े हुए बच्चे मैट्रोपालिटीन सीटीज के बच्चों के साथ कम्पीट कर सकें। इसलिए मै जानना चाहता हूं कि क्या सरकार का ऐसी कारपोरे ान स्थापित करने का कोई विचार है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने ठीक कहा कि हमारे प्रदे ा के गांवों में भी ि ाक्षाा के प्रति जागरूकता बढत्री है। प्रदे ा के गांवों में लोगों ने अपनी सोसाईटीज बना करके कुछसंस्थाएं रिजस्टर करवा रखी है और उनहोने उन ि ाक्षा संस्थाओं को व्यक्तिगत रूप से औश्र संस्थागत रूप से चालने का प्रयास कियाहै। यह बात भी ठीक है कि आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर लोग एक छोटी सी बिल्डिंग बना करके इसमें प्राइवेट पब्लिक स्कूल चला रहे है। ओर वे मनमानी फीस भी लेते है। उनके पास ट्रेन्ड टीचर भी नही होत है। हमें इस तरह की ि ाकायतें काफी मात्रा में मिली हैं हम

उनका सर्वेक्षण करवा रहे है। माननीयसदस्य ने एक करपोरे ान स्थाति करने का कोई विचार नही है परन्तु एक बात पर हम बहुत गम्भीरता से विचार कर रहे है कि हम आने वाले समय में हर सब डिविजन लैवल पर उन प्राइवेट पब्लिक स्कूलों के मुकाबले में एक आद र्ा विद्यालय राजकीय स्तर पर विकसिज करें। पिछले दिनों इस बारे में कुरूक्षेत्र के अन्दर दिल्ली के ि ाक्षा विभाग के सभी अधिकारियेां ने अपनी तीन मीटिंग्ज भी की हैं

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहबा, या तो मै इनकों अपना सवाल समझा नही सका या ये समझ नही पाए। मै इनको बताना चाहता हूं कि कारपोरे ान स्थापित करने का मतलब यह है कि जैसे इन प्राइवेट पब्लिक स्कूलों को जिन जिन संसाधनों की जरूरत है वह सभी ससंसाधन वे बच्चों को मुहैया नही कर सकते। इसलिए यदि ऐसी कोई कारपोरे ान स्थापित कर दी जिाती है तो वे उससे लोन बगैरह ले सकेंगे ओर उनकी मदद हो जाएगी। जो आप सब डिविजन लैवल पर इस तरह के विद्यालय कायम करेगे उससे तो आपके खजाने पर भार पड़ेगा।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा विभाग अपने आप में एक सक्षम विभाग है ओर हर टेलेंट का अध्यापक हमारे विभाग में है इसलिए हर सब डिविजन पर हम एक आद र्ा विद्यालय कायम करना चाहते है।

Opening of Government College At Sampla

263. Sh. Balwant Singh: Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to open a new Government College at Sampla, and

(b) If so, the time by which the said Collage is likely to be opened?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) इस समय कोई भी प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है।

(ख) प्र न ही नही उठता।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने गवर्नर ऐड्रस पर और बजट पर बोलते हुए भी कहा था कि सांपला में एक कालेज बनाया जाये। स्पीकर साहब, मै मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि रोहतक जिले के अन्दर सांपला कस्बें से चौधरी छोटू राम का गांव भी कोई एक किलोमीटर के फासले पर है। वहां के बच्चों को उच्च ि ाक्षा प्राप्त करने के लिए रोहतक आना पड़ता है। जिस के कारण बच्चों को काफी परे ानी होती है। हम सभी सर छोटू राम के नाम पर वोट मांगते है। वहां पर उनके उस कस्बें में चौधरी छोटू राम के नाम पकरे कोई संस्था न बनाई जाए, यह कोई अच्छी बात नही है। मै चाहता हूं कि मुख्य मंत्री

जी सदन में इसी समय वहां पर इनके नाम पर महाविद्यालय बनाये जाने का एलान करें ओर इसे बनाय जाने का आ वासन दें।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले में इस समय 19 महाविद्यालय है ये है– Govt. College for Women, Rohtak, Govt. College, Bahadurgarh, Govt. College, Dubaldhan, Govt. College, Dujana, Govt. College, Jhajjar, Govt. College, Meham, All India Jat Heros Memorial Collaege, Rohtak, G.B. Degrre College, Rohtak, Sh. L.N. Hindi College, Rohatak, Vaish College, Rohtak, G.B. College of education, Rohtak, Vaish College of Education, Rohtak, C.R. College of Education, Rohtak, S.J.K. College, Kananaur, Vaish Arya KMV Bahadurgrh, M.A. College for Girls, Jhajjar, M.K. Jat College, Rohtak, D.A.V. Girls College, Kosli. फिर भी स्पीकरसाहब, मायना साहब ने जो बात की है। इस बारे में बताना चाहता हूं कि राव बंसी सिंह जी जो हमारे स्वार्गीय साथी इस सदन के रहे है, उनके प्रयत्नों से अटेली में हमने महा विद्यालय बनाये जाने के लिए जिमीनका अकिधग्रहर कियाथा, वह बना भी, क्योंकि लोगों ने पैसे इकट्ठे किए थे। लोगों ने खुले दिल से पैसे दिए थे। जब तक बच्चयों की भी संख्या पूरी न हो तो महाविद्यालय खोलने का फायदना नही है।इसलि मै अपने माननीय साथी मायनासाहब से निवेदन करता हूं कि वे इस महाविद्यालय के लिए भवन का निर्माण और ग्राउं का निर्माण कर दें, हम महाविद्यालय वहां पर खोल देगे।

श्री बलबंत सिंहः वह तो हम करेंगे। लकिन मै चाहता हूं कि आप करैं।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): आप बिल्डिंग पूरी बनवा कर दे दें।

श्री बलवंत सिंह: अध्यक्ष महोदय, वहां के लोग तो इस काम के लिए पैसा इकट्ठा कर ही रहे है। लेकिन आपको पता है कि वहां पर पीछे बाढत्र आने से किसानों की आर्थिक स्थिति भी ठीक नही है वे तो अपनी तरफ से अधिक से अधिक पैसा इकट्ठा करेगे ही लेकिन मै चाहता हूं कि किसानों की समस्यओं को ध्यान में रखते हुए सरकार अपने स्तर पर इसे बनाव दे बाकी की मदद वहां के इलाके की जनता करेगी।

श्री बंसी लाल: अब हम बाढ़ नी आने देगे। एक साल में आप हमें बिल्डिंग तैयार करके दे दो।

श्री बलवंत सिंह: मुख्य मंत्री जी आप वहां पर महाविद्यालय खोले जाने का आ वासन तो दे दें?

श्री राम बिलास भार्मा: जिस दिन आप भवन बना कर दे देगे उसी दिन हम वहां पर महाविद्यालय खोल देगे।

श्री सतनारायण लाठर: अध्यक्ष महोदय, मै जानना चाहता हूं कि भाहरों से 30 किलोमीअर के फासले पर जिन कस्बों में महाविद्यालय नही है या उच्च ि ाक्षा संस्थाए नही है वहां पर महाविद्यालय खोले जाने का क्या कराईटेरिया है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, लाठर साहब ने जुलाना में महाविद्यालय खोले जाने के बारे में मुझे कई बार कहा है। इनको भी कहना चाहता हूं कि वे भी बलवंत सिह मायना की तरफ वहां पर बिल्डिंग बनवा कर तैया करवा दें, हम वहां पर भी महाविद्यालय खोल देगे। ये सारी भार्तो को जिस दिन पूरा कर देगे उसी दिन से वहां पर महाविद्यालय चालू कर देगे।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय ि ाक्षा मंत्री जी ने हाउस में धुमा फिरा कर आ वासन देने की बात कही है अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी स्वय बादली गए थे उस समय लोगों की भावनओं को देखते हुए इन्होने लोगों की इस बात को स्वीकर किया था कि सरकार बनने के बाद उसे बनाएगे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे पास उनके उस भाशण का टेप है। बिल्डिंग के बारे में भी इनसे बात हुई थी। अध्यक्षमहोदय मै यह कहना चाहूंगा कि हामरे पास 10 जमा 2 से ज्यादा बिल्डिंग है तकरीबन 30–35 बहुत बड़े कमरे बने हुए है ओर हाल भी बना हुआ है, क्या सरकार उस कालेज को चालू करने बारे में विचार करेगी?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जो बात मैने कही थी मै उससे इन्कार नही करता और मै उस पर अभी भी कायम हूं। हमारे ि ाक्षा मंत्री जी मौके पर जा कर देख लेगे अगर सफि ायैट बिल्डिंग वहा परहोगी तो चालू करवा देगे।

श्री अध्यक्षः ि ाक्षा मंत्री जी, मेरे अपने पैतृक गांव में उस समय के मुख्य मंत्री जी वहां पर गये थे ओर हमारे लोगों को वि वास दिलाया था कि वहां पर कोलेज खालेगे। 25 कमरें वहां पर बने हुए है बाकी का भवन भी पूरी तरह से तैयार हैं हम पिछले दो साल से इस बात की बाट जोह रहे है कि कब वहां पर कालेज खुलेगा क्या वहां पर कोलेज जल्दी ही खुलवाने बारे विचार करेगे?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदउय, आपकी इच्छा को हमारे लिए आदे ा है। बौन्द में हम कालेज बनाने बारे में जरूर विचार करेगे।

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी का ध्यान अपने जिले की तरफ दिलाना चाहूंगा। वहां पर एक भी गवर्नमैंट कॉलेज नही है। कैथ्ला में एक जाट कॉलेज ळै। प्दिली सरकार के राज में वहां पर एक डिग्री कॉलेज बनाने का आ वासन दिया थां। पूरी बिल्डिंग वहां पर बनी हुई है, पूरा प्ले ग्राउंड भी है क्या सरकार वहां पर डिग्री कॉलेज बनान के बारे में विचार करेगी?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, राम पाला माजरा जी ने जो सवाल किया है उस कके बारे में मै उनहें बतानाचाहूंगा कि हम जांच करवा लेगे। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै यह भी कहना चाहूंगा कि ऐसा कोई जरूरी नहीहै कि गवनमैंट कॉलेज

ही होने से ि ाक्षा का प्रचार या प्रसार होता है। स्कूलों का दर्जा बढ़ाने के बारे में मांग हर चुनाव क्षेत्र से आ रही है। ओर सवालों में यह भी कहा गया है कि विद्यालयों में अध्यापकों को संख्या कम है। हमने इन बातों पर विचार किय ओर लगातार ि ाक्षा में गुणताम्क सुधर हो ि ाक्षाका अधिक से अधिक प्रचार ओर प्रयार हो इसके लिए सरकार प्रयासरत है। अध्यक्ष महोदय, मै रामपाल माजना जी को बातना चाहूंगा कि राजकीय महाविद्यालय हर जगह हो यह जरूरी नही है। बहुत ऐसी ि ाक्षा संस्थाए भी है जो ि ाक्षा के प्रचार और प्रसार में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। हमने अभी तक इन्स्टीच्यूट में नई एम0 ए0 की कक्षाएं भुरू की हैं इसके साथ जे0बी0टी0 और ओ0टी0 में 2 हजार छात्रों को प्रि ाक्षित करने के लिए सीटे थी इन की संख्या भी अब साढ़े तीन हजार तक बढत्रस दी है। अध्यक्ष महोदय, कैथल के साथ कोई भी ज्यादती की बात नही है। सरकार इस बात से पूरी तरह जागरूक है कि हरियाणा का काई भी हिस्सा ि ाक्षा मे पिछड़ा न रहे। इसके लिए चाहे कोई भी हल्का हो ि ाक्षा संस्थान या उच्च ि ाक्षा संस्थान से वंचिज नही रहेगा। जहां कही कोई कमी हैवहां पर ि ाक्षा संसाीन बनाने बारे जरूर विचार करेगें

श्री बीजेन्द्र सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, माननीय ि ाक्षा मंत्री जी काध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि इस प्रदे ा के पूर्व मुख्य मंत्री तथा डिप्टी प्राईम मिनिस्टर हमारे हल्के इसराना में गए थे। वहां पर लोगों ने अपनी मेहनत से खून पसीने की

कमीई में से कुछ रा ि ा कालेज बनवाने के लिए एकत्रित की थी। उस रा ि ा में से कुछ रा ि ा तो नेता लोग ले गए लेकिन बाकी की रा ि ा एक दो आदमियों के नाम पर जमा हैं वे पैसा अभी तक यूं ही पड़ा हुआ है। उस हलके के लोग आज भी उन नेताओं को याद करते है। ि ाक्षा मंत्री जीसे मेरा निवेदन है कि उस पैसे को उन लोगों से वापिस लिया जाए ओर साथ वहां पर कालेज खोलने के बारे में भी विचार करै।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, इसरान की जो ि ाकायत आई है कि कुछ लोग धन इकट्ठा करते है और जिसकाम के लिए वह घन इकट्ठा किय ाजाता है उस पर खर्च नही कया जात ाहै इस का`देख ललेगे आज ि ाक्षा की तरफ जो लोगो की रूचि बढ़ी है वह हरियाणा में भाराब बंदी के कारण बढ़ी है क्योंकि अब वे उससे फ्री होकर इस तरफ आ गए है।

Laying of Foundation stone of Electricity Stations

273. Sh. Anil Vij: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The total number of foundation stone laid during the last five years for the construction of electricity station/Sub-station in the state;

(b) The number of electricity stations/sub-stations out of those as referred to in part (a) above that have been constructed/are still under construction and

(c) Whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 66KV sub-station near industrial Area, Ambala Cantt.; if so, the time by which it is likely to be set up?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal) A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) The details of foundation stones laid in the last five years have to be collected from field offices located all over the state. Getting details for last 5 years is a voluminous exercise and the work involved may not be commensurate with the result sought to be achieved.

(b) Details of new power sub-stations commissioned during last 5 years (April, 1991 to March, 1996) is as follows:—

220KV	4
132KV	13
66KV	10
33KV	35

Work on following sub & stations are presently in progress:—

220KV	7
132KV	12
66KV	9

(c) Yes, Sir. The sub-Station is likely to be completed by the year 1998-99.

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करनाचाहूंगा कि सवाल के पार्ट ''सी'' के उत्तर में कहा है कि अम्बाला कैंअ का सब स्टे ान 1998–99 मे पूर किय दिया जाएगा। इसे साथ ही मै यह जानना चाहूंगाकि प्रदे ा में ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीव्यूटर को पूरी तरह से चुस्त दुरूस्त बनाने की आव यकता है, इसके लिए ये क्या करेगे?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ट्रांस्मि ान और डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम स्टैग्थन करने के लिए हमें पांच करोड़ रूपये की अगले पांच सालों में जरूरत हैं इसे साथ ही मै इनको यह कहना चाहूगा कि पिछले पांच सालों में पत्थर इतरे रखे गये जिनका हिसाब रखना या लगाया जाना बहुत मु ाकल है। यह जो अम्बाला सब स्टे ान है इस बारे में हमने 1998–99 में बनाने की बात की है। मै इनको यह भी बताना चाहूंगा कि इसकों हम करंट ईयर में ही चालू कर देगे।

श्री सूरज मलः अध्यक्ष महोदय, मुरथल गांव के नाम से सब डिविजन सोनीपत में खुला हुआ हैं यह आफिस पहले मुरथल में होता था ओर इसका स्टाफ वही पर बैठता था लेकिन अब वह स्टाफ सोनीपत में बैठता है। लोगों को कोई प्रौब्लम हो तो उनको सोनीपत जाना पड़ता है जिससे वहां के लोगों को बहुत मु ाकल

होती है क्येंकि वह स्टाफ गांवों में भी नही आता है। क्या मुख्य मंत्री जी उस स्टाफ को मूरथल में बिठाने का कोई प्रबन्ध करेगे ताकि लोगों को परे ानी से मुक्ति मिलें?

श्री बंसी लालः आपकी बात जायज है और हम उस स्टाफ को वही पर बिठाएंगे।

Number of Persons Getting Olf Age Pension

323. Sh. Dhir Pal Singh: Will the Minister for Social Welfare be pleased to state the umber of male and female persons getting old Age pension as on 1st January 1990, 1996 and 1997?

स्थानीय भासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): सूचना अनुलंग्नम 'क' पर रखी है।

अनुलंग्नक–क

वृद्धावस्था पैं ान स्कीम 1 जनवरी 1990, 1996 तथा 1997 में लाभपात्रों की संख्याकी सूचि

वृद्धावस्था पै ान योजना के अन्तर्गत नीचे द ार्यी सूचि में लाभ पात्रों की संख्या	पुरूश	महिलाएं	कुल
01.01.1990	380161	357105	757266

01.01.1996	389938	357460	746398
001.01.1997	369060	334289	703349

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेरे प्र न के उत्तर में द ार्या है कि 01.01.1990 तक 737266 वृद्धो को पें ान दी गयी ओर 6 साल बाद यानी 1996 तक 749398 लोगों को पें ा दी गयी यानी अंतर 9132 का है। मै आपके माध्यम से मत्री महोदय से जानकारी चाहूंगा कि जैसा 1991 के चुनावों में काग्रेस पार्टी ने यह वायदा किया थाकि 65 साल ातक जो वृद्धावस्था पें ान की सीमा है। उसको घटाकर साल साल कर दिया जाएगा तो पांच साल की आयु घटने के बाद ओर 6 साल निकलने के बार भी जो इतनी संख्या बढ़ी है इसका क्या कारण है?

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, जब यह पें न बनाई जाती है तो इसके लिए एक बोर्ड बैठता है जिसमें डाक्टर अधिकारी एवं चुने हुए प्रतिनिधि होते है। पूरी तरह से तय करने केबाद ही पें ान बनाई जाती है। मै आपके द्वारा मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि क्या सिी की बनी हुई पें ान को सो ाल वैलफेसर डिपाटमेंट का एक कल्के यक कहरकर पें ान काट सकता है कि अभी तेरे बाल सफेद नही हुए है या अभी तेरे दांत नही टूटे है? अम्बाला छावनी में इस प्रकार का एक इंस्टान्स हुआ है। पिछले दिनों नगरपालिका के कर्मचारियों की हड़ताल के

दौरान सो ाल वैलफयेयर डिपार्टमेंट का एक क्लर्क जब अम्बाला छावनी में पें ान बांटने के लिए गयातो उसने कई लोगां को पे ान उपर्युक्त कही हुई बातों को कहकर काट दी। क्या एक क्लर्क बोर्ड द्वारा निर्धारित की गयी पें ान को काट सकता है।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, वह ऐसा नही कर सकता और उसकों इस तरह से पें ान काटने का अधिकार नही हैं अध्यक्ष महोदय, पें ान के बारे में जितने भी विवादास्पद केसिज होत है उनके लिए एक समिति बनायी गयी है जिसमं जिला समाज कल्याण अधिकारी, मुख्य चिकित्या अधिकारी ओर डी0सी0 होते हैं जिन जिल लोगों की पें ान काटी गयी है, उनकी आप ऐलीके ांज लेकर हमें दे दें, हम दोबारा से इसका निरीक्षण करवा लेगे।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण मंत्री साहिबा बहुत ही सीनियर मोस्ट मंत्री है, उनके पास नीचे से जानकारी आयी होगी उसी के आधार पर इन्होने बताया है कि 01.01.96 के बाद 01.01.97 तक 703349 लोगों को पें ान दी गयी। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानकारी चाहूंगा कि एक साल के बाद यह संख्या कम होकर 33937 क्यों हो गयी। यह संख्या वर्तमान सरकार के आने के बाद ही कम हुई है। अध्यक्ष महोदय, यह एक गंभीर मामला है ओर संख्या बार बार डाउन कयों जा रही हैत्र बहन जी ने यह पले कहा था कि हमारे सामय में इस बारें में अनियमितताएं हुई थी ओर पिछली सरकार के समय में भी

अनियमितताएं हो गयी थी। लेकिन फिर भी यह संख्या क्यों कम हो गयी है औरइ कसे क्या कारण रहे है? क्या बुजुगों की संख्या कम हो गयी या कोई अन्य कोई कारण है? इसके अलावा अध्यक्ष होदय, मै यह भी जाननाचाहूंगा कि इन दस महीनों के दौरान इस बारे में कोई नया सर्वे क्यों नही हो पया, इसका क्या कारण है? सयह संख्या घट री है फिर ये दोबारा सर्वे क्यों नही करवा रहे है, इस बारे में बता दें।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य 01. 01.97 की बात कर रहे है तब हमारी सरकार नही थी। मार्च अप्रैल का बैकलोग जो है वह भी हमारी सरकार ने पूरा किया है। हमने पिछली सरकार की बची हुई पें ान वितरित की है। हर दो साल के बाद सर्वेक्षण होता है वह दो साल का समय अब आ गया है ओर अब नये सिरे से सर्वेक्षण करवा रहे है जो भी लाभ पात्र होगा उसको पें ान मिलेगी।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया ने कहा है कि 01.01.97 को हमारी सरकार नही थी जबकि इनकी सरकारही थी ये इसमें सुधार करे लें।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, 01.01.97 को हमारी सरकार थी लेकिन सर्वे करने का जो नियम है वे दो साल के बाद होता है है वह अब होना है और उसे हम करवा रहे है।

श्री अध्यक्षः मै मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि जहां तक विधवा पेंशन की बात है पिछले 5 वर्शो में हमने इस बात को काफी उठाया है कि कोई भी भारतीय नारी कभी झूठ नही कह सकती कि वह विधवा है इसलिए उसको पें ान दी जाए। जो भी विधवा दुर्भाय से हो जाए तो उसको पें ान भीघ्राति ीघ्र मिले। ऐसा कोई प्रावधान आप करे।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मै सारे माननीय सदस्यों को बताना चाहती हूं कि जब से हमारी सरकार आई है विधवा की पें ान हर महीन जिस वक्तय वह प्रार्थना पत्र देती है हम उसी महीने से लागू कर देते है। हम कोई इंतजार नही करते।

श्री रामफल कुण्डुः अध्यक्ष महोदय, इन्होने कह दिया कि जब फार्म भरे, पें ान बना दी जाती है। मै कहना चाहूंगा कि फार्म तो भर लिए जाते है। लकिन एक साल बीत जाने के बावजूद भी पें ान नही बनाई जाती है इसका क्या कारण है?

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य से अनुरोध करूंगी की वे इस बारे में ऐसा कोई इंसटांस मेरे नोटिस में लाए उस अधिकारी के खिलाफ ऐक ान लिया जाएगा जिसने ऐसा किया है। औरउसकी पें ान लगा दी जाएगी।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जाननाचाहूंगा कि हर महीन की 7 तारीख से पहले

पें ान घर में दिए जाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है।

डा0 कमला वर्मा: स्पीकर सर, माननीय सदस्य को यह पता होना चाहिए कि जब से हमारी सरकार आई है तक से हर महीन की 7 तारीख को घर में पें ान दी जाती है।

श्री जय सिंह राणा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहूंगा कि पिछले दिनों बुढ़ाप पें ान के फार्म दे दिए गए लेकिन पें ान नही बनाई गई इसका क्या कारण है?

डा0 कमला वर्मा: ऐसा तो हो नही सकता। ऐसा कोई केस मेरे नोटिस में नही आया। हम सर्वे करवा रहे है। और अप्रैल तक हमारा सर्वे पूरा हो जाएगा?

Laying of Sewerage Systme At Radour

292. Sh. Banta Ram Balmiki: Will the Minister for Publice Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to lay the sewerage system in Radour City?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): जी, हां।

श्री बन्ता राम बाल्मीकी: अध्यक्ष महोदय, किन भाब्दों में मै मंत्री जी की तारीफ करूं कि इन्होने 'नो' का 'यस' में बदल दिया हैं। मै आपके माध्यम से अपने बड़े भाई मंत्री महोदय से

पूछना चाहता हूं कि यह आप कब चालू कर रहे है ओर कब तक पूरा करेगे।

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, इन्होने रादौर कस्बे का प्र ान पूछा है। वहां यमुना ऐक ान प्लान के अंदर यह काम होगा। मई जून तक जमीन अधिग्रहण हो जाएगी ओर काम भ्ारू हो ाजएगा। अगले डेढ साल में इसका काम पूरा हो जाएगा। मै हाउस की नालेज के लिए बता दें कि यमुना ऐक ान प्लान का काम जगाधरी, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गुडगांव और फरीदाबाद इन छह बड़े भाहरों में सितंम्बर में भ्ाुय हुआ था ओर मई के लास्ट तक इनमें काम पूरा हो जाएगा। उसके बाद सुर्प्रीम कोर्ट के आदे ा के बाद सैटेलाइट टाउन छछरौली, रादौरा, इन्द्री, घरौंड़ा, गोहाना और पलवल में काम भ्ारू हो जाएगा ओर एक डेढ साल में काम खत्म हो जाएगा।

श्री राम जी लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन जिन कस्बों में पानी की व्यवस्था की गई है उन कस्बों में जो मेन लाईन है उस लाईन से घ्ज्ञरों की लाईन जोड़ने की कोई प्रोपोजल सरकार के विचाराधीन है क्यों मेरे क्षेत्र में गांव के प्रति हाउस के हिसारब से 300–300 रूपये सिक्योरिटी के रूप में जका करा लिए गये है लेकिन अधिकारी उन मेन लाईन से घरों में पानी के कनैक ान की लाईन जोड़ने मैं असमर्थ है।

श्री जगन्नाथः स्पीकर सर, जिन गांवों में प्रति व्यक्ति 70 लीटर के हिसार से पानी है वहां पर हम कोि ा ा कररहे है कि घरेां में भी पानी के कनैक ान दिए जाये लेकिन जहां पानी कम है वहां पर घरेां मे ंपानी के कनैक ान देने में यह सरकार असमर्थ है।

श्री रामजीलालः स्पीकर साहब, जहां पर लाईन बिछा दी गई है और 300 रूपये सिक्योरिटी के जमा करा लिए गये है उनके बारे में अधिकारी कहते है कि हमारे पास सामान नही है वहां पर क्या घरों में पानी के कनैक ान दिये जाएगे।

राव नरेन्द्रसिंहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि नारनौल जोकि एक जिला हैक्क्वटर है क्या वहां पर सीवरेज सिस्टम की व्यवस्था यह सरकार कर रही है?

श्री जगन्नाथः स्पीकर सर, इसके बारे में अगर अलग से प्र न दे दें तो अच्छा होगा क्योंकि उसमें डिटेल में जवाब दे दिया जायेगा।

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने आ वासन दिया था कि गोहाना में सीवरेज लाईन बिछाई जायेगी इसके लिए मै मंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं। लेकिन मै मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उस सीवरेज लाईन को बिछाने में कितना समय लगेगा और कितना पैसा खर्च होगात्र? क्या वह सीवरेज लाईन गोहाना के मेन बाजार के अन्दर बिछाई जायेगी, या

तो अबाहर का एरिया है उसको ही इस स्कीम के अन्तर्गत लिया जाऐगा।

श्री जगन्नाथः स्पीकर सर, इसमें 3 करोड 48 लाख रूपये खर्च होगा। सीवरेज लाईन बिछाने का काम गोहाना भाहर के बीच के एरिया से भुरू करके आग्र तक ले जायेगे। जो छोटे–छोटे नाले या नालिया है उनको बाद में इस मेन लाईन में जोड़ दिया जाऐगा।

श्री जयसिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगाकि यमुना एक ान प्लान के तहत कौन–कौन से भाहर भाामिल किए गए है और उसका क्या क्राईटरिया है? जो बाकी के भाहर रह गये है क्या उनको भी इस योजना में भाामिल किया गया है?

श्री जगन्नाथः स्पीकर सर, 6 बड़े भाहरों को इसमें भाामिल किया गया है, यमुना जगाधरी, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गुडगांव, और फरीदाबाद। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार इन भाहरेां को गन्दा पानी यमुना नहर में पड़ता था इसलिए उसको रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने यह हिदायत दी कि इस पानी को साफ करने के लिए ट्रीटमेंट प्लांट लगाये जाये। इन छः बड़े भाहरों के साथ छः छोटे भाहरों–छछरौली, रादौरा, इन्द्री, घरौडा, गोहाना और पलवपल को भाामिल किया गया है। इन छः बड़े भाहरों पर तो 21 करोड़ रूपया खर्च होगा औरजो बाकी के छः छोटै भाहर है उन

पर 211 करोड़ रूपया खर्च होगा। कुल मिलाकर 232 करोड़ रूपया खर्च होगा।

श्री जगदी ा नैयरः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के का होडल एक सुन्दर भाहर है। पिछली सरकार के काफी मंत्री वहां पर गये, उन्होने आ वासन दिया था कि होडल के खारे पानी को मीठे पानी में बदलेगे। मै जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री महोदय मेरेा हल्के के भाहर होडल के खारे पानी को मीठे पानी में बदलने का प्रबन्ध करेगे।

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, होडल भाहर में मीठा पानी जरूर देने की व्यव्था करेगे।

श्री सतपालः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से बातना चाहता हूं कि चरखी दादरी में दो कालोनिया है। वहां पर सीवरेज सिस्टम नही है। वहां पर गंदा पानी पीने के पानी मं मिक्स अप हो जाता है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस समस्या का हल जल्दी करने की कोि ा ा करें क्योंकि वहां पर बीमारी वगैरह फैलने का आदे ाा है।

श्री जगन्नाथः स्पीकर साहब, अगर कोई ऐसी बात है तो हम उसको ठीक कर देगे। लेकिन ये माननीय साथी सारा दिन हमारे साथ रहते है, इन्होने अगर पहले हमें यह बात बताई होती तो हम इसका समाधान पहले ही कर देते।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो कैनाल बेस्ट वाटर वकर्स स्कीम है, जैस जे0 एल0 एन नहर का पानी भाहरों में जाता है तो वहां पर उस पानी में सीवरेज का पानी मिल जात है ऐसा रिवाड़ी में भी हो रहा है। क्या इस समय समस्या के समाधान के लिए सरकार के पास कोई प्रसताव विचारधीन है?

श्री जगननाथः स्पीकर साहब, इस सवाल के लिएये अलग से नोटिस दे दें। मै इसका जवाब दे दूंगा।

Digging of Drain from Bohar to Baliyana

336. Sh. Krishan Hooda: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to dig out a drain from Bohar to Baliyana; and

(b) If so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialised?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal):

(a) Yes, Sir.

(b) The work is likely to be completed before on set of next rainy season.

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होने मेरे

प्र न का उत्तर हां में दिया। मै मुख्यमंत्री जी को बताना चाहता हूं कि कलोई, मंडाल में हजारों एकड़ जमीन में बुवाई नही हुई हैं क्या वहां पर भी कोई ड्रैन बनाने का प्रस्ताव सरकार के चिारधीन है?

श्री बंसी लालः इसके लिए ये अलग से नोअिस दे दें। तो इन्होने पूछाथा कि उसकी मैने पहले ही हां कर दी है।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी को बतानाचाहता हूं कि खडारा लिंक ड्रैन पर पिछले दस साल से काम हो रहा है। उसकी केवल 15–20 किलो की खुदाई बाकी रह गई है। मै पूछना चाहता हूं कि यह जो थोड़ा सा कार्य रह गया है, इसको कत तक करवा दिया जाएगा?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, वैसे मेरे पास इस बारे में डिटेल नही है। फिर भी मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि आने वाले बरसात से पहले ही यह कार्य पूरा हो जाऐगा। (ोर)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, हुड्डा साहब ने मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद किया और बलवंत सिंह मैना जी हो हमने बताया कि रोहतक जिले में चाहे वह बाढ़ का पानी हो या किसी का हो, पानी नही खड़ा होने देगे। किसी तरह से भ बाढ से नुक्सान नही होने देगे। (ोर)

श्री बंसी लालः इन्होने तो बाछ के पानी की बात कही है। (ोर)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैने तो यह बात कही है कि रोहतक जिले में किसी भी तरह से बाढ़ के पानी के नुक्सान नही होने देगे। (ोर)

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै यह आ वासन देना चाहता हूं कि रोहतक जिले में बाढ़ पर नियंत्रण हेतु चालू साल में इतना पैसा खर्च करेगे कि इतना पैसा पहले किसी भी सरकार ने खर्च नही किया होगा। (थम्पिक)

(इस समय विपक्ष के कई माननीय सदस्य खड़े हो गये।)

Mr.Speaker: Now, the question comes to an end (Interruptions) This is also very serious matter that you are not obeying the order of the Chair. I request you to take your seat. Now, next question.

Phirani of Diwana Village

371. Dr. Viredner Pal Ahalwat: Will the Minister for Development & Panchayats be pleased to state wheter there is any proposal under consideration of the Government to construct a metalleld “Phirani” (Ring Road) of village Diwana (District Rohtak)?

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह): नही, श्रीमान् ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है।

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावत: अध्यक्ष महोदय, चुलाना से बहरान और बहरान से दिवाना गांवों में पूरी सड़के बनी हुई है लेकिन दिवाना गांव की एक किलोमीटर फिरनी कच्ची होने के कारण बरसात के दिनों में उस गांव के लोगों का बुरा हाल रहता है। उस एक किलोमीटर फिरनी के कच्चा होने के कारणबरसात के दिनों में उस गांव के लेागों का बड़ा बुरा हाल रहता है। उस एक किलोमीटर फिरनी के कच्चा होने के कारण न कोई हरियाणा रोडवेज की बस बांव के अन्दर ाजती है और नह कोई प्रावेट बसब गां के अन्दर जाती हैं मै मत्री जी से प्रार्थना करनाचाहता हूकि अगर उस गां की फिरनी को मैटल्ड बना दिया जाए तो उससे उस गांव के लेागों को बड़ी सुविधा हो जाऐगी। क्या मंत्री जी मेरी प्राथना पर विचार करेगे।

श्री कंवल सिंह: स्पीकर सहाब, उस फिरनी के बारे में डी0 सी0 साहब की रिपोर्ट यह आई है। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर साहब, ि ाक्षा मंत्री जी ने रोहतक जिले के बारे में मरोड़ निकालने की बात कही है। मै आपको यही कहना चाहता हूं कि उस भाब्द का एक्सपंज किया जाए यदि इस बात पर आप मुझे नेमें करना चाहते है तो बे ाक

नेम कर दें। मै नेम होने से नही डश्रता। मुझे आपने रोहतक जिले के लिए नेम होने में गर्व होगा।

Mr. Speaker: Dhirpal Ji. Please take your seat.

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इनकी तरफ से मेरे जिले की मरोड़ निकाली जाए ओर मै बैठा बैठा इनकी बात को सुनता रहूं। (ोर) मुझे चेयर की तरफ से डराया जा रहाहै, स्पीकर साहब, मुझे आपसे ऐसी आ ा नही थी। (ोर)

Mr. Speaker: Mr. Dhirpal Ji please take your seat otherwise I will name you. I would not allow you to speak like this.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मैने यह कहा है कि रोहतक जिले में बाढ़ के पानी के कारण नुक्सान नही होने दिया जाएगा। चाहे बाढ़ का पानी हो और चाहे जोहड़ का पानी हो वहां पर नुक्सान नही होने मैने यह कहा है। मै इस बात पर हब भी कायम हूं। (ोर)

Mr. Speaker: Please take your seat.

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मैने ऐसी कोई बात नही कही है। (ोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी माननीय सदस्य अपनी–अपनी सीट पर बैठ जाएं। (ोर)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्यों ने मरोड़ भाब्द सुना हो तो मै इनकी गलतफहमी दूर करने के लिए खेद करता हूं।

श्री अध्यक्षः अगर मत्री जी ने मरोड़ भाब्द कहा है तो वह एक्सपंज कर दिया जाए।

डा0 वीरन्द्र पाल अहलावातः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। (ोर)

Mr. Speaker: No point of order. Now, the matter comes to an end. डा0 वीरेन्द्र पाल जी आप तो पढ़े लिखे आदमी है आपको पता होना चाहिए कि क्वै ाचन आवर में कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नही होता।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावातः अध्यक्ष महोदय, मेरा क्वै ाचन ला हुआ है। और मै सप्लीमैंटर पर बोल रहा हूं।

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठ जाए।

Construction of Bye-pass in Gohana

318. Sh. Jagbri Singh Malik: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state wheter there is any proposal under consideration of the Government to construct a Bye-pass in Gohana?

Public Work Minister (Sh. Dharamvir Yadav): Sir, proposal to construct a Bye-pass in Gohana as part of

development Scheme for National Capital Region is under consideration.

श्री जगबरी सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मै जानना चाहता हूं कि यह कहाम कब तक पूरा हो जायेगा।

श्री धर्मबीर यादवः जैसे ही पैसा अवेलेबल होगा, इस पर विचार किय जायेगा।

Strengthening of Narwana Kakrod Road

348. Sh. Birdener Singh: Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to strengthen and widen the Narwana-Kakroad road?

Publice Works Minister (Sh. Dharamvir Yadv): No Sir.

श्री वीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, जो मैने सवाल दिया था, वह मेरे द्वारा दिये सवाल को पूरी तहर से सरकार से पूछा नही गया। मै बताना चाहता हूं कि लगातार 2–3 सालों से बाढ़ आने की वजह से यह सड़क लगातर डैमेज होती रही है। मैने यह पूछा था कि क्या यह रोड बाढ़ में टूटी है, क्या इसकी मुरम्मत हुई है या नही। 1995 की बाढ़ आने के बाद जब चौधरी बसी लाल मुख्यमंत्री बन गए थे कुछ दिनों के बाद ये बडनपुर गांव गए थे और ये इस नहर के हैड को देख कर आए थे। वहां पर जो डेढ किलोमीटर का टुकड़ा था उस पर रोड़ी डाल दी गई ताकि

मुख्यमंत्री यह समझे कि सारी सड़क ठीक है मै बताना चाहूंगा कि यह 16 किलोमीटर की सड़क नरवाना से काकड़ा तक की है। वहां पर न कार और न दूसरे वाहन चल पाते है। जो प्राइवेट आपरेटर्ज ने वहां पर बस लगा रखी थी वह उनहोने विदड्रा कर ली है। इसी प्रकार से ट्रेक्टर भी बहुत महत्व रखती है। मै मत्री जी से जानना चाहूंगा कि काकड़ा से नरवाना जो रोड़ है जो बाढ़ में डैमेज हो गई थी क्या उसको ठीक कराने पर आप पुनविचार करेगे। दूसरे मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूंकि स्ट्रैन्थनिंग और वाईडनिंग में कितना फर्क हैं

श्री अध्यक्षः यह कोई सप्लीमैंटरी नही है।

Samples of Pesticides

410. Sh. Jagdish Nayar: Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) The District wise and year wise number of dealers who have been given licences for the sale of pesticides in the state during the period 1990-91 todate;

(b) The number of samples of pesticides of any, taken for labouratoty tests during the year 1994-45 to 1996-97; and

(c) Whether any of the samples out of those as referred to in part (b) above were found sub-standrad; if so, the names of the firm whose samples were found sub-standrad together with the action taken against them?

Agriculture Minister (Sh. Karan Singh Dalal): The statements are laid on the table of the House.

Sr. No.	District	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96	1996-97
1.	Ambala	119	115	130	127	143	132	191
2.	Yamuna Nagar	95	88	100	106	125	145	158
3	Kurukshetra	260	279	310	298	310	377	310
4	Kaithal	236	232	292	213	244	266	369
5	Karnal	261	246	289	257	340	343	409
6	Panitpat	145	92	104	155	172	205	235
7	Sonepat	89	118	130	148	145	153	168
8	Faridabad	126	114	125	119	76	77	99
9	Gurgaon	39	39	41	53	60	62	67
10	Narnaul	62	62	61	89	107	174	199
11	Rewari	36	36	42	56	63	105	115
12	Bhiwani	227	275	42	55	82	83	103
13	Rohtak	115	106	114	100	101	121	143

14	Jind	229	266	300	376	500	661	722
15	Hisar	600	819	827	1114	1390	1863	1660
16	Sirsa	414	455	518	660	607	776	534
	Total	**3045**	**3343**	**3425**	**3926**	**4465**	**5533**	**5480**

(a) Statement showing the District wise & year wise number of dealers who have been given licences for the sdale of pesticides in the state during the period 1990-91 todate.

Statment (B)

Statement showing the number of sample of Pesticides taken for Laboratory Tests during the period 1994-95 to 1996-97 (Upto Jan'97)

Sr. No.	Year	No. Samples taken for labouratories tests
1.	1994-95	1071
2.	1995-96	986
3.	1996-97 (up to Jan'97	1447

Digging of Safidon Drain

417. Sh. Ram Phal Kundu: Will the Cheif Minister be pleased to state whether there is any proposal under

consideration of the Government to dig out the Safidon drain from Village Chhaper to its tail?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Safidon Drain is an existing Drain passing throught Village Chhaper. There is a proposal to deepen and desilt this drain and the estimates is under preparation. The work is likely to be completed before 30-06-97.

श्री रामफल कुण्डु: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि सफीदों ड्रेन बहुत पहले की बनी हुई है। अब तक इसका यह नही पता कि यह किसके कंट्रोल में है। मै इरीगे ान विभाग में गया था तो वे कहने लगे कि इस का काम पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट करेगा।

श्री अध्यक्ष: कुण्डु साहब आप बैठिए। अब क्वै चन समाप्त हो गया है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Quantity of Wheat Recieved from Central Pool.

381. Sh. Jai Singh Rana: Will the Minister for Food & Supplies be pleased to state—

(a) The total quantity of wheat received by the Stae Government from Central Reserve Pool during the year 1996-97; and

(b) The District wise details of the distribution of the wheat as referred to in para (a) above?

Food & Supplies Minister (Sh. Ganeshi Lal)

(a) The state Government received 15688.1 MT of wheat from Central Reserve Pool during the period from 01-04-96 to 31-01-1997.

(b) The information is pleaced on the table of the House at Annexure 'A'

Annexure 'A'

District wise information about the receipt of wheat by the State Government from the Central Pool.

(Figures in M.T.)

Sr.	Name of District	Received uner the Scheme Public Distribution System/Reveamped Publice Distribution System (PDS/RPDS) (from April, 96 to Jan., 97)	Received under open Market Sale Scheme (Domestic) OMSS (D) (from 20-12-96 to 31-01-1997)
1.	Ambala	1934.3	3600
2.	Bhiwani	23421.6	1817.8
3.	Gurgaon	4074	3090

4.	Faridabad	4076.5	6347
5.	Hisar	10800.5	5211
6.	Jind	1930	3368.5
7.	Kaithal	343	2978
8.	Kurukshetra	655	3600
9.	narnaul	13550	2627.9
10.	Karnal	1003.4	3650
11.	Panipat	1847	4249
12.	Rohtak	10362.7	7360
13.	Rewari	11358.1	900
14.	Sonepat	2354.7	4158
15.	Yamuna Nagar	2283.1	3930
16.	Sirsa	4555	1300
17.	Panchkula	1839	1980
	Total	**96390.9**	**60167.2**

Setting up of super Mill at Gohana

399. Sh. Ram Pal Majra: Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up?

सहकारिता मंत्री (श्री सूरजपाल सिंह): पानीपत में लघु सचिवालय के निर्माण हेतु भूमि अभिग्रहण के लिए कोि ा ें की जा रही है। निर्माण कार्य भुरू/पूर्ण करने बारे में कोई समय निि चत नही किया जा सकता।

Development of Seeds

385. Sh. Ramji Lal: Will the Minister for Agrictulture be pleased to state the details of the different varieties of seeds developed and released by Ch. Charan Singh Haryana Agriclutral Universxity, Hisar during the last five years?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): एक तालिका सदन के पटल पर रख दी गई है।

तालिका

गेहूं	1.	डब्ल्यू0एच0–542	1992
	2.	डब्ल्यू0एच0–533	1993
	3.	डब्ल्यू0एच0–896	1995
बाजरा	4.	एच0एच0–68	1992
धान	5.	हरियाणा बासमती–1 (एच0के0आर0–228)	1991

	6.	एच0के0आर0–126	1992
	7.	तरावड़ी बासमती (एच0बी0सी0–19)	1992
मूंग	8.	आ ा (एम0एच0 83–20)	1991
मसूर	9.	सपना (एल–84–8)	1991
	10.	गरिमा (एच0 82–6)	1996
राया	11.	लक्ष्मी	1996
ज्चार	12.	एच0सी0–6	1995
लोबिया	13.	सी0एम0–88	1995
कपास (अमेरिका)	14.	एच0एस0–6	1991
	15.	एच0–974	1991

	16.	धान लक्ष्मी (एच0एच0एच0–81)	1994
	17.	एच0–1098	1996
गन्ना	18.	सी0ओ0एच0–35	1992
	19.	सी0ओ0एच0–99	1996
मेथी	20.	एच0एम0	1996
ग्वाले	21.	एच0जी0–8	1991
टमाटर	22.	हिसार अरूण	1992
	23.	हिसार ललित	1992
	24.	हिसार ललिमा	1992
	25.	हिसार आनन्द	1992
भिण्डी	26.	वर्शा उपहार	1996
बैंगन	27.	(एच0आक0बी0–55)	1992
	28.	हिसार भयामल (एच0–8)	1991

	29.	हिसार प्रगति (एच0–7)	1991
	30.	हिसार जामूनी (एच0–9)	1991
मिर्च	31.	हिसार भाक्ति (एच0सी0 ।।)	1995
	32.	हिसार विजय (एच0सी0–28)	1995
सेम	33.	हिसार कीर्ति (एच0सी0–28)	1995
तोरी	34.	हिसार काली तोरी (एच0आर0जी0–4)	1995
मेथी	35.	हिसार सोनाली (एच0एम0–57)	1994
धनिया	36.	हिसार आनन्द	1994

		(डी0एच0—5)	

Upgradaton of Rajond Agriculture Marketing Sub-yard

428. Sh. Satvinder Singh Rana: Will the Minister for Agricuture be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Govrnment to upgrade the Rajond Agriculture Marketing sub-yard; ;and

(b) If so, the time by which the aforesaid sub-year is likely to be ugpgraded?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) ऐसा कोई प्रस्ताव नही है।

(ख) प्र न ही नही पैदा होता।

Number of cases of rape/murder etc. registered in the state

244. Capt. Ajay Singh Yadv: Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) The number of cased of rap, kidnapping, abbuction and murder registered in the state during the period from 31st March, 1996 todate;

(b) The number of cased out of those as referred to im part (a) above belonging to scheduled Castes;

(c) The number of cased, out of those as referred to in part (a) above which the accused have been

arrested/convicted and acquitted, separately, during the said period; and

(d) The number of cased categroy wise as referred to above which are declared untraced together with the number of cased which are under trial in the various courts during the above said period?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): विवरण तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

अपराध का भीर्श	31.03.96 से 15.02.197 तक दर्ज किए गए मुकदमें।
बलात्कार	294
अपहरण/अपनयन	373
हत्या	523
(ख)	उपरोक्त भाग (क) में द र्ाये गए मुकदमों में से अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित मुकदमों की संख्या निम्न प्रकार है।
बलात्कार	42
अपहरण/अपनयन	55

हत्या		44	
(ग)		मुकदमों की सख्या जिनमें दोशी गिरफ्तार, सजा और बरी हुए।	
	मुकदमों की संख्या जिनमें दोशी गिरफ्तार हुए	मुकदमों की संख्या जिनमें दोशी सजा हुए	मुकदमों की संख्या जिनमें दोशी बरी हुए
बलात्कार	279		15
अपहरण / अपनयन	279		3
हत्या	489	1	18
(घ)	आदमपता भेजे गये और विभिन्न न्यायालयों में विचारधीन मुकदमों की संख्या		
	अदमपता	विचारधीन न्यायालय	
बलात्कार	2	197	
अपहरण / अपनयन	11	152	
हत्या	15	286	

Setting up of 132 KV Power House, Ellanabad

363. Sh. Bhagi Ram: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a 132KV Power House at Ellanabad district Sirsa; and

(b) If so, the time which it is likely to be set up?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): हां, श्रीमान जी बोर्ड के धन उपलब्धि पर निर्भर करते हुए 132 के0वी0 उपकेन्द्र को वर्श, 1988—99 तक चालू किए जाने की सम्भावना है।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, आज से सारे अखबारों में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा का विशय छाया हुआ हैं उस काण्ड में हमारे प्रदे ा के पूर्व मंत्री और इस सदन के सदस्य चौधरी भजन लाल का नाम भी आया है। नरसिम्हा राव सरकार को बचाने के लिए झारखण्ड मुक्ति मार्चे के एम0 पीज0 को इस्तेमाल किया गय। हरियाणा सरकार के लोगों ने हरियाणा की सम्पति को दांव पर लगा दिया। (विध्न) श्री भौलैन्द्र मेहता ने आज हल्फिया ब्यान दिया है कि उन्हें नरससिम्हा राव सरकार को बचाने के लिए कितना पैसा दिया गया। उन्होने यह माना है कि नरसिम्हा राव सरार को बचाने के लिए उनको रि वत दी गई हैं अध्यक्ष महोदय, उन्होने एक बहुत बडत्री सच्चाई को उजागर किया हैं इस बारे में अखबार में यह छपा है—

"On July, 28 ?Added Madhato, Surja Mandal Said that every thing had been finalised and we have to vote against the no confidence motion. All the four of us, voted against the no confidence motion. "Mahato said."

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जली यहां पर बैठे हुए है। एक सच्चाई को श्री भौलेन्द्र मेहतो ने उजागर किया है। श्रीमान भजन लाल जी का नमा भी उसने लिया हैं अध्यक्ष महोदय, जब ये सत्ता में थे उस समय आप विपक्ष में हुआ करते थे। उस वक्त की बातों को आपको अच्छी तरह से पता है कि ये सत्ता और सरकार में हाते हुए किस प्रकार सेसरकारी धन ओर भाक्ति का दुरूपयोग किया करते थे। आपको तो स्वयं को याद होगा क्योंकि आप इसके स्वयं भुक्तभोगी रहे हैं आज के सदन के नेता चौधरी बसी लाल ओर उनके पुत्र सांसद को दफा 302 के मुकदमें में इन्होने फंसा दिया था। आपकों अच्छी तरह से पता है कि चौधरी भजन जी अपने विरोध्यिों को दबाने के लिए उनके खिलाफ मुदमें दर्ज करवा दिया करते थे। ये इस प्रकार अपनी पावर और पद का दुरूपयोग किया करते थे। आपके खिलाफ भी इन्होने मुकद्दमा दर्ज करवा दिया थज्ञ। हमारे एक चेयरमैन हुआ करते थे उनके ऊपर भी इन्होने मुकद्दमा बनवा दिया था। अध्यक्ष महोदय, नरसिम्हा राव की सरकार को बचाने के लिए इन्होने हरियाणा की प्रोपर्टी के साथ खिलवाड़ किया और अपने पद का दुरूपयोग किया। उस समय इन्होने अपने पद का गल्त इस्तेमाल किया। अध्यक्ष महोदय, भौलेन्द्र मेहतों ने एक बहुत

बड़ी सच्चाई से पर्दा उठाया है पिछले सत्र मे ंभी जब हमने इस बात को उठाने का प्रयास किया था तो इन्होने हमें बोलने तक नही दिया था। (विध्न एवं भाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे में जवाब दूंगा। (विध्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप अभी बैठिये वे अभी अपनी बात कह रहे है। पहले आप उनको अपनी बात पूरी कहने दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मै आपने विपक्ष के भाईयों से एक बात कहना चाहूंगा कि सदन की एक गरिमा होती है। इन्सान से गल्तियों होती है क्योंकि इन्सान गल्तियों को पुतला है। चौधरी भजन लाल जी से भी गल्तियों हुई है और हरियाणा की जानता के सामने तथा सदन के सामने उन्हें अपनी गल्तियों कोसुधारने की कोि ा ा करनी चाहिए। पिछली दफा जब इन्की सरकार थी उस वक्त भी मैने इनकों कहा था कि ये अपनी गलती को मान कर उस गलती को सुधारने की कोि ा ा करें ओर इस तथय को मान ले लेकिन उस वक्त भी उन्होनें इसे नही माना था। (विध्न) तो ये भी अपनी आत्मा के अन्दर झांके और जो इन्होने गल्तियों की है। उसके बारें में इनको मानना चाहिए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अभी कर्ण सिंह दलाल जी ने बोलते हुए मेरे बारे में बात कही है ये दूसरी बार मैम्बर बन कर सदन मे ंआए हैं इस बात की हमें खु ी है। लेकिन मै इनको एक बात कहनाचाहता हूं कि ये जो भी बात यहां पर बोले वह सच्चाई पर आधारित होनी चाहिए। इन्होने यहं पर पूरी तरह से झारखंड मुक्ति मोर्चे के बारे में अखबार से कहानी पढ़ी है। यह जो कल का ब्यान है उसमे ंभजन लाल का कही पर भी नाम नही है। (विध्न) मै यह कहता हूं कि जो झारखंड मुक्ति मोर्चा के चार एम0 पी0 है। मै उनको जिन्दगी में कभी भी कही नही मिला हूं। इन्होने एक बात उनको प्लाट देने के बारें में कही है। अध्यक्ष महोदय, आज इनकी सरकार है और रिकार्ड भी इनके पास है। ये रिकार्ड देख लें ओर यहां पर बता दें कि मैने किसी झारखंड मुक्ति मोर्चा के एम0 पी0 को कोई प्लाट दिया है। अगर एक भी प्लाट ऐसा निकल आए ता मै अस्तीफा देकरघर चला जाऊंगा। इसके अलावा जिसके बारें में इन्होने कहा है कि वह सरकारी गवाह बन गया है या बनना चाहता है। अध्यक्ष महोदय, ऐसे आदमी पर कौन वि वास करेगा तो एक बार पहले भी गवाह बन गया था जब बाद मे उसे किसी ने कहा कि तेरे का सजा हो जाएगी तो वह आदलत में जाकर मुकर गया। अब फिर वह कहताहै कि मै सरकारी गवाह बनने के लिए तैयार हूं। अध्यक्ष महोदय, ऐसे झूठे आदमी परकौन वि वास करेगा। अध्यक्ष महोदय, यह मामला वैसे ही सब–जुडिस है। इसलिए मै इस बारे में ज्यादा नही बोलूंगा और न ही किसी को इस बारे में बात करनी चाहिए। अध्यक्ष

महोदय, इनको क्या तकलीफ है,उनको तकलीफ यह है कि मैने अपने वक्त में कोई भी गलत काम नही होने दिया था। उस वक्त जो भी नाजायज काम थे उन पर मैने रोक लगा दी थी लेकिन आज इनके वक्त में उन सबों छूट मिल गई हैं अध्यक्ष महोदय, एक इन्होने जिन्दग का नाम लिया। जब हमें पता चला कि वह निर्दो ा है तो हमने 24 घंटे के अन्दर टाडा को केस वापिस लिया था।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इन्होने 20—25 आदमियों को एक छोटी सी कोठरी के अन्दर बंद करके रखा था। इसब रेमें पालियामैंट में बात आईतो इन्होने उनको छोड़ा। अध्यक्ष महोदय, जिन्दल साहब की फैक्टरी में एक सिक्योरिटी गार्ड वाइस एडमायरल रैंक का थ। जिसको इन्होने अन्दर किया था। (ाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनकी तरह गलत बाते ंनही करता हूं ओर न ही गलत बात कहता हूं। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, ये जो गलत बातें हाउस में कहते है इनको नही कहनी चाहए।सदन में सच ही कहना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै जीरों आवर मे ंएक बात और कहना चाहता हूं।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि जीरो आवर में प्वायंट आफ आर्डर नही होता है।

Mr. Speaker: He has not been allowed to raise the point of order. Please take your seat.

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, क्लौरीफिके ान के लिए एक बात कहना चाहता हूं मैने दलाल साहब से भी यह बात कही थी और मै अब यही बात कह रहा हूं कि मेहतों ने कहा है कि उसे प चात करने की भावना जेल में जाने के बाद ही हुई है तो हो सकता है कि जेल में जाने के बाद इनकी भी वैसी ही भावना आ जाए। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनकी तरह से कच्ची बात नही करता। आपको इस तरह की बातें कहना अच्छा नही लगता। आप मेरें से उम्र में बडत्रे हाहे इसलिए अगर मै आपके बारे में ज्यादा कहूं तो अच्छा नही लगेगा। अध्यक्ष महोदय, मै इतना ही कहना चाहता हूं कि कल आप क गुस्सा कही और होकर आए होगे लेकिन आपने वह गुस्सा हमारे ऊपर उतारने की कोि ा ा की। आपने कल हमारे दो मैम्बर्ज को नेम भी कर दिया। कल तो ऐसी कोई बात नही थी। इसी तरह से आपने अपोजी ान के लीडर को जब हतक हाउस चलेगा तब तक के लिए सस्पैड कर दिया। मै आपसे एक निवेदन करना चाहता हूं कि आप अपने इस फैसले को रिव्यू करें और औम प्रका ज्ञ चौटाला

जी को हाउस में बुलाए। अगर आप उनको हाउस में नही बुलाएंगे तेा यह कोई अच्छी बात नही होगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः आप पहले मुक्ति मोर्चा के केस के बारे में अपनी स्थिति स्पश्ट कर दें। अध्यक्ष महोदय, ये अपनी बातों से ध्यान हटाकर दूसरी बातों पर ले आते है। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे इतना ही कहना है कि आप चौटाला साहब को सदन में बुलाएं ओर अपने फैसले को रिव्यू करें अगर आप ऐसा नही करेगे तो फिर यहां पर किसी का भी बैठना मुि ाकल हो जाएगा। अगर आप हमें बोलने नही देंगे तो हमेंभी फिर सोचना पड़ेगा कि हमकों क्या करना चाहिए। इसलिए अध्यक्ष महोदय, आप हाउस की गरिमा को कायम रखिए और जब तह हाउस के अंदर अपोजी ान नही होता है। तक हाउस के कोई मायने नही होते है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी अपनी सीटों पर बैठें। सबकों बोलने का टाईम दिया जाएगा। जसविन्द्र सिंह आपको भी बोलने का समय मिलेगा। आप बैठें। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आज मैने एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया था। चौधरी भजन लाल जी ता मेरे ऊपर नाराज हो रहे है। लकिन मैने यह बात अपनी तरफ से नही कही थी बल्कि यह बात आज तमाम हिन्दुस्तान के अखबारों

में आयी है। (विध्न) चौधरी भजन लाल जी ने अपना गुस्सा मेरे ऊपर उतार दिया।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अब तो यह बात हो लजी फिर अब ये कयों इस बारे में कह रहे है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जीने मेहतों साहब का गुस्सा मेरे ऊपर उतार दिया है। मैने तो इनके ऊपर इल्जाम ही लगाया बल्कि यह सब तो अखबारों में लिखा हुआ है।

श्री भजन लालः लेकिन क्या किसी ने मेरे नाम के बारे में कहा है किसी ने मेरा नाम नही लिया। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः मै आपको इसी बारें में बता रहा हूं। (विध्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी ओर चौधरी मनीराम जी मैने आपसे कई बार रिक्वैस्ट की है। Please listen to him. Let Mr. Dalal finish his speeck then I will ask you to speak.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने कलाभी इसी सदन में यह बात दोहरायी थी। इन्होने मुख्यमंत्री जी की कुर्सी पर बैठकर उस समय बड़े घमड़ से कहा था कि जब तक चौधरी भजन लाल बैठा हुए है तब तक नरसिम्हा राम की सरकार को कोई गिरा नही सकता। अध्यक्ष महोदय, मेरे

जिला फरीदाबाद में सूरजकुड नाम का एक कॉम्पलैक्स है। यह ठीक है कि आज समाजवादी जनता पार्टी के हमारे भाई विपक्ष की भूमिका निभाने में लगे हुए है। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै प्वांयट आफ आर्डर पर खड़ाहूं। आपकी रूलिंग चाहता हूं।

अध्यक्षः आप बैठ जाइए।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, मै प्वांयट आफ आर्डर पर खड़ा हूं। अगर आप मुझे सुनना नही चाहते तो मुझे नेम कर दीजिए।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएइए। अभी धीरपाल जी ने कहा था कि जीरों आवर में प्वांयट आर्डर नही हाता तो फिर आप प्वांयट आफ आर्डर पर क्यों खड़े है।

श्री धीरपालः अध्यक्ष महोदय, मै तो चेयर में वि वास करता हूं। कोई भी बात पूछनी होगी तो आपसे पूछंगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात खत्म नही हुई हैं अध्यक्ष महोदय, आप सदन की कार्यवाही निकाल लीजिए। धीरपाल जी पिछली दफा जब हमारे विपक्ष में बैठा करते थे तो इसी झारखंड मुक्ति मोर्चा के ऊपर यह इल्जाम दोहराया करते थे। (विध्न एवं भाोर)

श्री धीरपाल सिंहः यह झारखंड मुक्ति मोर्चा आपस की बात है। मुझे अभी अपनी बात कहनी है। (ोर एवं विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपको बता रहा था कि सुरजकुंउ टूरिस्ट कॉम्पलैकस पर (विध्न) मैं आज केवल इतना कहना चाहता हूं कि आज चाहे चौधरी भजन लाल जी मना करें मगर नरसिम्हा राव जी कीसरकार को बचाने के लिए न सिर्फ इन्होने उन सांसदों को प्लौट दिए बल्कि उन संसद सदस्यों को अपनी रेखरेख में उस टूरिस्ट कॉम्पलैक्स में रखवाया था। इनके गुंडों और हरियाणा पुलिस की देखरेख में उन सांसदों को ठहराया गया था। हरियाणा के खर्च पर उनपकी सेवा की गई थी, लाखें करोड़ों रूपये उन पर खर्च किए गए थे। आज इस सच्चाई से ये क्यौं मना करते है। (ोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, फिर इन्होने दोहरा दिय।मै कह रहा हूं कि यह मामला सब–जुडिस है इसलिए इस पर यहां डिसक ान नही होनी चाहिए। न ही मेरा कोई होटल से वास्ता है और न मै किसी होटल में ठहराता। दुनियां होटल में जाती है और ठहरती है मेरी उसमें क्या ठेकेदारी। बंसी लाल जी ओर आप लोगों ने विधायक समाजवादी पार्टी के तोड़े और अपने उन्हें मंत्री पद दिया। (ोर एवं व्यवधान) इससे ज्यादा प्रलोभन और इससे ज्यार सहीसबूत और क्या हो सकता हैं मुझे यह बात कहने में जारा भी संकोच नही है। अगर सरकारबचाने की बात स्टेट की हो तो मुख्य मंत्री को विधायक से बात करनी पड़ेगी।

इसी प्रकार सैन्टर में होता है। (विध्न) कल से दोनो बाप–बेटों की नींद हराम हो रही है। दोनो 5–5 मिनट में लौबी में जाकर मिलते हैं एक सतेन्द्र डी0आई0जी0 है और एक इनका बेटा सुरेन्द्र है जैसे प्रताप सिंह कैरो का उनके बेटै ने ना ा करा था इसी तरह से ये दोनो इनका ना ा करेगें। (ोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः भजन ला जी, आप बैठ जाइए। (ोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल ने कहा कि ये जो दो मैम्बर बैठे है इनको हमने तोड़ा है लेकिन इन दोनो मैम्बर्ज को इनकी पार्टी के अध्यक्ष पार्टी से एक्सपैल किया है ओर इस बारे में आपको लिखकर दिया कि हमने इन दोनो मैम्बर्ज को अपनी पार्टी से निकाल दिया हैं फिर मै कैसे इनको तोड़ कर लाया था। ये वहां पर बैठे बैठे डीगे हांक रहे हैं जो सूरजकुण्ड का किस्सा है उसके बारे में थोड़े ठहर जाओं सारा सामने आ जाएगा कि पेमैंट किसने की थी और क्या क्या कुकर्म वहां हुए थे। एक एक चीज हम निकाल लजायेगेकि ये भजन लाल जी कहां खड़े है। ये कहते है कि बाप बेटे की नींद हराम हो रही है। हम तो बाप बेटा फटकार कर सोते है। नींद तो हराम इनकी हो गई है 24 घंटे की। इनका पता है कि ये कहां खड़े है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा चौधरी बंसी लाल जी ने कहा है आप मेरी बात भी सुनिए। (विध्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप बैठिए, लीडर आफ दी हाउस बोल रहे है आप बीच में बोलते है। Ch. Bhajan Lal ji, it is very bad, when the Leader of the House is speaking, you stand up. Kindly take you seat. (Noise & Interruptions) Ch. Bhajan Lal Ji, Kindly take your seat.

श्री बंसी लालः हकीकत तो यह है कि नींद तो इनके पूरे कुनबे को नही आती है। सी0बी0आई ने हमकों लिखकर दिया कि इनके बैड रूप से भाराब मिली है। इनकी गोदरेज की अलमारी से भाराब मिली है ये कहते है कि मुनीम की भाराब है। मुनीम पांच हजार वाली भाराब पीयेगा क्या , उस मुनीम को एक घूंट तो पिलाकर दिखा दो। इनके बेटे के घर से भाराब मिली। इनके दामाद के घर से 80 बोतल भाराब मिली और वह भी इम्पार्टिड भाराब। अीी तो और चीजें भी मिलनी बाकी है और ये कहते है कि वह भाराब नही पीता। बि ानोई धर्म में तो (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात तो सुनिए (विध्न)

Mr. Speaker: Ch. Bhajan Lal ji, Please take your seat. (Interruptions). Ch. Bhajan Lal Ji, I warn you. You kindly take your seat. Don't intereupt like this, when the Leader of the House is speaking.

श्री बंसी लालः हमने तला ी नही ली, तला ी सी0बी0आई ने ली थी। हमें तो सी0बी0आई ने लिखकर दिया कि यह भाराब मिली है। वह भाराब भी चार–पांच हजार रूपये की

बोतल आती है। वह इतनी मगही भाराब पीता है। और कहता है कि वह भारबा नही पीता। कहता है कि वि नोई तो भाराब को हाथ भी नही लगाते। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे जवाब तो देने दीजिए। (विध्न)

Mr. Speaker: No, No, Ch. Bhajan Lal Ji, please take your seat. I have asket Ch. Dhir Pal Ji, to speak. He will speak, first. (interruption)

Sh. Bhajan Lal: Mr. Speaker, Sir.....

Mr. Speaker: Ch. Bhajan Lal Ji, I warn you gaian, you kindly tke your seat. (Interruption)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, कल बजट अभिभाशण पर हुई चर्चा की रिप्लाई के समय सदन का माहौल बहुत खराब हुआ। स्पीकर सर, आप भलीभांति इसबात से परिचित है कि विरोधी पक्ष की भी कोई जिम्मेदारी को निभाते हुए सरकारसे तथ्यों की जानकारी चाही थी। लकिन उन तथ्यों को छिपाया गया था। आपभी पांच साल ईमानदारी से विरोधी पक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके है। इसलिए इस जिम्मेंदारी को निभाते हुए जो तथ्य रह गये थे प्रका ा में नही आये थे उसकी जानकारी हम सरकार से जानना चाह रहे थे। टीका टिप्पणी का माहौल पक्ष की तरफ से तो होता ही रहता है। उसी आधार पर माननीय मंत्री जी ने कहा कि हाउस का माहौल खु ा करने ` लिए अगर टीका

टिप्पणी का माहौल बनता है तो उससे अच्दा ओर कुछ नही होसकता। टीका–टिप्पणी विरोधी पक्ष की तरफ से होती रहती है। किसी चीज के बारे में जानकारी लेना विरोधी पक्ष का फर्ज बनता है। हाउस के नेता ने चेयर से संबोधित करते हुए कहा कि याो स्पीकर सर आप इनको ठीक कर दो या हम ठीक कर देगे। इस प्राकर से जो ईलाज किय गया,वह यह किया गया कि विराधी पक्ष के नेता को पूरे बजट सै ान के लिए सस्पैंड कर दियागय। बजट सै ान में विरोधी पक्ष का नेता न हो तो इस परचर्चा का कोई महत्व नही रता है मेरी आपसे गुजारि ा है कि कल कोई ऐसी आपतिजनक बात नही थी जिसके लिए विरोधी पक्ष के नेता को सस्पैड किया जाए। चूंकि आप पर हमारा पूरा भरोसा है, इसलिए आपसे बिनती है कि जो कल यहां पर श्री औम प्रका ा चौटाला जी को पूरे बजट सत्र के लिए सस्पैंड करने का फैसला लिया गया, वह वापिस लिया जाए। इस बारे में मेरी न केवल आपसे ही प्रार्थन है बलिक हाउस के नेता चौधरी बंसी लला जी से भी गुजारि ा है। ये मेरे से बड़े है। इन्होने तो 5 साल विरोधी पक्ष में बैठकर बजट पर चर्चा में हिस्स लिया है। (विध्न) यहां पर हरियाणा के और प्रैस के लोग बैठे है। क्या आप लोग हाउस के नेता से गुजारि ा करने का हमारा अधिकार भी छीन लेगें? मै आपके माध्यम से हाउस के नेता से भी गुजारि ा करन चाहता हूं कि ये जो परम्पराएं है, ये ठीक नहीहै चौधरी बंसी लाल जी तो कई बार लोकसभा के, जो कि दे ा की सर्वोच्च पंचायत है, उसके सदस्य रह चुके हैं वहां पर इन्होने चर्चाएं देखी है तथा उन

चर्चाओं में हिस्सा लिया हैं वहां पर चर्चाओं का जवाब भी दिया है ंजो डिफैंस मिनिस्टर भी रहे है और रेलवे मंत्रालय भी यहां पर इनके पास रहाहै। इसलिए लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए यह जरूरी है कि उस आदे ा को वापिस लेने में कोई पाप नही है। क्योंकि बजट चर्चा में अगर विरोधी पक्ष का नेता हिस्सा न ले तो चर्चा का कोई मतलब नही रह जाता हैं वह चर्चा नीरस हो जाती है। चौटाला साहब आपकी अनुमति से ही खड़े हुए थे तथा आपकी अनुमति से ही सरकार से जानकारी ले रहे थे। यह विपक्ष का फर्ज भी बनता है इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि उस आदे ा पर पुनविचार करते हुए उस आदे ा को वापिस लिया जाए और चौटाला साहब को बजट चर्चा में हिस्सेदारी के लिए हाउस से बुलाए। स्पीकर सर, श्री सुर्जेवाला जी बहुत अच्छे वकील है। ये पहली बार चुनाव जीतकर सदन में आए है। उनके बोलेने का अंदाजा इतना बेहतरी है कि सभ उनकी तारीफ करते है। लेकिन कल जब वे बोलने के लिए खड़े हुए तो उनको भी नेम किया गया। मै आपके आदे ा को चेलेंज नही करता हूं और न ही मेरी ऐसी कोई मं ाा है। लेकन जो सदस्य सभ्य ढंग से बोले, हम भी उनकी तारीफ करते है, उसके साथ ऐसा बर्ताव नही किया जाना चाहिए। कैटन साहब दे ा की सेवा करके आए है, उनको भी नेम कर दिय गया है। (विध्न) इसलिए मै यह चाहता हूं कि आपने उनको बोलने की अनुमति दी, यह एक अच्छी बात है। लेकिन इस तरह की परम्पराए या मर्यादाए नही डाली जाएं तो अच्छी बात होगी।

श्री अध्यक्षः मै विपक्ष के उस नेता को बताना चाहता हूं। (विध्न) के अध्यक्ष श्री धीरपाल सिंज जी को बताना चाहता हूं कि यह निर्णय मेरा नही था। यह हाउस का फैसला था This is for you kind information.

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, उनकी सस्पै ान का प्रस्ताव उधर से मूव हुआ। आप इस हाउस में सदन के नेता से सुप्रीम हैं इसलिए अगर कोई प्रस्ताव पास हो गया तो उसके बारे में आखिरी फैसला आपका होता है। मै आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं कि आ उस फैसले पर पुनिवचार करके उसको रद्द करें। हाउस में अच्छी परम्पराएं कायम की जानी चाहिए। स्पीकर साहब, आपका लोकतंत्र में भरोसा है, हमारा आप में भरोसा हो।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी बात हो चुकी अब आप हाउस का बजनैस भ्ारू करांए। (विध्न)

नियम 104 का निलम्बन तथा श्री भजन लाल एम0एल0ए0 का सदन की सेवा से निलम्बन

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके नोटिस में एक बहुत सीरियस मैंटर लाना चाहता हूं। हमने आपके खिलाफ अवि ावास प्रस्ताव दिया है इसलिए हाउस का दूसरा बिजनैस भ्ारू करने से पहले उस पर विचार किया जाए। (विध्न)

(इस समय विपक्ष की ओर से बहुत सारे सदस्य खड़े हेकर बोलने लग गए। अध्यक्ष महोदय, के बार बार आग्रह करने पर भी वे बोलते रहे।)

Mr. Speaker: Mr. Bhajan Lal, please take your seat. This is not a fish market.

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा सीरियस मैंटर है...

Agriculture Minister (Sh. Karan Singh Dalal): Speaker Sir, I seek your permission to move a motion regarding suspension of Sh. Bhajan Lal from the House and suspension of Rule 104 also.

I beg to move—

That Rule 104 of the Rules of procedure and Condust of Busines in the haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding suspensionof Shri. Bhajan Lal.

Mr. Speaker: Motion moved—

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryan a Legislatve Assembly be suspended in its application to the motion regarding suspension of Sh. Bhajan Lal.

Mr. Speaker: Question is—

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryan a Legislatve Assembly be

suspended in its application to the motion regarding suspension of Sh. Bhajan Lal.

The motion was carried.

Agriculture Minister (Sh. Karan Singh Dalal): Sir, I also beg to move—

That Sh. Bhajan Lal, M.L.A. be suspended form the service of the House for the reminder of the session for his misconduct most irreponsible Behaviour, unbecoming of the member of this Aughest House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Motion moved—

That Sh. Bhajan Lal, M.L.A. be suspended form the service of the House for the reminder of the session for his misconduct most irreponsible Behaviour, unbecoming of the member of this Aughest House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Bhajan Lal, M.L.A. be suspended form the service of the House for the reminder of the session for his misconduct most irreponsible Behaviour, unbecoming of the member of this Aughest House and his grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, I request Sh. Bhajan Lal to leave the House.

(At this stage Sh. Bhajan Lal left the House.)

वाक–आउट

श्रीमती करतारा देवीः स्पीकर साहब, आप ये गलत परम्पराएं डाल रहे है। इसलिए हम एज ए प्रोटेस्ट वाक आउट करते हैं (ोर)

(इस समय इंडियन ने ानल कांग्रेस के सभी उपस्थित माननीय सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हम भी एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट कर रहे है।

(इस समय समता पार्टी के सभी उपस्थित माननीय सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

वर्श 1996–97 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान

(i) राज्य के राजस्वों पर प्रभारित व्यय के अनुमानों पर चर्चा

(ii) अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'bel Members, now the discussion and voting on the supplementary Estimates for 1996-97 will tak place. As per the past practice and in order to save the time of the House, all the demands on the order paper (Nos. 1 to 11, 13 to 18 and 21 to 25) will the be deemed to have been read and moved toghether . The Hon'ble Members cna discuss

any demand but they are requested to indicate th demand number on which they wish to rais the discussion.

That supplementary sum not exceeding Rs. 14232000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 1-Vidhan Sabha.

That supplementary sum not exceeding Rs. 53773000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 2-General Administration.

That supplementary sum not exceeding Rs. 307186000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 3-Home.

That supplementary sum not exceeding Rs. 863867000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 4-Revenu

That supplementary sum not exceeding Rs. 156438000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 5-Excise and Taxation.

That supplementary sum not exceeding Rs. 389233500 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 6-Finance.

That supplementary sum not exceeding Rs. 11694676000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 7-Other Administrative Services.

That supplementary sum not exceeding Rs. 157365000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 8-Buidling and Roads.

That supplementary sum not exceeding Rs. 599677000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 9-Education.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 46309000 for revenue expenditure and Rs. 1076908000 for capital expenditue be granted to the Government to defray chargfes that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 10-Medical and Publice Health.

That supplementary sum not exceeding Rs. 330475000 for revenue expenditure be granted to the

Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 11-Urban Development.

That supplementary sum not exceeding Rs. 97174000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 13-Social Welfare and Rehabilitation.

That supplementary sum not exceeding Rs. 21731000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 14-Food and Supples.

That supplementary sum not exceeding Rs. 43922000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 15-Irrigation.

That supplementary sum not exceeding Rs. 5024000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 16-Industries.

That supplementary sum not exceeding Rs. 188251000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 17-Agriculture.

That supplementary sum not exceeding Rs. 67446000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 18-Animal Husbandry.

That supplementary sum not exceeding Rs. 184587000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 21-Comnunity Development.

That supplementary sum not exceeding Rs. 56720000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 22-Co-operation.

That supplementary sum not exceeding Rs. 113269000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 23-Transport.

That supplementary sum not exceeding Rs. 3446000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 24-tourism.

That supplementary sum not exceeding Rs. 10 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year

ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 25-Loans and Advances by State Government.

(No Members rose to speak)

Mr. Speaker: Question is—

That supplementary sum not exceeding Rs. 14232000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 1-Vidhan Sabha.

That supplementary sum not exceeding Rs. 53773000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 2-General Administration.

That supplementary sum not exceeding Rs. 307186000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 3-Home.

That supplementary sum not exceeding Rs. 863867000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 4-Revenu

That supplementary sum not exceeding Rs. 156438000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of

payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 5-Excise and Taxation.

That supplementary sum not exceeding Rs. 389233500 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 6-Finance.

That supplementary sum not exceeding Rs. 11694676000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 7-Other Administrative Services.

That supplementary sum not exceeding Rs. 157365000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 8-Buidling and Roads.

That supplementary sum not exceeding Rs. 599677000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 9-Education.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 46309000 for revenue expenditure and Rs. 1076908000 for capital expenditue be granted to the Government to defray chargfes that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 10-Medical and Publice Health.

That supplementary sum not exceeding Rs. 330475000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 11-Urban Development.

Mr. Speaker: Question is—

The motion was carreid.

नियम 104 का निलम्बन तथा सर्वरी धीरपाल सिंह और रमे ा कुमार एम0 एल0एज0 का सदन की सेवा से निलम्बन

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हम डिवीजन चाहते है। (ोर)

श्री अध्यक्षः मैने डिमांडज मूव करने के बाद बोलने का मौका दिया था लेकिन कोई भी सदस्य बोलने के लिए खड़ा नही हुआ। उस समय आप डिवीजन भी मांग सकते थे लेकिन अब वह स्टेज किन चुकी है।

(इस समय विपक्ष के सभी सदस्य खड़े होकर बोलने लग ए। अध्यक्ष महोदय के बार–बार करने पर बोलते रहे)

Mr. Speaker: Mr. Dhirpal, I warn you. Please take your seat. (Noise)

(अध्यक्ष महोदय के बार बार कहने पर भी विपक्ष के सदस्य बालते रहे।)

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मै मो ान मूव करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है मूव करें।

Agriculutue Minister (Sh. Karan Singh Dalal): Sir, I bet to move-

That Rule 104 of the rules of procedure and conduct of business in the house be suspended in its application to the motion regarding suspension of Sh. Dhirpal Singh, M.L.A.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Rule 104 of the rules of procedure and conduct of business in the house be suspended in its application to the motion regarding suspension of Sh. Dhirpal Singh, M.L.A.

The motion was carried

Agriculture Minister (Sh. Karan Singh Dalal): Sir, I also beg to move—

That Sh. Dhiripal Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the member of this August House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Motion moved—

That Sh. Dhiripal Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of

the member of this August House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Dhiripal Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the member of this August House and his grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried

Sh. Ramesh Kumar: Speaker Sir,.....)Noise & Interruptions)

Mr. Speaker: Mr Ramesh Kumar Khatak, I warn you. Please sit down (Noise & Interruptions). (At this stage the members of the Samta Pary continued raising slogans and there was great desorder in the House).

श्री कर्ण सिह दलालः स्पीकर साहब, मै एक मो ान मूव करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है, मूव करें।

Agriculutue Minister (Sh. Karan Singh Dalal): Sir, I bet to move-

That Rule 104 of the rules of procedure and conduct of business in the house be suspended in its application to the motion regarding suspension of Sh. Dhirpal Singh, M.L.A.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Rule 104 of the rules of procedure and conduct of business in the house be suspended in its application to the motion regarding suspension of Sh. Dhirpal Singh, M.L.A.

The motion was carried

Agriculture Minister (Sh. Karan Singh Dalal): Sir, I also beg to move—

That Sh. Ramesh Kumar Khatak, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the member of this August House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Motion moved—

That Sh. Ramesh Kumar Khatak, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the member of this August House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Ramesh Kumar Khatak, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the member of this August House and his grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried

वर्श 1996–97 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान (पनरारम्भ)

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 97174000 for revenue expenditure and Rs. 4900000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 13-Social Welfare and Rehabilitation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 21731000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 14-Food and Supplies.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 4392200000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 15-Irrigation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 5024000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 16-Industries.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 188251000 for revenue expenditure be granted to the

Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 17-Agriculture.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 67446000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 18-Animal Husbandry.

The motion was carried

Mr. Speaker: Question is—

That a supplementary sum not exceeding Rs. 184587000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 21-Community Development.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 56720000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 22-Co-operation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 113269000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 23-Transport.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3446000 for revenue expenditure be granted to the Governor

to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 24-Tourism.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 10 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1997 in respect of Demand No. 22-Loans and Advances by State Government.

The motion was carried**डी0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः** अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमी ान है कि आप मेरी बात सुने। आप मुझे अपनी बात कहने का मौका तो दीजिए। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः वीरेन्द्र पाल जी, आप अपनी सीट पर बैठे। (विध्न एवं भाोर) Mr. Virender Pal Ji, I warn you. Please take your seat. (Interruptions)

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, हम डिवीजन चाहते है। (विध्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Virender Pal Ji, Please take your seat. Those demands have since been passed. You please take your seat. वीरेन्द्र जी, आप अपनी सीट पर बैठे। (विध्न एवं भाोर) सभी अपनी अपनी सीटों पर बैठें (विध्न एवं भाोर) आप मेंरी बात सुनिये। ये डिमांड पिछले साल की थी। I request all the mambers to take their Seat. (Interruption).

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, डिमांड फार ग्रांटस आन बजट पर तो बहस होगी, आप हमें उस पर हमें बोलने देगें। (विध्न एवं भाोर)

वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion and demand for grants of Buget for the year 1997-98 will take in order to save the time of the House, the demands the order papaer will be deemed to have been read and moved togeter mand number on which they wish to raise the discussion.

That supplementary sum not exceeding Rs. 337858000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 1-Vidhan Sabha.

That supplementary sum not exceeding Rs. 649066000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 2-General Administration.

That supplementary sum not exceeding Rs. 2408011000 for revenue expenditure and Rs. 140000000 be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-in respect of Demand No. 3-Home.

That supplementary sum not exceeding Rs. 530593000 for revenue expenditure be granted to the

Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 1997-98 in respect of Demand No. 4-Revenu

That supplementary sum not exceeding Rs. 236400000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 5-Excise and Taxation.

That supplementary sum not exceeding Rs. 2517283000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 6-Finance.

That supplementary sum not exceeding Rs. 36952824000 for revenue expenditure and Rs. 300000 be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 7-Other Administrative Services.

That supplementary sum not exceeding Rs. 183102000 for revenue expenditure and Rs. 1773480000 be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 8-Buidling and Roads.

That supplementary sum not exceeding Rs. 7410639000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 9-Education

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3697017000 for revenue expenditure and Rs. 1135200000 for capital expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 10-Medical and Public Health.

That supplementary sum not exceeding Rs. 353489000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 11-Urban Development.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3534890000 for revenue expenditure for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-98 in respect of Demand No. 12-Labour an dEmployment.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 2360596000 for revenue expenditure and Rs. 29800000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-98 in respect of Demand No. 13-Social Welfare and Rehabilitation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 126431000 for revenue expenditure and Rs. 5061336000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-98 in respect of Demand No. 14-Food and Supplies.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 5918400000 for revenue expenditure and Rs. 2935200000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 15-Irrigation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 335392000 for revenue expenditure and Rs. 131135000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-98 in respect of Demand No. 16-Industries.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 1975912000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 17-Agriculture.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 569670000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 18-Animal Husbandry.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 65657000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 19-Fisheries.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 579860000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of

payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 20-Forest.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 808128000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 21-Community Development.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 160500000 for revenue expenditure and Rs. 117275000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 22-Co-operation.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3597373000 for revenue expenditure and Rs. 463200000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 23-Transport.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3027000 for revenue expenditure and Rs. 40300000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 24-Tourism.

That a supplementary sum not exceeding Rs. 3723420000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 25-Loans and Advances by State Government.

Mr. Speaker: I have also received notices cut motions on the various demands from some M.L.As. These will be deeded to have been read and moved. However, I will put the various cut motion to the vote of the House when the respective demands are put to the vote of the House. Such members may, however, participate in the discussion.

Demand No. 3 (Home)

Sh. Birender Singh,

Capt. Ajay Singh,

Sh. Randeep Surewala: That the demand be reduced by Rs. 2/-

Demand No. 5 (Excise and Taxation)

Capt. Ajay Singh,

Sh. Randeep Surewala,

Sh. Dharambir Gauba: That the Demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 8 (Buildings and Roads)

Sh. Dharambir Gauba: That the Demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 9 (Education)

Capt. Ajay Singh: That the Demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 10 (Medical and Public Health)

Capt. Ajay Singh,

Sh. Jai Singh Rana,

Sh. Randeep Surjewala: That the Demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 11 (Urban Development)

Sh Birender Singh,

Sh. Dharambir Guba,

Capt. Ajay Singh,

Sh. Chander Mohan: That the Demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 12 (Labour and Employment

Capt. Ajay Singh,

Sh. Randeep Singh Surjewala: That the Demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 13 (Social Welfare and Rehabilitation)

Capt. Ajay Singh,

Sh. Randeep Singh Surewala: That the Demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 15 (Irrigation)

Sh. Birender Singh,

Capt. Ajay Singh,

Sh. Randeep Sigh Surejewala,

Sh. Narender Singh,

Sh. Jai Singh Rana: That the Demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 16 (Industries)

Sh. Birender Singh,

Sh. Dharambir Gauba,

Capt. Ajay Singh: That the demand be reduced by Rs. 1/-

Demand No. 17 (Agriculture)

Capt. Ajay Singh

Sh. Jai Singh Rana,

Sh. Randeep Singh Surewala: That the demand be reduced Rs. 1/-

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना): अध्यक्ष महोदय, डिमांड नं0 3 गृह विभाग से सम्बन्धित है, डिमांडन नं0 11 अर्बन डिवैल्पमैंट से सम्बन्धित है, डिमांड नं0 15 इरिगे ान से सम्बन्धित है और डिमांड नं0 16 इंडस्ट्रीज से सम्बन्धित है इनके बारे में मैने कट मो ान दिए है। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै यह कहना चाहूंगा कि जब बजट का डिस्क ान हुई तो उसमें बहुत से मैम्बर्ज को चर्चा करने का मौका मिला। उन्होने अपने क्षेत्र से सम्बन्धित मामलों, समस्यओं और मांगों पर भी बात कही ओर सरकार का उन बातो ंपर ध्यान आकर्शित किया। मुझे उम्मीद है कि अब आप बहुत से सदस्यों को डिमान्डज पर भी बोलने का मौका देगे। इसके साथ ही एप्रोप्रिए ान बिल पर भी आनरेबल मैम्बर्ज को

बोलने का मौका देगे। अध्यक्ष महोदय, बजट पर बोलते हुए मैने यह कहा था कि सरकार ने जो 1997–98 का बजट पे ा किया हैं इस बजट के बारे में डिवैल्पमैंट औरियंटिड बजट कहां था लकिन इसमें ऐसी कोई बात नही है। इस बजट मे ऐसा कुछ नही है जिससे यह लगता हो कि यह सरकार बिजली बढ़ा सकती है। इसमें सिंचाई के जो साधन है उसको बढ़ाने के लिए भी कोई कार्यक्रम नही है। इस विशय में सरकार ने ऐसा कोई प्रावधान नही कियाहै। ऐसा लगताहै क सरकार के पास वित्तीय संसाधनों की कमी है। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों में मुझे पता चला है कि हर ट्रेजरी से सुबह भाम यह सूचना दी जाती थी कि फलां ट्रेजरी से इतना पैसा निकाला गया है ओर इतना पैसा रैवेन्यू के तौर पर जमा हुआ हैं मेरे कहने का अभिप्राय है कि ये अपने वित्तीय संसाधनों की वजह से डे टू डे निर्भर कर रहे है जिससे सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह का काम चल सकें। पिछले नो महीनों में सरकार ने हरियाणा को प्रगति पर लाने के जो वायेद एि थे वे सारे आज खोखले होकर रह गए हैं बिजली के बारे मं मै चर्चा करना चाहूंगा कि 1986 से लेकर आज 1997 तक 11 साल हो गए है, आज तक हरियाणा के अन्दर बिजली का संकट खत्म नही हो सका।

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी आप यह बातए कि आप कौन सी डिमांड पर बाल रहे है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं0 3, 11, 15 और 16 पर बोल रहा हूं।

मुख्य मुत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, आप इन्हें जनरल भी बोलने दे।

श्री अध्यक्षः ठीक है, बीरेन्द्र सिंह जी आप बोलें।

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि सरकार ने हरियाणा में आज तकरीबन चार करोड यूनिट बिजली का क्लेम कियाहै। कही पर यह 4.20 करोड़ यूनिट है, कही पर 3.90 करोड़ यूनिट भी है और कही पर 4.80 करोड़ यूनिट है लेकिन इन्होने क्लेम किया है 4 करोडद्य यूनिट बिजली देने का। हमने जो बिजली एग्रीकल्चर सैक्अर में, इंडस्ट्रियल सैक्टर में या दूसरे सैक्टर्ज में उपलब्ध कराई है, अगर इसको सही मायनों में देखा जाए तो हरियाणा राज्य को आज जितनी बिजली की जरूरत है उससे यह लगभग आधी बिजली है। जिसको सरकार मुहैया कराने का दावा करती है। स्पीकरसर, अगर मै इससमें भ प्रो0 गेणी ा लाल जी के आंकडों को सही मान लू तो 31 प्रति ात से ज्यादउा बिजली ट्रांसमि ान और लाईन लौसिज में ही खत्म हो जाती है। इसका मतलब यह हुआ कि एक तिहाई बिजली यानी एक करोड़ तीस लाख से लेकर एक करोड़ चालीस लाख यूनिट बिजली उपभोक्ता को नही मिलती, चाहे वे इंडस्ट्रियल सैक्टर में हो, चाहे वे किसान हों। एक तिहाई बिजली तो लाईन

लौसिज के नाम पर ही खत्म है जाती हैं जिसका अभिप्राय यह है कि अगर उस एक करोड़ तीस लाखयूनिट बिजली को रूपयों में रिवर्ति किया जाए तो करोड़द्यों रूपये साल के लाईन लौसिज के अंदर ही खत्म हो जातसे है। अध्यक्ष महोदय, मै यह तो मान सकता हूं कि इंटरनै ालन स्टैंडर्ड के मुताबिक ट्रांसमि ान लौसिज और डिस्ट्रीव्यू ान लौसिज चार प्रति ात से ज्यादा नही होते। इसी तरह से दूसरे अन्य विकसित दे ा है जिनमें लाईन लौसिज 6 या 8 प्रति ात हो रहते है। परन्तु हम अगर यह भी मान लें कि 14 प्रति ात लाईन लौसिज है तथा बाकी के जो और 18 प्रति ात के लाईन लौसिज है, (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) वह बिजली बोर्ड की आपी इनएफीि ाएं ी की वजह से ही है, उसकी अपनी कमी की वजह से ही है। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा बंसी लाल जी ने कहा था कि हमकों टोटल ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीव्य ाून बदलने के लिएपांच हजार करोड़ रूपए चाहिए। (विध्न) आज उन्होने एक सवाल के जवाब में कहा था कि टोटल ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीव्यू ान को तबदील करने के लिए 6 हजार करोड़ रूपए की आव यकता है।

श्री बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैने यह कहा था कि अगले पांच साल में डिस्ट्रीब्यू ान और ट्रांसमि ान एवं दूसरे संसाधनों को ठीक करने के लिए पांच हजार करोड़ रूपए हमकों चाहिए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः चलों पांच हजार करोड़ रूपये की होगे लकिन मुझे अच्दी तरह से याद है। चाहे यह बात 6 हजार करोड़ की हो या सात हजार करोड़ रूपये में पूरी हो सकती थी जबकि आज आप ट्रांसमि ान को बदलने के लिए पांच हजार करोड़ रूपये की बात कर रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने अपने विधानसभा के दुसरे सत्र में यह कहा था कि हम उड़ीसा और हिमाचल प्रदे ा स कुछ बिजली लाकर हरियाणा की आपूर्ति करना चाहता है। इन्होने उस समय यह भी कहा था कि हमारे पास इतनी कैपेसिटी नहीहै कि हम अपनी वर्तमान लाईनों पर उस बिजली को यहां ला सके। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि मैने तो मुख्यमंत्री जी को कहा था हम इसबात को पार्टी लेवर से ऊपर उठकरसोचे तो ज्यशदा अच्छारहेगा आज इसका दोशी किसान नही है, इसका दोशी उद्योगपति नही हैं इसका दोशी हरियाणा का नागरिक नही है लेकिन वे इसको भुगत रहे है। आपनेवहां परभी बिजली की दरें बढ़ा दी जहां पर सलैब रेट्स थे, फ्लैट रेट्स थे। जो महेन्द्रगढ, रिवाड़ी, भिवानी या कालका का कुछ हिस्सा था, वहां पर भी अपने बिजली के रेट्स दूसरे और हिस्सेां के बाराबर कर दिए जिसकीवजह से किसानों में बड़ी भारी निरा ाा हुई। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि दरें बढ़ाने का काम था, उसको अगर आप एक तरफ रखकर बिजली बोर्ड को यह कहते कि मै यह चाहता हूं कि एक साल के अंदर जो 700 करोड़ रूपये का आप नुक्सान करते है इसे कम करों बोर्ड के अधिकारियों, कर्मचारियों

और इंजीनियर्स की एफि ाएंसी आप बढ़वाते और उनसे कहते कि इस नुक्सान का आधा करों। इसको 18, 19 या 20 प्रति ात तक लेकर आओं। इस तरह से 250–300 करोड़ रूपये का बोझ बिजली बोर्ड पर होना था, उसके साथ साथ बिजली की कमी थी। आखिर हम क्यों गए प्राइवेटर सैक्टर की तरफ इसलिए क्योंकि हरियाणा सरकार इस बात में असमर्थ है कि हम 700 करोड़ रूपया हर साल पूल करें और बिजली बोर्ड के खाते मैं डाल दें। जब डालने की बात आती है तो उसका बोझ या तो हुड्उा पर पड़ता है या मार्किटिंग बोर्ड पर पड़ता हैं उपाध्यक्षमहोदय, मैने अर्बन डिवैल्पमैंट की डिमांड पर कट मो ान दी हैं किस नजरिए से यह कह दिया गया कि बहादुरगढ़ जहां इंडस्ट्रीयल एरिया है वहां अढ़ाई हजार रूपये स्कवैयर मीटर के हिसाब से कम की जमीन की रजिस्ट्री नही होगी और गुडगांव में यह कह दिया कि छह हजार रूपये स्कवैयर मीटर से कम की रजिस्ट्री नही होगी। उपाध्यक्ष महोदय, इसकीवजह यहथी कि हुड्डा के पास पैसा आए और उस सरप्लस मनी को आप बिजली बोर्ड के अंदर या आपके अदायरे घाटे में चल रहे है। उनकी पूर्ति करें। यह इस बात की कोई जस्टीफिके ान नही है। (विध्न)

श्री बंसी लालः मै बीरेन्द्र सिंह जी से प्रार्थना करूंगा कि येसारी बातें ठीक कर रहे है लेकिन साथ साथ हमकों ईलाज भी बता दें। सुझाव भी देते जाए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः आपके विधायक आपके पास पता नही ि ाकायत करते है या नही? भारत की कैपिटल दिल्ली में जो 39 हजार फैक्ट्री रैजिडैसिज में लगी थी उनके बारे में सुप्रीम कोर्ट ने आदे ा दिया है कि इनको ि ाफ्ट किया जाए। उनमें से 70 प्रति ात फैफ्टी हरियाणा में ि ाफ्ट हाती लेकिन अगर किसी को बहादुरगढ़ मे ंएक हजार गज का प्लानट लेना पडत्रे तो 25 लाख की रजिस्ट्री कहां से कराएगा और 5 लाख रूपये उस पर खर्च आएगा। 20 लाख रूपया व्हाट में हां सें आएंगा। मेरी इस बारे में सुझाव है। कि जहां जहा अपने एकदम इतनी बढ़ौतरी की है उस बढ़ौतरी पर पुनविचार करे। साउथ दिल्ली के लोगों का हरियाणा में कारखाने स्थापित करने के लिए जो आकर्शण बना था, जो लोग साउथ दिल्ली में पौल्यू ान से परे ाान है वे सारे के सारे गुडगांव में ि ाफ्ट करना चाहते थे। वे सारे के सारे परे ाान है क्योंकि दे ा की अर्थव्यवस्था ऐसी रही है। अब ठीक है कि चिदम्बरम जी ने प्रोग्राम दिया है। कि 30 प्रति ात जमा कराओं और कितना भी काला धन सफेद मेें परिवर्तित करा लो। पता नही इस बात का लोगों में कितना उत्साह होगा लेकिन मै यह कहता हूं कि जोए ऐस्टेट डी है उसमें 10 प्रति ात तो होसकताहै कि व्वहाट मनी हो लेकिन 90 प्रति ात लोग उसमें ब्लैक मनी इन्वैस्ट करते है। आपने हरियाणा में उन लोगों के निवे ा को रजिस्ट्री की दर बढाकर रोक दिया है। (विध्न)

श्री बंसी लालः इसका सुझाव दो।

श्री बीरेन्द्र सिंहः आपने दो स्लैब रखे है अगर अर्बन एरिया में रजिस्ट्री है तो स्टाम्प डयूटी मिला कर साढ़े पन्द्रह प्रति ात खर्च है और रूरल एरिया में साढ़े बारह परसैंट के करीब पड़ता है। मेरा सुझाव है स्पीकर साहब, हमारे जमनानगर जिले में पुलिस पूरी इफैक्टिव है और अच्छा काम कर रही है लेकिन अगर साथ के इलाके में कोई घटना हो जाए तो पुलिस इफैक्टिव नही होती। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, जमनानगर जिले के साथ यू0 पी0 का इलाका लगता है। वहां पर बहुत बुरा हाल हैं जमनानगर का इलाका जो यू0 पी0 के डाकू हमला करके चले जात`है, किसी को मार कर चले जाते है और किसी को घायनलकरके चले जात है। उपाध्यक्ष महोदय, यह ऐडमिनिस्ट्रे ान की बात है इसलिए मेरा निवेदन है कि जमनानगर इलाके को अच्छा एडमिनिस्ट्रे ान मिलना चाहिए। जैसे पुलिए डिपार्टमैट है। उसको मुकाबला करने केलिए अच्छे साधन नही है। जमननगार जिले के एस0 पी0 ओर डी0 सी0 साहब बहुत अच्छा काम कर रहे है ओर पुलिस भी बहुत अच्छा काम कर रही है लेकिन पुलिए सके पास अच्छे साधन नही है, जिसके कारण यू0 पी0 के डाकू हमारे लोगों पर हमला करके चले जाते है। मेरा सरकार से निवेदन है कि पुलिए को अच्छे साधनों को इन्तजमा करवाएं ताकि पुलिस उन गुण्डों का मुकाबला कर सके। उन गुण्डों को यू0 पी0 की एडमिनिस्ट्रे ान भाह देती है, प्रोटैक ान देती है, जिसके कारण हरियाणा के इलाके के लोगों को मनोबल डाउन होता है। इसके साथ साथ उपाध्यक्ष महोदय, जमना नही पर जो

ठोकरे लगाई हुई है, वे हमारी तरह 65 फुट की है लेकिन यू0 पी0 वालों ने अपनी तरह 125 फुट की ठोकरे लगाई हुई है जिसका सीधा असर हमारे इलाके पर पड़ता है। यू0 पी0 वाले जमना नही को हमारी तरफ काटने पर लगे हुए है। उनहोने 125 फुट लम्बी ठोकरे लगाई हुई है। जिसके कारण हमारे इलाके की उपजाऊ जमीन पानी के बहाव के कारण कट जाती हैं ऐसे हालत है कि हमारे उस इलाके के कई गांव बहने के कगार पर है। यू0 पी0 वालों ने 125 फुट लम्बी ठोकरें लगाई हुई है, परिणामस्वरूप हमारी काफी जमनी कट कट कर यू0 पी0 की तरफ चली गई हैं सरकार से मेरा निवेदन है कि हरियाणा सरकार सैट्रल गवर्नमैंट से बात करें ओर अनुरोध करे कि 65 फुट लम्बी ठोकरे लगाने का जा स्पैसीफिके ान है, उसके हिसाब से ही ठोकरें लगानी चाहिए। हमारी सरकार को यह केस केन्द्रीय सरकार में प्लीड करना चाहिए ताकि हमारे इलाके की जमीन, हमारे इलाके के गांव बचाए जा सके। कई गांव तो इस समय बहने के कगार पर हैं उपाध्यक्ष महोदय, मैने यह मुद्दा पहले भी उठाया था। उपाध्यक्ष महोदय, मै सरकार का बड़ा आभारी हूं कि सरकार ने वहां पर स्टेट हाईव, एक्सप्रैस हाईवे मंजूर किया है। वह सड़क जमनानगर से दिल्ली जाएगी। मेरा सरकार से निवेदन है कि वहां पर यू0 पी0 के जो गुण्डे हमारे इलाके के लोगों पर हमला करके चले जते है, किसी को मार जाते है और किसी को घायल करके चलो जाते है, उनके बारे में कोई न कोई इन्तजमा किया जाए वरना न सड़क रहेगी और न आबादी रहेगी। जमीन तो कट कट कर पहले ही जा चुकी

हैं उपाध्यक्ष महोदय, यह मामला ऐसा है जिसके बारे में सरकार को जरूर विचार करना चाहिए। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मै एक बात यह कहना चाहूंगा कि कोई जुगाड़ नाम का व्हीकल आज सड़कों पर बहुत ज्यादा मात्रा में चल रहा है। न उसके ऊपर कोई नम्बर लिखा हुआ है और न ही कोई और बात है। अगर उनसे पूछते तो कहते है कि यह धक्का ट्रांसपोर्ट है। हमारे फाइनैस मिनिस्टर साहब, मेरी इस बात पर हंस रहे हैं। सबसे ज्यादा इन्ही के इलाके में वह व्हीकल चल रहा हैं अगर वह व्हीकल किसी को एक्सीडैंट करके चला जाए तो किसी को मार कर चला जाए तो उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नही होती क्योंकि उसके ऊपर कोई नम्बर नही लिखा है। यदि उसके पीछे कोई नम्बर वाली व्हीकल आ रही होती है तो एक्सीडैट के मामले में उसका नम्बर नोट कर लिया जाता है और उसक खिलाफ कार्यवाही की जाती है लेकिन अगर किसी आदमी को जुगाड व्हीकल एक्सीडैंट करके मार जाता है और जो नम्बर वाली गाड़ी उसके पीछे आ रही होत ीहै, उसकस नम्बननोट कर लिया जाता है तो यह बड़ी भारी त्रुटि हैं चाहे एडमिनिस्ट्रे ान लैवल की बात हो, चाहे ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट की बात हो, उनको तुरन्त बन्द किया जाएं।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै एग्रीकल्चर के बारे में कुछ बातें कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जिसकी नीयत अच्छी होती है, उसको परमात्मा भी देखता है। हमारे एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट ने और एग्रीकल्चर मंत्री महोदय ने जो अपनी साफ

नीयत से काम किया है, उसकी बदौलत हमारे यहां अनाज की रिकार्ड तोड़ पैदावार हुई है। पहले पजाब में सबसे ज्यादा पैदावार होती थी।

श्री बसी लालः यह जो कंट्रोल वाली बात कर रहे है, इसके बारे में एक चिट्ठी लिखकर के हमें दे दें, उसको हम लागू कर देंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः दूसरी बात सिचांई विभाग पर निगाह मारने की है। उपाध्यक्ष महोदय, इनको 1600 करोड़ रूपये वर्ल्ड बैक या वि व की दूसरी ऐजेन्सीज से मिला है। उस पैसे की बहुत वेस्टेज हो रही है। सिचाई विभाग में बहुत हैवी एडमिनिस्टे ान है। अगर आप कभी उसके खर्चे की गिर्ज देखेातो पता चलेगा कि 72 प्रति ात बजट उनकी तरख्वाहों तथा दूसरे कामां में चला जाता हैं उससे अंदाजा लगा सकते है कि किस तरह से ये ालेग पब्लिक की आंखों में धूल झौक रहे हे। मै एक महीना पहले कैथल गया था। कैथल का कैनाल रैस्ट ाहउस डी0सी के कब्जे में है। जब से कैथल जिला बना है, तब से वहां पर डी0सी0का रिवास हैं मैने वहां के एस0ई0 से पूछा कि क्या वहां पर कोई बैठने की जगह है ता कहने लगे कि हां हमारा कमेटी रूम है। मैने कहा कि वही चलते हैं मै वहां गया तो देखा कि रिकार्ड के मुताबि तो वह कैनाल रैस्ट हाउस नही है तथा कान्फ्रैस हाल है लेकिन वास्त वमें रैस्ट हाउस हैं सिर्फ नाम का कान्फ्रैस हाल लिखा हुआ है ताकि पब्लिक के सिी आदमी को

मौका न मिल सकें कि वहां पर ठहर जाए। अपने निजी कामों के लिए तो बहुत पैसा इनके पास है, कोठिया भी बना लेते है लकिन नहों को पक्का करने की जब बात आती है तो कहने है कि पैसे नही है। मुख्यमंत्री जी आप देखेगे कि सिचाई विभाग का 72 प्रति ात बजट सिर्फ तनख्वाहो ंपर जाता है। लेकिन जिस चीज की ज्यादा जरूरत है जैसे जो खाले टूट गई है, उनको पक्का करने का काम तक नही किया जाता है। मुख्यमंत्री महोदय तो नाबार्ड से भिवानी मे ंखाले पक्के करने के लिए 60 करोड़ रू0 ले गएए, लेकिन हमें कौन पैसा देगा?

श्री बंसी लालः वह सारा पैसा भिवानी में खर्च नही होगा। जो 60 करोड़ रूपया है इसके बारें में मैने कल परसों भी बताया था। उपाध्यख्ज्ञ महोदय, यह पैस लिफ्ट इरीगे ान स्कीम्ज के लिए ै जिसमें भिवानी लिफ्ट इरीगे ान स्कीम भी है, लौहारू लिफ्ट इरीगे ान स्कीम भी है। और जूई लिफ्ट इरीगे ान स्कीम भी है। इसमें सबसे बड़ी स्कीम जे0 एल0 एन0 की है। उसके लिए हम सबसे ज्यादा पैसा देगे।

श्री बीरेनद्र सिंहः आपने बिल्कुल सही कहा लेकिन मेरी फरियाद यह है कि जिन नहरों को टेल पर पूरा पानी नही आता है वहां पर लिफ्ट इरीगे ान स्कीम से ज्याद जरूरतमंद लोग है। उन नहरां की टेल पर पानी न आने की वजह से लिफ्ट इरीगे ान स्कीम से ज्यादा जरूरतमेंद लोग है उन नहरों की टेल पर पानी

ने आने की वजह से वहां के किसानों के खाल अभी तक कच्चे पड़े है।

श्री बंसी लालः ऐसा है कि स्टेट में जितनी टेल है उनमें से सिर्फ 62 टेल ऐसी है जिनमें अभी तक पानी नही पहुंचा है उनमें भी हम 30 जून तक पूरा पानी पहुंचा देगे। सबसे ज्यादा जिस इलाके की टेल पर पानी नही पहुंचा है उनमें भी हम 30 जून तक पूरा पानी पहुंच देगे। सबसे ज्यादा जिस इलाके की टेल पर पानी नही पहुंचा है। वह बहादुरगढ़ का इलाका है।

श्री बीरेन्द्र सिहः जो 1600 करोड़ हरियाणा सरकार को वि व की ऐजेसियों से या वर्ल्ड बैक से या आई0एम0एफ0 से मिला है।

श्री बंसी लालः वह 1858 करोड़ रूपए का प्रोजैक्ट है उसमें से आधा पैसा हरियाणा गवर्नमैंट का है और आधा वर्ल्ड बैंक का लोन हैं

श्री बीरेन्द्र सिंहः अगर वह प्रोजैक्ट 1800 करोड़ रूपए का है तो यह ठीक बात है कि उसमें से 900 करोड़ रूपया वर्ल्ड बैंक का होगा। मै यह बता इसलिए कहना चाहता हूं कि उस पैसे का इस्तेमाल आप ठीक से कराएं ताकि हरियाणा के किसानों के खेतों में पानी देने की जो समस्या है उसकसा समाधान हो सके। उसमें अगर आप दो तीन प्रायर्टीज ले लें तो ठीक रहेगा। मैने देखा है कि वाटर मैनजमैंट के नाम से पैसा आया है वह

स्प्रिंग्कलर सैटस के लिए लिफ्ट इरीगे ान स्कीम के लिए और खाले कपक्क करने के लिए ै। मै आज यह कहना चाहता हूं कि एस0 वाई0 एल कैनाल के मुद्दे पर हरियाणा प्रदे ा की जनता, हरियाणा कय यह सदन और हरियाणा के सारे राजनैतिक दल इस बात के लिए तैयार है कि हमें हमारे हिस्से का पानी मिलना चाहिए चाहे हमें उसके लिए कितना ही संघर्श करना पड़े। चाहे कितनी ही कुर्बानी देनी पड़े सारा हरियाणा प्रदे ा उसके लिए तैयार हैं मुख्यमंत्री जी मेरे पास आंकडत्रे है, इम एस0 वाई0 एल0 नहर के एगिजसिंटग वाट में से जो 1.80 एम0ए0एफ0 पानी अपने एग्जिस्टिंग चैनल्ज से कैरी करते थे आज उन चैलन्ज की यह हालत हो र्ग है कि उनकी सिर्फ वन एम0ए0एफ0 पानी कम केरी होता है। पंजाब की टैरीटरी में जहां से हामरी नही आती है उसके अनदर विडीसाइडज होने के कारण और नहर के टूटी फूटी होने के कारण आज उसकी एडीान पानी के कैरिंग कैपेसिटी घट कर आधी रह गई हैं हम आज 0.80 एम ए0एफ0 पानी नही ले सकते है। आज हमारी यह भी प्रायर्टी होनी चाहिए कि पंजाब को उसकी सफाई कराने के लिए मजबूर किया जाए।

श्री बंसी लालः उपाध्यक्ष होदय, उस बारे में हमने पंजाब से बात कर ली है उनको उसकी सफाई के लिए पांच करोउत्र रूपए से ज्यादा पैसा देना पड़ेगा। उनको सवा दो या अढ़ाई करोड़ रूपया दिया जा चुका हैं उसकी कैपेसिटी हम जल्दी बढ़वा रहे हैं हमने अपने औसिसर्ज की भी डयूटी लगा रखी हैं वह

उसकसे सुपरवाइज कर रहे है। हमने उसका काम भाुय करवा रखा है।

श्री बीरेन्द्र सिहः एक बात मै यह कहना चाहता हूं कि जो हमारी घग्गर टांगरी और मारकंण्उा नदियों पर बैराज बनाने की सकी थी उसकसे रिवाईज करने की कोि ा ा करें उससे हरियाणा के लोगों को बड़ी भारत राहत मिलेगी मैने पहले भी सदन में य कहथा कि इन तीनों रिवलैटस पर बैराज बना दिए जाए तो जो दो महीने का बारि ा का पानी बह कर बेकार चला जाता है। उस पानी की इन तीनों बैराज को बनाने से हम सारे हरियाण की जरूरत का पूरा कर सकते है। हमारी फसलों की पैदावार ज्यादा हो सकती है। आज वह जिसे इलाके से खुद मुख्य मंत्री जी आते वहां पर दो तिहाई वाटर ब्रेकि ा हैं उस इलाके की पानी की भूख मिटाई जा सकती हैं आज हरियाणा के 8–10 ऐसे जिले है जां पर किसान साल में सिर्फ एक फसल लेता है। रोहतक का इलाका है सोनीपत का इलाका है, जींद का इलाका है, भिवानी का इलाका है, नारनौल का इलाका है, महेन्द्रगढ़ का इलाका है और रिवाड़ी का इलाका है। गुड़गांव का इलाका है। गुड़गांव में मेव भाई बसते है। वे सिर्फ सरसों के अलावा कोई फसल नही ले पाते है। वहां पर बहुत गरीबी है।

श्री बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि पुरानी स्कीमों को रिवाईज करों मै। इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हम उन स्कीमों को रिवाईज करने के

बारे में सोच रहे है। पूरे हरियाणा के अन्डर ग्राडड वाटर कितना है, रीवर्ज का वाटर कितना है, इन सब के लिए हम एक स्कीम बना रहे है। कुछ अर्से के बाद हम इन कामों के लिए ग्लाबल टेन्टर मंगाएंगे हम यहय पता करवायेगे कि कहां पर कितना पीन है और उस का कैसे इसतेमाल किया जा सकता है। जो ग्लोबल टैंडर की कंडी ांज होगी उस को अगर कोई सदसय साथी देखना चाहेगात `उसको हम दिखा देगे। म परमानेंट समाधान करेगे।

श्री बीरेन्द्र सिंह अगर से यारी जयरतें पूरी हो जाएं तो समसयओं का समाधान हो जायेगा। मै एक बात करना चाहता हूं कि जो डिच ड्रैन बनाने के लिए आपको भी कहा होगा, मै कहनता हूं कि डिच ड्रैन भी बना रखी है। इंजीनियर्ज ने डिच ड्रेन बनाने के लिए आपको भी कहा होगा, मै कहता हूं कि डिच ड्रैने नही बनाई जातनी चाहिए। चीफ और मंत्री जी तक को कमी ान देना पड़ता है। यानि 14 परसेंट का यह सलैब्स बना हुआ है। फिर 14 परसेंट ठेकेदार को भी चाहिए। यानि मेरे कहने का मतलब यह है कि 42 परसेन्ट पैसा तो यूं ही खूह खाते में चला जाता है। अब जो 58 परसेंट बचता हैं उसमें से कितना पैसा जाता होगा, आप अनदाजा लगा सकेत `ह। इसके लिए मै सुझाव देता हूं कि आप कोई कार्पोरे ान स्थापित कीजिए, इस काम के लिए 1 जैसे नै ानल बिलडर्ज के नाम से और एनकोन के नाम से बहुत बड़ी बड़ी कम्पनीज काम कर रही है। उसी ढंग की कार्पोरे ान है,

उसकी कंसलटेसी दूसरी स्टेटस की टूरिज्म कार्पोरे ान लेती है, इसी प्राकर की आप कोई हैवी कार्पोरेशन स्थापित कीजिए ताकि यहां के लोगों को रोजगार भी मिल सके और आपका काम भी हो सके। जैसै यूनिटैक है, कोन्टीनैटल है। इनमें आप सड़क बनावाइये आप इस तरह की कार्पोरे ान बनाएंगे तो हमाजारों लड़कों को रोजगार मिला। उन कंर्पोरे ांज को आ बड़े बड़े काम ट्रांसफर कीजिए। आपने एक छोटा सा तुजर्बा किया था लेबर फैडरे ान को बना कर। यह 25–30 साल से काम कर रही है। वह कुछ लोगों के अवसर प्रदान कर रही है मै यह कहना चाहता हूं कि जितनी बड़ी कार्पोरे ान बनाएंगे उसमें उतरने ही ज्यादा लोगों को काम मिलेगा। लेकिन ऐसा नही होना चाहिए कि वे बाद मं लायब्यिटीज ही बन बैठें। उनको फ्लो इकिवटी देने का प्रावधान करं बाकी का काम उनके ऊपर ही छोड दे, कारपोरे ानज में ऐा न हो कि वह गवर्नमैंट का एक डिपाटमैंट ही बन कर रहा जाए। उससे हरियाणा में क्वालिटी वर्क भी इम्प्रूव होगा। उससे हम वित्तीसय साधन पैदा कर के वह पैसा हरियाणा प्रदे ा की डिवैल्पमैंट पर लगा सकते है। उपाध्यक्ष महोदय, राम बिलास भार्मा जी जब सवालों का जवाब दे रहे थे मैने एक बात कही थी। आमतौर पर यह कहा जाता है कि मिडिल से दसवी तक या दंसवी के स्कूल को जमा दो तक अपग्रैड करके उसका स्टैडर्ड बढ़ाने की मांग की जाती है। या कहा जाता है कि जमा दो स्कूल है उसकसे कालेज बना दों इस बारे में मेरा एक सुझाव है कि दस जमा दो की बाजए डिग्री कालेज मांगने चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा

की डिवैल्पमैंअ के लिए हमें अपने ि ाक्षा के नजरिये को बदलने की जरूरत है। मै यह मानता हूं कि ि ाक्षा मंत्री महोदय को ि ाक्षा के बारे में अपना नजरिया बदलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, सोवियत रूस दुनिया का सबसे बड़ा कम्युनिटीस्ट दे ा थ और दुनिया की एक ताकत था। करीब 12 साल पहले मै वहां पर लगभग एक महीने घूम कर आया हूं। मेने वहां के मास्कों और कुछ अन्य बड़े भाहरों में तथा देश के रिमोट ऐरिया के स्कूलों को भी देखा था। (विध्न) वहां पर 12 किलोमीटर के एरिया में एक कोआप्रटिव फार्म में एक स्कूल देखेन के लिए भी मै गया था। वहां के स्कूल के बच्चों कर मैं काफी प्रभावित हुआ। उन बच्चों के चलने फिरने, उठने बैठने और बातचीज करने के तरीके से साफ पता चलता थाकि यह गांव के बच्चे है। या यह भाहर के बच्चे हैं। (विध्न) यह मजाक का विशय नही है इसलिए इसे सीरियसली लेना चाहिए। बच्चे चाहे भाहर के पढने वाले अथवा गां के, उन्हे परोपर एनवायर्नमैंट मिलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्ये से ि ाक्षा मंत्री श्री राम बिलास भार्मा जी से एक बात कहना चाहता हूं कि वे स्वंय अपनी पाटी में एकमात्र ऐसे नेता है जो गांव की बैकग्राउंड से जुड़े हुए हैं वैसे तो उनकी पार्टी बी0जे0पी0 भाहरों में पार्टी है लेकिन वे गांव भी भूमि से जुड़े हुए व्यक्ति है। इसलिए उन्हें गांव के स्कूलों की तरफ धन देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेरा एक सुझाव है यदि सरकार इसको स्वीकार करे तो जो बच्चे हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़े लिखे है उन सभी को सरकार नौकरियों में तो नही लगा सकती है लेकिन उनको

स्व–रोजगार दने क लिए सरकार क सोजना बनाए। आज कहने को तो ग्रामीण क्षेत्रों मे ंपब्लिक स्कूल्ज खुले हुए है और मां बाप अपने बच्चों को वहां पर पढ़ने के लिए भेजते भी है। वे स्कूल बच्चों को टाई वैगरह लगा कर तो स्कूलों में बिठातें है। और नाक पोंछने के लिए बच्चों को रूमाल भी देते है। लेकिन जिन स्कूलों में वे बच्चे पढ़ने जाते है उनमें पढ़ने का एटमॉसफीयर नही हाता हैं केवल वैल्ट टाई लगान से या बच्चों को रिक ा पर स्कूल भेजने मात्र से उनमें भाहरों के मुताबिक पढ़ने का एनवायर्रमैंअ नही मिलता है। सरकार का कारपोरे ान स्थापित करें। हजारों ऐसे पढत्रे लिखे नौजवान है जो बी0 ए0, बी0ए0बी0एड0 या एम0ए0एड0 या एमएबीएड किये हुए है लेकिन उनके पास कोई रोजगार नही है। अगर सरकार उनकों सहायता दे तो उनका इस्तेमाल हो सकता हैं वे अपने साधनों से कस्ल नही खोल सकते है। सरकार उनको स्कूल खोलने के लिए साधन उपलब्ध करवाए,उन स्कूलों में बच्चों के लिए एक अच्छा एनवार्यमैंट पैदा किया जाए, जिससे ग्रामीण बैकग्राउंड के बच्चे अच्दी ि ाक्षा प्राप्त करके स्टैडर्ड ऑफ एजुके ान का राईज कर सकें। भाहरी बच्चों के साथ कम्पीट करने का उनको भी बराबर का मौका मिल सकें। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै एक बात उद्य़ोगों की बाबत भी कहना चाहता हूं। हरियाा की धरती पर उद्योग लगाने के लिए कई उद्योगपति आते है। बहुत से उद्योग दिल्ली में लगे हुए है और उद्योगों के हिसारे से दिल्ली छोटी पड़ती जा रही हैं बाहर से अनेकों मल्टीने ानल कम्पनीज यहां पर आ रही ह।

उपाध्यक्ष महोदय, बम्मई को दे ा की इकोनोमी कैपिटल कहा जाता था लेकिन आज दिल्ली उससे भी आगे निकल गई है। मै आपसे यह कहना चाहता हूं कि आप उसके लिए कंसलटेंसी सिस्टम बनाएं जो किसान अपनी जमीन 50 लाख, एक करोड़ और दो करोड़ में बेचता है या किसान की जमीन एक्वायर की जाती है उसको उद्योग लगाने की मौका मिला। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।) अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी व्यवस्था के लिए कंसलटैंसी सिस्टम बनाने की जरूरत है तो वह जरूर बनाया जा। यदि वहां पर कोई भी गा का आदमी आस और वह वां पर आकर यह कहे कि मै उ़द्योग स्थापित करना चाहता हू तो उसकसे वहां सभी सुविधाएं मिल सके। मै यह चाहूंगा कि उनको भी उद्योग लगाने का मौका मिलें। उस किसान की जमीन तो चली गई अगर उसे पैसे को लगाने का सही तरीका न मिले तो उसकस वह पैसा भी चला जाएगा और वह किसान एक लेबर बन कर रह जाएगा। मैरी प्रार्थना है कि ऐसे लोगों को कंसलेटैंसी सुविधा देने का प्रावधान नही है, यह बजट बिल्कुल नीरस है इसलिए मै यह कट मो ान लेकर आया हूं और मुण्े इस पर वोटिंग का अधिकार है तथा मै यह चाहता हूं कि इसको वोटि के लिए लगाया जाए। (विध्न)

श्री जय सिंह राणा (नीलोखेड़ी): अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं0 17 जो कृशि से संबधित है, पर चर्चा करना चाहूंगा। यह प्रदेश कृशि प्रधान प्रदे ा हैं अगर इस प्रदे ा का किसान

सम्पन और समृद्ध होगा तो मै समझता हूं कि ये प्रदे ा समृद्ध हो ासकता है। इस प्रदे ा में खु ाहाल आ सकती है आज इस प्रदे ा में कृशि के लिए बहुत से साधनों की आव यकता हैं इसके लिए आज बहुत से साधन जुटाने पड़ोगे क्योंकि यहां पर जो बजट पेश हुआ है उसमें इसके लिए कोई प्रावधान नही किा गया हं उसमें ऐसा कुछ नही लगता है जिससे इस प्रदे ा के किसानों को कोई रोहत मिलने वाली हो, किसानों को काई सबसिडी दी गई हो। मै सरकार से अनुरोध करता हूं कि सरकार इस पर विचार करें कि आत किसाना को किन–किन समस्याओं से जूझना पड़ रहा हैं किसानों को आज पानी की जरूरत है।

श्री अध्यक्षः आप कौन सी डिमांड पर बोल रहे है।

श्री जय सिंह राणाः मै कृशि वाली डिमांउ पर बोल रहा हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है लेकिन आप दस मिनट में ही अपनी बात कंक्लूड करें।

श्री जय सिंह रांणाः ठीक है जी, जैसा आप कहेगे, मै वैसा ही करूंगा क्योंकि यह मारी मजबूरी है। स्पीकर साहब, सरकार को सर्वप्रथम किसानों के लिए पानी और बिजली का प्रबनध करना बहुत ही जरूरी हैंआज प्रदेा में बजली की बड़ी भारी कमी हैं बजी की कमी हा प्रभाव सीधा खेतों पर पड़ऋता है लगता है निकट भविश्य में भी सरकार इस समस्या को दूर नही

कर सकती। मै सरकार को इसके लिए कहुंगा, कृशि मंत्री जी भी यहां बैठे है।, कि जो किसान अपने खेतों को सिंचित करने के लिए अपने जैनरेटस सैटल लगा सकते है और जैनरेटर सैंट से बिजली पैदा करके अपने टयूबवैल्ज चला कर वे अपनी खेती को अच्छी बना सकते हैं। तो ऐसे किसानों को सरकार को जैनरेटर सैट्स पर उद्योगपति की तरह सबसिड़ी देनी चाहिए ताकि किसानों को सरकार को जैनरेटर सैटस लगा सकें।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): स्पीकर साहब, जहां पर किसानों के पास बिजली के कनैक ांज नही है वहां पर हम किसानों को जैररेटर सैंट पर सबसिडी देते है। अगर कोई किसान यह खरीदना चाहता है तो उसको यह सबसिड़ी हरियाणा ऐग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरे ान के माध्यम से दी जाती है। कितने परसैंअ तक दी जाती है, इसके बारे में मुझे पता नही है लेकिन सबसिड़ी जरूर दी जाती है।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, कृशि मंत्री जी कह रहे है क सबसिड़ी दी जाती है ये कह रहे है कि जहां पर बिजली कनैक ांज नही है वहां पर यह सबसिड़ी दी जाी है लेकिन मै यह कहना चाहूंगा कि जहां पर बिजली के कनैक ांज भी हो तो आपों वहां के किसानो को भी जैनरेटर सैपर सबसिडद्यी देनी चाहिए ताकि किसान बिजली के बगैर अपने टयूबवैल्ज की मोटरे चला सकें। आज उनको बिजली न मिलने की वजह से उनकी मोटरे नही चल पारी है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, उनके टयूवैल्ज की

मोटर्ज को चलाने के लिए जैनरेटर सैटस पर सबसिड़ी देना जरूरी हैं। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। किसानों को उन पर सबसिड़ी देनी चाहिए ताकि किसान जैनरेटर सैट्स खरीद कर लगा सकें। इसके अलावा जहां तक मेरे क्षेत्र करनाल और कुरूक्षेत्र का सवाल है, वह धान उत्पादक क्षेत्र है ओर यह क्षे बहुत ही अच्दी जीरी पैदा करता हैं आज वहां पर जीरी को पैदा करने` लिए बहुत पानी की जरूरत है। इसलिए मेरे एरिये में खासतौर पर जैनरेटर सैटस पर सबसिड़ी देने का प्रावधान होना चाहिए। इसी तरह से नहरी पानी की बात है। नहरी पानी किसानों के लिए सबसे सस्ता पानी है। किसान उस पानी को बड़े चाव से लेना भी चाहता है। वह बड़े चाव से उसका इस्तेमाल करता हैं अध्यक्ष महोदय, मेरे चुनाव क्षेत्र में जो सिरा नहर से जो चौटंग नाला निकलता है वह बहुत बड़े क्षेत्र को सिंचित करता है लेकिन वहां पर सिर्फ दो या अढ़ाई महीने ही पैडी सीजन में वह नहर चलती है। नहर केवल जुलाई में पानी देती है। जबकि लोग मई मैं ही जीरी लगना भ्रुरू कर देते हं अगर दो महीने बाद पानी मिले तो उसका कोई फायदा नही है मै सरकार से अनुरोध करूंगा कि, वह पानी जिसका मै जिक्र कर रहा हूं। जीरी के लिए मई या जून के फसर्ट वीक में से चौटंग नाले में पानी को छोडना भ्रुरू करें जिससे लोग जीरी की फसल सही सय पर उगा से। इसी तरह से कृशि की जो समस्या है मैने इस बारे में पहले भी अनुरोध किया था लेकिन लकिन मेरी बात बीचज में काअ दी गई। जैसे हमारी यहां की फसल की बात हैं हमारा गन्ना आज भी बहुत बड़ी मात्रा

में खेतों मे खड़ा है भाूगर मिल उस गन्न को नही ले रहे है। किसानों को मजबूरन अपने गन्ने को कोल्हूओं में पेलना पड़ रहो। इस दफा पहली बार किसान का गन्न यू0 पी0 में जा रहा है। पहले हमे ा गन्ना यू0 पी0 से हरियाणा में आता था। इस बार यू0 पी0 के किसान का गन्ना यू0 पी0 में जा रहा हैं पहले हमे ा गन्ना यू0 पी0 से हरियाणा में आता था। इस बार यू0 पी0 के किसानों ने जमुना के बार्डर पर हरियाणा के किसानों को यू0 पी0 में गन्ना ले जाने से रोका। करनाल जिले के भादसों गांव मं पिकाडली भाुगर लि है वहां पर किसान को गन्ने का रेट 62 रूपये किवंटल के हिसाब से दे रहे है। जिला करनाल के डी0 सी0 ने फैसला उचि है? मै कृशि मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि किसानों के हितों की रक्षा करते हुए गन्ने का जो निर्धारित मूल्य है वह किसान को दिलवाया जाए यह सरकार का फर्ज गनता है। स्पीकर सर, इसी तरह से मै सरकार अनुरोध करूंगा कि अगर ये सरकार किसानों की सच्ची हितै ी है तो सरकार को चाहिए कि पड़ौसी राज्य पंजाब की तरह इस प्रदे ा के किसानों को भी बिजली और नहर का पानी मुक्त मुहैया करवाए।

श्री अध्यक्षः पिछले साल जब आप यहां बैठे थे तब आपके दिमाग में यह बात नही आई?

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर सर, पंजाब ने अब यह फैसला किया है। इसलिए यह बात आई है।

श्री अध्यक्षः हर बात में पंजाब को फौलो थोड़े ही करेगे। We are not to follow Punjab.

श्री जय सिंह राणाः कृशि के जो यंत्र है, वे सभी टैक्स मुक्त हेने चाहिए उन पर कोई टैक्स नही होना चाहिए चाहे वह टैक्टर का टायर है या बुग्गी का टायर हैं कृशि के सभी यंत्र टैकस से मुक्त होने चाहिए। धूप बत्ती पर टैक माफ करने से लोगों ो कोई फायदा नही हो सकता। किसान जो ईमानदारी से रोटी कमाता हैं उसे कृशि के यंत्रों से ही लाभ होता हैं मै मांग नं0 10 के बारे में जो जन स्वास्थ्य और स्वास्थ्य विभाग से संबधित है इसके बारे में जिक्र करना चाहूंगा। (विध्न)

श्री अध्यक्षः राणा जी आपको बोलते हुए साढ़े आठ मिनअ हो चुके है।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर सर, पीने के पानी ही हर जीव की जरूरत है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः ये भी ओजीजि ान के माननीय सदस्य है इनको बोलने दीजिए।

श्री जयसिंह राणाः स्पीकर सहाब, यह जो जन स्वास्थ्य विभाग की बात है। मै कहना चाहता हूं यह बहुत जरूरी है क्यों पीने के पानी की जो बात है वह हर जीव से जुड़ी हुई हैंआज भी यह सरकार कहतहै कि हमने हर गांव में पीने के लिए पानी पहुंचा दिया हैं लेकिन ऐसे गांवों केना मंत्र?ी जी को बताना चाहता हूं

जिन गांवों में आज तक पीने का पानी नही पहुेा है। मेरे हल्के नीलोखेडत्री में जिन गांवों में पानी नही पहुंच है वे है बुडेडा, भागपुर, पछताना और निगदू। इनमें से निगदू गांव तो ऐसा है जिसकी अबादी दस हाजर से भी ज्यादा हैं इस गांव में जो टयूवबैल लगा हुआ है वह छः महीने से खराब पड़ा हैं। मैने कईबार एक्सीयन और एस0डी0ओ0 से कहा है किन्तु उस बारे में कोई कार्यवाही नही हुई हैं लोग पानी के लिए तरस रहे है उनमें सामने पीने के पानी की बहुत बड़ी समस्या है। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः आपने अपनी सरकार देखी, चौधरी देवी लाल जी की सरार देखी और चौधरी भजन लाल जी की सरकार भी देखी। फिरभी आप इस क्षेत्र में पानी का इंतजाम क्यों नही करवा पाये। हम तो पानी का इंतजाम जरूर करेगे।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगननाथ): हम पानी इस इलाके में जरूर पहुंचायेगं।

श्री अध्यक्षः राणा साहब, आप अपनी सकार से तो नही करवा पाये लेकिन अब मंत्री जी ने इस बारे में आ वासन दे दिया है।

श्री जयसिंह राणाः स्पीकर सर, मै माननीय मंत्री श्री कर्ण सिंह दलाल से कहना चाहूंगा कि कोई भी सकरार अपने कार्यकाल में सभी समस्याओं को दूर नकी कर सती है। मारी सरकान `बहुत से गांवों मे ंपीने का पानी पहुंचाा होगा और कुद

रह भी गये होगे तो इनकी सरकार नेभी तो कुछ करन है। जो लोगों की भलाई के अच्छे काम है, वह सरकार का फर्ज बना है कि वे काम करने चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आप इस कार्य को अव य करेगे। इसी तरह से सिंचाई और बिजली की बात है। (घंटी) सर में एक मिनट में खत्म करूंगा।

श्री अध्यक्षः आप एक मिनट में कंकल्यूड करें।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर सर, बिजली का जहां तक सवाल हैं आप सभी लोग जानते है बिजली इस प्रदे ा के लोगों की बड़ी भार समस्या है। और प्रदे ा के हर आदमी को बिजली की चितां है। क्योंकि गेहूं निकालने के लिए थ्रै ार्ज को बिजली चाहिए। उसके बाद जीरी निकालने के लिए किसानों को चिंता है क वे फसल बोये या न बाये, बजली के बगैर गुजारा नही होगा। इसके साथ ही साथ बिजली के निजीकरण की बात हमे ाा आती है। हम बिजली के निजीकरण के हक में नही है। जहां तक मुझे जानकारी है तथा हाउस में कहा गया कि 4 जिलों, रोहतक, सोनीपत, पानीपत ओर करनाल में बिजली का निजीकरण होजे जा रहा है। मै सरकार से अनुरोध करूगा, मुख्य मंत्री इस समय हाउस में नही बैठे है, कि भिवानी, महेन्द्रगढ़, सिरसा, और हिार में बिजली का निजीकरण करें ताकि लोगों का संदेह दूर हो सकें। धन्यवाद

श्री चन्द्र मोहन (कालका): माननीय अध्यक्ष महोदय, मै आपका बहुत ही भाुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। अध्यक्ष महोदय, जैसा की सारा सदन जानता है 12 मार्च को वित्त मंत्री जी ने सदन में बजट पे ा किया। जब वे बजट पढ़ रहे थे तो ऐसा लग रहा था कि जैसे उनके मन पर बहुत भारी बोझ हो। बडत्री मजबरूी में ये बजट पढत्र रहे थे क्योंकि मौजूदा सराकर लोगों को जो वायदे करके सता में आई थी कि विकास के कार्य करेगे। उन वायदां को पूरा नही किया गया। लेकिन इस बजट को पएत्रकर तथा 3 दिन से जो बहस हो रही है, उसकसे सुनकर ऐसा प्रतीत होता हैं कि विकास नाम की कोई चीज हरियाणा प्रदे ा मं होने वाली न ही है। अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं0 11 पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं जो कि अर्बन डिवैल्पमैंट से रिलेटिड है। जैसे सभी माननीय सदस्य जानते है। इसमें सिर्फ 377068000 रूप रखे गयए है जिसमें से विकास कार्य में सिर्फ 18.73 करोड़ रू0 ही खर्च होने है। इसमें से 10 करोड़ रू0 दिल्ली के आस–पास सैटलाइट नगरों के विकास के लिए और 3 करोड़ 65 लाख रू0 गंदी बसितयेां के सुधार के लिए रखे गऐ हैं नगरपालिकाओं के लिए 4 करोड़ 15 लाख रू0 किस–किस के पल्ले पड़ेगा? जहां तक गंदी बतियों के ुसधार की बात है, इसमें 3 करोड़ 65 लाख रू0 रखे गऐ है। जो हमरे बुजुर्ग और भाई इन गंदी बस्तियों में रहते है, जिससे इनकी सेहत खराब होती है। इनमें रहकर वे क्या तो पढ़ाई कर सकेगें तथा इससे क्या दे ा और हरियाणा का विकास हो सकेगा? इसलिए य राशि

बढत्राइ जानी चाहिए। इसी प्रकार से हरियाणाम ें जिनी भी नगरपालिकाएं नकारा है, जहां पर कोई विकास काकर्य नही हो रहा है, जहां पर पीने के पानी की तथा और भी बहुत सारी समस्याएं है, उसेा मद्देनजर रखते हुए मै अनुरोध करूगा कि इस और वि ोश ध्यान दिया ाजए। इसी प्रकार से हुड्उा ने गरीब लोगां को प्लांट देने की जो प्लान देने को जो प्लान बनाई थी, वह बहुत बढ़िया भी लेकिन इस सरकार ने हुड्डा के प्लाटों की भी ओक ान भुरू कर दी हैं अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से गरीब आदमी केसे प्लाट खरीद पाएगा। एम तरफ तो आज प्लाटों की ओक ान कर रहे है दूसरी तरफ गरीब आदमी जो पंचकूला की आजाद नगर वगैरह कालोनियों में झुग्गी झोपडियों में रहते है, उन सब को नोटिस आ गए है कि वे यहा से ि ाफ्ट करें। अध्यक्ष महोदय, वे गरीब आदमी कहा जाएंगे? इस बारे में सरकार को कुछ सोचना चाहि। पंचकुला के विकास में इन गरीब आदमियों को वि ोश योगदान रहा हैं इसलिए इन गरीब आदमियां को उसी प्रकार से जगह की आल्ट्रेनेटिव की जाए जिस प्रकार से चौधरी भजन लाल सरका ने इंदिरा कालोनी बना कर की थी। मेरा सरकार से यह अनुरोध है कि जो हमारे भाई वहां पर रहते है, उन्होने पैसा जमा कर रखा है, उन्हें प्लाटों के अलाटमैंट लैंटर मिलने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से हुड्डा के बारे में तथा टाउन एवं ड कंटरी प्लानिग कके बारे में नोटिस आ रहे है। अध्यक्ष महोदय, कोई अपनी दुकान चला रह है। किसी का घ है कोई 15 ाल से वहां र काम कर रहा हैं मेरी करबद्ध प्रार्थना यह

है कि नो प्रोफिट नो लौस बेसिज पर उनके लिए कोई ऑल्ट्रनेटिव प्रबंध कया जाए पिछली सरकार के समय में इस बारे में फाईल चली थी, उस समय वह फैसला ही पात उससे पहले आपकी सरकार आ गई। मेरी गुजारि ा है कि इस बारे कोई न कोई जल्दी करें। अध्यक्ष महोदय, मै आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि पंचकुला, गुड़गांव, फरीदाबाद और हिसार इन चार जोन में जब कोई आदमी मकान बनाता है और वह अगर हुडा के रूल्ज का चायले ान कता है तो इन चारों जोन में कम्पाउड फीस लगाने के अलग अलग रेट हैं मै कहना चाहता हू कि सरकार को इस बारे में सबको एक नजर से देखना चाहि। अध्यक्ष महोदय, समस्याएं तो पंचकूला हल्के में बहुत है लेकिन मै उनके बारे में ज्यादा नही कहना चाहूंगा क्योंकि इस सरकार के सभी मंत्रीगण का एक ही जवाब है कि जब फण्ड अवेलेबल होगे तब यह काम करेगे। इसलिए अध्यक्ष महोदय, भैंस के आगे बीन बजाने का कोई फायदा नही हैं इन भाब्दों के साथ में आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री धर्मबीर गांबा (गुडगांव): स्पीकर साहब, मै डिमांड नं0 5, 8, 11 और 16 के बारे में अपने विचार प्रकट करूंगा। सबे पहले मै डिमांड नं0 5 के बारे में बोलूगा जो कि एक्साइज एंड टैक्से ान डिपाटमैंट से रिलेटिड है। स्पीकर साहब, जो बजट पे ा हुआ है उसमं इन्होने जा आंकडत्रे दिए है उनके बारे में मै आपको बताना चाहूंगा। यह सरकार सेल्ज टैक्स से 1618.95

करोड़ इकट्ठा करेगी, चार करोड़ रूपया एकळसाइज से इकट्ठा करेगी और 298.80 करोड़ रूपया गुड्स टैक्स से इकट्ठा करेगी। मै एक बात इनके नोटिस में लाना चाहता हू कि जो गुड्स टैक्स का मामला है उसके बारे में अपन ध्यान दे। इन्होन जो ट्रक पास कर रखा है वह तकरीबन 9 टन लोउ का पास कर रखा है मैनुफैक्चर्र सारे हिन्दुस्तान में अपना माल सप्लाई करते है। सिर्फ हरियाणा में सप्लाई नही करते। हिन्दुस्तान की बाकी स्टेटस ने किसी ने 10 टन, किसी ने 11 और किसी ने 13 टन लोड पाय कर रखा है लेकिन हरियाणा में सिर्फ 9 टन लोड अलाउड है। इसके अलावा एक मजेदार बात यह भी है कि यह काई देखेन वाला नही है कि किसी ट्रक पर 900 रूपये जुर्माना ओवर लोड का लगा देते हैं, और किसी पर 200 रूपए लगा देते है। उनकी मर्जी है जिसको चाहें उस ट्रक को छोड़ देते हैं और मर्जी आए किसी ट्रक में कितना ओवल लोड है और उसकस कितना पैसा एक्स्ट्रा लिया है इस कारण आज हरियाणा के अन्दर गुड ट्रांस्पोर्ट तकरीबन तकरीबन बंद होती जा रही है। ट्रक हरियाणा के अन्दर से हो कर निकलना बंद हो गये है। वह राजस्थान से सीधे यू0पी0 चले गजो हैं हरियाणा के पास नही कतरे। इमें कमुझे कोई एतराज नही है आप टैक्स लगाए बगैर टैक्स लगाए गुजारा नही है इसमें कोई दो राय नही है। मै इस बात के हक में नही हूं कि फला चीज पर टैक्स माफ कर दो, फलां चीज पर माफ कर दो। एक डिवैल्पिंग स्टेट के लिए अगर सोर्सिज नही आएंगे तो उसके विकास के काम कैसे होगे? हमें लोगां को यह जवाब भी देना

पड़ेगा कि हम आपके डिवैल्पमैंट के काम क्यो नही कर पाए? मै इस बात के हम में नही हूं कि आप किसी चीज पर टैक माफ कर दें। यदि किसी चीज पर टैक्स माफ करते है ते यह आपकी मर्जी हैं मै कहना चाहता हूं टैक्स लगाने का कोई क्राइटेरिया होना चाहिए ऐसा नही होना चाहिए कि किसी ट्रक से ओवर लोड 1500 रूपया ले लिया जाता हैं और किसी ट्रक से कोई पैसा नही लिया जाता है। मेरी आपसे यही प्रार्थना है क आप मेहरबानी करके इसको रीस्ट्रकचर कीजिए। सबके लिए आसान काम हो जाएगा कसी को कोइइ गिलाि ाकवा नही होगा। अब मै इंडस्टीज के बारे में कहना चहूंगा। इंडस्ट्रीज को डिवैल्प करने की बहुत ही सख्त जरूरत हैं स्पीकर साहब, आज गुडंगाव के अन्दर जितनी तनरक्की हुई है वह इंडस्टी लगने के कारण हुई हैं ये सारी हमारी सरकार केवक्त में लगी थी। आप कोई इंडस्ट्रीज को बढत्राव देना चाहते है और गुड़गांवा की इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देना चाहते हैं यह बात सही है हमने सोचा था कि बहुत सारी इंडस्ट्रीज जो सुप्रीम कोर्ट के आर्डर से दिल्ली से निकलेगी वे गुडगांवा मे ंया फरीदाबाद में आएंगी। सबसे बड़ी बात यह थी कि हमारी यूथ को उनमें एम्पलयामैंट मिल जाएगी और हमारे ीस्टेट में पैसा बाहर से आयेगा। लागों की परचेजिंग पावर बढ़ेगी। लेकिन आज मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि एक इंडस्ट्रीज जो हमने पंचकूला बरवाला के साथ डिवलैपट करना था। आज तक कोई बाता दे कि वहां पर कोई इंडस्ट्री लाई गई हो। इसी प्रकार से कुण्डली के अन्दर भी कुछ नही हुआ। मै बताना चाहूंगा कि हम गुउगांव के

अन्दर बेहतरीन इंडस्ट्रीज लेकर अये थे। हमने भाोर सुना था कि आप गुडगांव को एक माडर्न इंडस्ट्रीयल टाउन बनाने जा रहे हैं मै पूछना चाहता हूं कि उसकी या प्रोग्रैस हं इस बजट में इस के बारे में कोई जिकर नही हैं ये हते है कि हम काम करेगें मै पूछना चाहता हूं कि कब करेगे और क्या करेगे। कौन कौन सी एस्टेट डिवैल्प होगी। क्या जापानी टैक्नोलॉजी अपनाएंगे या और कोई बाहर से किसी इंडस्ट्रीज के बारे में कोई ऐसी स्कीम आपने बनाई है जिससे हि हम यह कह सकें कि हमार ीस्टेट में कोई डिवैल्पमंट हो रही हैं आप मेहरबानी करके स्टेट की डिवैल्पमैंट के लिए कुछ काम करें। मै फखर के साथ कहना चाहता हूं कि हमने इंडस्टीज की तरक्की के लिए पिदले पांच सालोंमें जो जो सुविधा दी थी, उनको बढ़ावा दियाथा, जिो अपने कभी नही किया। हम चाहे है कि आप भी उसी तरह से बढ़ावा दिया थाा, जो अपने कभी नही दिया। हम चाहते है कि आप भी उसी तरह से बढ़ावा उतना सैल्ज टैक्सय आपके पास ओयगा। आपके पास कोई मिनरलज नही हैं आपके पास सोर्सिज ऐसी नही जिससे आप ह कह सकें कि स्अेट की इन्कम बढ़ सकती ह। मेरा कहना यह है कि आप मेहरबानी करके इंडस्ट्रीज को जितन डिवैल्प करेगे उतना स्टेट का भला होग, उतना ही यूथ का भला होगा। उतरी ही मारी परचेजिंग पावर बढ़ेगी और उतना ही सब का भला हो जायेगा। मुझे तो कही भी नही लगता कि आपने कोई स्कीम, सोलिड स्कीम कोठ इस बजट में दी जो जिससे इंडसट्रीज डिवैल्प हो सके। अध्यक्ष महोदय, दसरी बात मै अर्बन डिवैल्पमैंट कके बारे मे कहना चाहता

हूं। एन0सी0आर0 के अनदर जो भी पैसा हमें सेन्टर गवर्नमैंट से मिलता है। क्या वह सिर्फ हुड्डा के सैक्टरां के लिए ही मिलता है। जहां तक मै समण्ता हूं कि एन0सी0आर0 के अन्दर जो पैसा मिलता है उसमें कम्यूनिके ान, रोड्ज, इलैक्ट्रीसिटी और ानी के लिए भी मिलता है। मै चाहता हूं कि दिल्ली के साथ लगते ऐरिया को अकिधक डिवैल्प कीजिए ताकि दिल्ली को बोझ कुछ हल्का हो सके और हमारे यहां पर लोग बसेन लग जाए। हमने कही नही देखा क आज तक कही पर एन0सी0आर0 का जौ पसा गांट के तौर पर सैन्ट्रल गवर्नमैंट से आत है वह सिवाय हुड्डा के कही और खर्च हुआ हो। अगर कही और काम अया हो, तो यह बता दें। एन0सी0आर0 का जो पैसा है वह दिल्ली के साथ लगते टाउन्ज को मिलना था। मै समझता हूं कि एन0सी0आर कके पैसे से जिस एरिया की डिवैल्पमैंट होनी चाहिए थी वह मिलना था। मै समझता हूं कि एन0सी0आर0 के पैसे से जिस एरिया की डिवैल्पमैंट होनी चाहिए थी वह नही हो पा रही। चौधरी वीरेन्द्र सिह जी ने यहबात ठीक हिी कि दिल्ली के लोग ि ाफ्ट करके गुडगांव के अन्दर पोल्यूशन से बचने के लिए अपनी कोठी बेच कर आये। इ समें ोई पैसा उनको नही बचा। जो पहले एक फलैट में रहे थे वे अब 500–500 गज के प्लाट के मकान में रहने लगे हैं क्या हम समझे कि जो एन0सी0आर0 क पैसा है वह अर्बन डिवैल्पमैंट के लिए ही है या उन लोगों के लिए है जो प्रिविलेज क्लास के हैं गरीब लोगों के लिए नही है क्या गरीब आदमी को कोई फैसेलिटी नही मिलेगी। क्या हम यह समझे कि जो पैसा वहां

से आ रहा हैं वह सिर्फ भाहरों के एक हिस्से से लिए हैं यहां पर बहन कमला वर्मा जी लोकल बाडीज के मंत्री बैठी नही हैं मै उनसे गुजारि ा करना चाहता हूं कि आज इसमें जितने सुधार की जरूरत है, उतने नही हो रहे । मै भी 5 साल तक इस कहकमें को इन्चार्ज रहा हूं हमें कुछ पैसा सलक कलोनियों क लए मिलता हैं इस बार महमं इसकाम के लिए 3 करोड़ 62 लाख रूपे मिले हैं लेकिन मै हना चाहता हूं कि इस पैसे को एरिया में स्लम कलीयरैंस के लिए ही लगाना चाहतए, अर्बन डिवैल्पमैंट के लिए नही लगाना चाहिए। यह ग्रांट मिली थी उसमें से सात लाख रूपये के करीब गुडगांव के स्लम ऐरिया में लम क्लीयरैंस के लिए लगाए जाने थे। स्लम ऐरिया के बारे में हर भाहर में एक लिसट बनी होती है। कि यह स्लम ऐरिया है, इसकी डिवैल्पमैंट होनी चाहिए। लेकिन मै सरकार कइ इत्तलाह के लिए बताना चाहतू कि कि डिपार्टमैंट ने जो ऑफिसर्ज वहां पर लगा रखे है हमने उनसे कहा कि यह पैसा सलम क्लीयरैस के लिए लगना है लेकिन उन्होने फिर भी वह पैसा वहां लगा दिया जहां उनके पार्शद रहते थे। जब मैने उनसे यह कहा कि यह इल्लीगल है आ ये पैसा यहां पर नही लगासकते है तो उन्होने तो उन्होने काह कि इस पैसे के बारे आपने जवाब नही देना हैं इस पैसे को खर्च करने का जवबा भ्तो हमने देना है। बिना नक्ा पास किए अगर कोई बिल्डिंग बनती है तो उसके खिलाफ एफ0 आई0 आर0 दर्ज हुई थी लेकिन वहां के आफिसर न 22 तारीख को नक्ा देखे बिना ही उस बिल्डिगर को पास क दिया। अध्यक्ष होद, इस प्राकर

डिपाटमैंट कैसे चलेगा। अर्बन डिवैल्पमैंट ऐसे नही हो पाएगा जिस तरीके से यकह कहना चाह रहे हैं मने आपसे उस दनि भी अर्ज की थी कि 3–4 कारण है जिसकी वजह से अपर्बन पापुले ान हर साल 10–12 प्रति ात बढ़ जाती है। 40 साल के बाद हम महात्मा गांधी जी का सह सलोगन भी नही क पाएंगे। कि India lives in villages. भाहरों में आबादी बढ़ने का कारण यह है भाहरों में फेसिलिटिज, इम्पलॉयमैंट फेसलिटिज, एजुके ान फेसिललिटिज, रिसर्च फेसिलिटिी और दूसरी और भी बहुत सी ऐसी फेसिलिटिज जो बहुत ज्यादा है जिन के कारण भाहरों की आबादी बढ़ती जा रही हैं अगर यह पालुले ान इसी तरह और इसी रफ्तार से बढत्रती रही तो बहुत बडत्री मु ि ाकल पैदा हो जाएगी। मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि आप इस ओर वि ोश ध्यान दिया जाए इसलिए जे ग्रान्ट्स जिस काम के लिए है उनको वही पर खर्च किया जाए किसी मखसूस हिस्से पर खर्च न करेक उस पैसे को सही लजगह पर लाए, जो पैसा गांवां की डिवैल्पमंट के लिए हाता है वह गांवां की डिवैल्पमंट के लिए ही लगना चाहिए ताकि भाहरों पर आबादी का प्रै ार बहुत ज्यादा न बढ़े। स्पीक सहाबा, मै एक और बात कहना चाहता हूं किजसस अर्बन डिवैल्पमैं रूकता ह। अगर आज आकंडों के हिसाब से देखा जाए तो गुडगांवा में जमीनों की जो रजिस्ट्रीज होती है। उनका काम तकरीबन आजकल बन्द पडत्रा है। इसका कारण भी मै बता देता हूं। जिस इलो में मै रहता हूं। वहां पर 5–6 हजार रूपये गज के हिसाब से जमीन मिल जाती है लेकिन गवर्नमैंट ने आर्डर्ज कर दिए

है कि यहां की रजिस्ट्री 10 हजार पर स्केयर गज के रेट से कम की नही होगी। इस वजह से वहां रजिस्ट्रियों का काम रूक गया है। और सभी सौदे रूक गए हैं स्पीकर सर, बजट में प्रोविजन है कि 333 करोड़ रूपया सरकार को रजिस्ट्री फीस से मिलेगा। रजिस्ट्रीज का जो अतिरिक्त रैवेन्यू सरकार को मिल सकता है। वह गुडगांवा, फरीदाबाद तथा पंचकुला से मिल सकता हैं अध्यक्ष महोदय, कही ऐसी न नहो कि रैवेन्यू की यह रा ि ा घट कर 33 करोड़ ही रह जाएग इसलिए इस प्रोविज पर फिर से विचार करने की जरूरत है। इसी तरह से इंडस्ट्रीज के प्लाट्स के बारे में बात है लैण्ड लौर्ड के लिए चेज ऑफ लैण्ड यू का जो प्रोविजन रखा गा है उससे लैण्ड का जो अट्रैक ान लोगों को मिला करता था क्या उसे बिल्कुल खत्म कर दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, यह एक चार्म था कि एच0एस0आई0डी0 उसे हुड्डा से प्लॉट दिला देगा। सरकार रेट पर उसकसे प्लॉट मिल जाएगा और वे इंडस्ट्री लगा लेगे। इस पर भी अगर रोक लगा जाएगी तो फिर इण्डसिट्रयलिस्ट को कया चार्म रह जाएगा कि वह गुडगांव में इंस्ट्रीज लगा लेगे। इस पर भी अगर रोक लग जाएगी तो फि इण्डस्ट्रिलिस्ट को काय चार्म र जाएगा कि वह गुडगांव में इंडसट्रीज लगा लेगे। इस पर भी अगर रोक लग जाएगी तो फिर इण्डस्ट्रियलिस्ट को कया चार्म रह जाएगा कि वह गुडगाव में इंस्ट्रीज लगाए। (घंटी) वही पैसा जो आप इनहासन्समैंअ करके ले लेगे तो इण्डस्टियलिट के लिए वहां पर कोई चार्म नही नही रहेगा इसका नतीजा यह हुआ है कि इंडस्ट्रियल डिवैल्पमैंट वहां पर बिल्कुल बंद हो गया हैं इस

परपोजल की भी रि–इनस्टेट करने की जयरत हैं अगर आप ऐसा नही करेगे तेा तो सारी इण्डस्ट्रियल डिवैल्पमैंट रूक जाएगी। अध्यक्ष महोदय, अब मै पी0 डब्ल्यू0 डी0 के बारे में कहना चाहता हूं इस बारे में डिमांड नं0 16 है मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पउता है क पिछले चार दिन के अन्दर के अन्दर सड़कों की मरम्मत के बारे में बारह सालों में ऐसे कोई फंड मिलेगे जिनमें ये रिपेयर का काम किया जा सकेगा। इन्होने एक प्रपोजल दी कि 550 किलोमीटर सड़के बनेगी और 828 किलोमीअर सड़कों को ठीक करेगे। इस बारे में मुझे फाईनैस मिनिस्टर जी बता दें। कैप्टन साहब, ने भी कहा था कि रिवाड़ी के अन्दर बाई पास बनयाया जाएगा या नही बनया ाजएगा इसका भी जवाब दे दे। इसके अलावा मुढानपुर में टूरिज्म कम्पलैक्स पड़ता है वह मेरे घ से 12 किलोमीटर है वहां पर भी बाई पास बनाने की बहुत जरूरत हैं हमारी कहना यह है कि आप पी0डब्ल्यूडी0 की मद से इनक लिए पैसे का प्रोविजन रखे। भाहरों के अन्दर जहां जहां पर भी टूरिज्म कम्पलैकिसज है वहां पर बाई पास प्रोविजन रखे ताकि वहां पर आने जाने वाले लोगों को कोई दिक्कत न हो। लोगों को राहत मिले। यक काम गवर्नमैंट के प्राईम पार्ट पर होना चाहिए। (घटी) अध्यक्ष महोदय, आप बार बार घंटी बजा रहे हैं इसलिए मै बैठ ही जाता हूं जिससे आपको भी तकलीफ न हो और मुझे भी न हो। धन्यवाद।

कैप्टन अजय सिंह (रिवाडी): अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। कि आपने मुझे डिमांड पर बोलने का मौका दिया क्योंकि अध्यक्ष महोदय, यह जो 1996–97 का बजट पे ा किया गया है यह किसी तरह से भी विकास ील नही है। 1996–97 के बजट में जो बढ़ौतरी 22 प्रति ात थी वह इसबार केवल 15 प्रति ात हैं अब जबकि मेहगाई बढ़ी है, पैट्रोल, डीजल और कंस्ट्रक ान मैटीरियल के दाम बढत्रे ह।इसलिए बढ़ौतरी की परसैन्टेज ज्यादा होनी चाहिए थी लजकिन वह कम हुइ है। यह जो बजट है यह बिल्कुल दि ाहीन है। मै डिमांड नं0 3 पर बोलना चाहूंगा। यह जो क्राईम रेट है इस बारे में आज के प्र न के जवाब में यह बताया गया है कि 31.03.96 से 15.02.97 तक रेप के केसिज 279, अपहरण और अपनयन के केसिज में 279 और मर्डर के केसिज में 489 लोग गिरफ्तार किए गए। जिसमें से मर्डर के केस में एक दोशी को सजा हुई और 18 बरी हुए, रेप के केसजि में 15 बरी हुए, अपहरण ओर अपनयन के केसिज में 3 बरी हुए। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै यह चाहूंगा कि मी जी मेरी बातों का जवाब बाद में दे दें। मेरे कहने का मतलब यह है कि जितने भी हमारे सै ान कोर्ट है वहां पर जजिज की जो संख्या है वह बहुत कम है चार जिले पानीपत, रिवाड़ी कैथल ओर यमुनानगर है जहां पर सै ान कोर्टस नही है। इस बारे में सरकार की तरफ से इन जिलों में कोर्टस खोलने की जो कार्यवाही चल रही है उसकसे ये जल्दी से जल्दी पूरा करे। अगर वहां पर सै ान कोर्ट बनेगे तो अच्छा काम होगा। इसके साथ साथ मेरा यह भ ीकहना है कि

अगर पूरे जजिज हो तो कोर्टस का काम सुचारू रूप से चल सकात है। इस समय जो आपकी पुलिए फोर्स है, उसकी संख्या थानों में बहुत ही कम हैं उनके पास जो जीप्स है वे बहुत पुरानी है। जब मै मंत्री था तो उस समय जो हमारे आगे आगे पुलिस चीती उसकी रफ्तार बीस सा 25 किलोमीटर से ज्यादा नही होती थी। तो यह हालत आज जीप्स की हो गयी है।

श्री अध्यक्षः आपके साथ जो जीप चलती थी कया वह भी खराब होती थी?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै फैक्टर बता रहा हूं लेकिन आप मुझे बीच मे ंटोक रहे है। मै केवल इतना ही कहना चाहूंगा कि जो पुलिए फ ोर्स है उसके मोर्डनाइजे ान एंव कम्पयूट्राइजे ान की बात आपने अपने बजट में कही है। जिस प्रकार से आज भाराब की स्मलिंग बढ़ रही है, जो लीकर माफिया आज प्रदे ा में बन रहा है उसकसे देखते हुए पुलिए फोर्स को और भी मजबूत बनाने की आव यकता है क्योंकि लीफर माफिया बवालों क ेपास बहुत बढ़िया साधन हैं अध्यक्ष महोदय, कम से कम चार पांच घटनाएं ऐसी हुई है जहा पर पुलिए फोर्स पर अटैक किय ागय। दो फररवरी को गोहाना में पुलिए फोर्स पर अटैक किया गया। ऐसी ही घटना जींद औश्र सिरसा में भी हुई। चार फरवरी को जूई, भिवानी जिले में पुलिस फोर्स पर अटैक हुआ हैं ऐसी तरह से पांच मार्च को दड़बाकलों के अटैक हुआ है। ऐसी ही घअनाएं कादमों और सतनाली में हुई हैं

बहादुरगढ़ में जहां पहले एक घटना रेप केसिज के बाद हुई थी वहां अब यह नया कांड हुआ है। इसके अलावा डूंडाहेड़ा में कुछ लडत्रकों ने तीन लड़कियों के सैम्प्स लिए तथा उनको परे ान किया। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब ययह हे कि आज पुलिए फोर्स कम है।इसलिए आज क्राइम रेट बढ़ता जा रहा हैं कन्वीक ान कम हुई है क्योंकि जजिज कम है। अध्यक्ष महोदय, सरकार कहती है कि भाराबंबदी से 600 करोड़ रूपये का नुक्सान हुआ लेकिन मै कहता है ूंकि 3500 करोड़ रूपये का नुक्सान हुआ है क्योंकि आज इस भाराब के धंधे में हमरे बेरोजगार नौजवान भी भाामिल हो गये है। इसलिए मै कहना चाहूंगा कि भाराब बंदी के लिए कानून सख्त बनाए जाए। आज प्रदे ज्ञ में लिकर माफिया बहुत बजबूत बन गया हैं यहां पहले उन लोगों के पास टूटी फूटी साईकिल होती थी वही आज उनके पास कारें। है। जिसके कारण आज आम व्यक्ति के लिए अपना जीवन जीना दूर्भर हो गया है। अध्यक्ष महोदय, आप मुझे पहले ही बात दें कि मुण्े कितने समय तक बोलना है क्योंकि मैने दस डिमांडज पर बोलना है। उसके बाद मै उसी हिसाब से बोलूंगा।

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि आपने 12.38 मिनट पर बोलना भाुरू किया था और आपका बोलने का समय केवल 12 मिनट ही है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आपने गवर्नर ऐड्रैस पर भी मुझे बोलने के लिए केवल 9 मिनट दिए थे और

बजट पर बोलने मुझे बोलने नही दिय। फिर आप ही बताएं कि क्या मै हर डिमांड पर ए मिनट में बोल सकात हॅ फिर तो हमारे कट मो ान देने का कोई फायदा नही है अध्यक्ष महोदय, मै आपसे केवल इतना ही कहना चहाता हूं कि मुझे हर डिमांड पर बोलने के लिए समय मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक ऐक्साइटज एंड टैक्से ान डिपार्टमैंट की बात है। आपका जो एच0एफ0सी0 है उसने गुडगांव के अंदर विद आउट वैरीफिकोश्न लोन दे दिया जिसकी बात में रिकवरी भी नही हो पायी। इसी प्रकार से सी0ए0जी0 हैं उसने गुड़गांव के अंदर विद आउट वैरिफिके ान लोन दे दिया जिसकी बाद में रिकवरी भी नही हो पायी। इसी प्रकार से सी0ए0जी0 की रिपोर्ट दी हुई उसमें Loss of Rs. 4 crores on account of under assessment on various heads जैसे कि रजिस्ट्रे ान फीस सा मोटर व्हीकल्ज ऐक्ट के तह रजिस्ट्रे ान फीस में अंडर अससमैन्ट की गयी हैं अध्यक्ष महोदय, हमारा जो टैक्स के वि ालेशण का तरीका है वह गलत है। जो 31 मार्च, 96 की सी0ए0जी0 की रिपोर्ट दी हुई है उसमे ंयह बात है। जहां तक अैथ्कसज की बातज ै यह ठीक है कि अपने भाराबएंदी कर दी लेकिन लाटरीज के ऊपर आपने सैल्ज टैक्स कम किया जिससमें आज हमारे लाखों बेरोजगार नौजावान भाामिल हो रहे है ओर गरीब आदमी अपने जीवन भर की पूंजी इसमें लगा देता है। सरकार इसको क्यां बढ़ावा देती है। इसी प्रकार से रिवाड़ी के अंदर दिल्ली पुलिस के कई लोगों ने फर्जी वाउचर पकड़ कर जाम करवाए। जी0 एम0 ने यह बात पकड़ी। वहां से

फर्जी वाउचर पकड़ कर जमा करवा देते थे। जब वे बाउचर दिल्ली डिपों में आए तो कौठ पैसा नही मिला। इसमें तकरीबन एक करोड़ रूपये की गड़बड है। अध्यक्ष महोदय, अब मै डिमांड नं0 8 पर बोलूंगा। रिवाड़ी भाहर बहुत बड़ा भाहर है ंवहां बाई पास बनाने की बहुतज जरूरत हजै। इसके आंदर जो 28 करोडऋ रूपया द ार्िया गया है वह आप रोडज की रिपेयर पर खर्च करेगे। जब से रिवाड़ी में इंडियन ऑयल का डिपों बना है, वहां से ुदनियाभर के ट्रक निकलते है इसलिए वहां पर बाई पास का होना बहुत जच्री है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय हमने जितने भाहरों में कंक्रीट रोब बनावाई थी वह कंक्रीट रोड हो, तो जो बार बार मेंटीनैंस पर खर्च हाता है वह नही होगी। आप इसके लिए कोई पौलिसी बनाए कि जो पी0डब्यल0डी0 रोड बनाती है उसमें ड्रेनेज का सिस्टम होना चाहएं इसी प्रकार से जयपुर हाइवे है। (विध्न) नै ानल हाइवे की फोरलेनिंग करने की बात चल रही है। इसके अलावा फलड् की वजह से और मसानी बैराज पर भाटर लगाने की वजज की वजह से भी काफी सड़कें टूटी हैं माननीय मंत्री जी हरचीज में कह देते है कि सड़के फंडज की उपलबधता क आधार पर बनाएंगे। जो उनका बजट है उसमें से पैच वर्क और वाइडनिग पर जरूर काम करें हयह मै उनसे अनुराध करूंगा।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, मेरे ओर आपके पड़ो मे ंएक सड़क बास गांव को जाती है वह कितने साल से टूटी पहडत्री है, मेरे ख्याल से वह छह साल से टूटी पड़ी हैं

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप वाले गांव की सड़क की वाइडनिंग कैप्टन अजय सिंह ने करवाई थी वह कंपलीट हो चुकी है। आप देख लीजिए। मेरे समय में अगर मै काम नही करवाता तो जनता मुझे 3 बार चुनकर नही भेजती। जब कांग्रेस पार्टी के 5 सदस्य चुनकर आए थे और उस समय मै चुनकर आया था और इस समय 9 है तब भी चुकर आया हूं।

श्री अध्यक्षः आप दो मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे विनती करता हूं कि आप हाउस के कस्टोडियन है मैने कट मो ान दी हइ है इसलिए मुझ कम से कम हर डिमांड पर बोलने का मौका मिलना ही चाहिए। अब मै सिचाई के बारे में बोलना चाहूंगा। जहां तक सिंचाई का सवाल हैं पछिले दिनों जो बाढ़ आई, मसानी बैराज पर भाटर न लगाने की वजज से उसके बारे में मुख्यम मंत्री जी ने आन दि फलोर ऑफ दि हाउस हय आ वासन दिया था कि भाटर लगा देगे। लेकिन वहां 7.2 फुट की दीवार खड़ी कर दी। अगर वह दीवार टूट गई तो 50 गांव मपानी में बह जाएंगे। इसलिए भाटर लगनेन चाहिए। इसके अलावा कुंचावास गांव में सड़क टूटी पडत्री है ंउसकी रिपेयरहोनी चाहिएं मासानी बैराज के इलाके में जो छोटी ढणियों है वे सारी ड्रेन से भर रही है। इस पर मेरा सुझाव है कि जे0एल0एन0 कैनाल मे जो यमुना का पानी आता है उस वक्त फल्ड आ जाता हैं इसलिए जे0एल0एन0 कैनाल का मसानी बैराज पर डाईवट्र कर दिया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने बताया थाकि हम जे0एल0एन0 परकाम कर रहे हैओर इस बारे में दस लाख की स्कीम है। जो इस स्कीम के तह यह कहम कर दिया जाए। इस सरकार ने माना है कि इतना पैस इस स्कीम मे ंरखा हैं इसी प्रकार से जे0एल0एन0 कैनाल के पम्पस की कैपेसिटी लिफ्ट करने की कम रहे गई है वे केवल 25 फीट के करीब ही पानी को लिफ्ट कर सकते है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप जल्दी कनकलूड कीजिए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर सर, मै इररैलेवैंट बात तो बोल नही राहू ं आपने मुझे समय दे दिया है इसकेलिए आपकी बड़ी कृपा हैं जहां तक भाखड़ा और डब्ल्यू0 जे0 सी0 का सवाल है जब तक इसकी सफाई नही होगी तब तक बात नही बनेगी। साउदर्न हरियाणा का पानी हिसार ओर सिरसा को दिया जा रहा है। इसको डिस्ट्रीब्यू ान अलग से होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य थोड़ा यह भी बताय कि जो हिसार सिरसा को ज्यादा पानी देने की बात आप मानते है है वह कमसे दिया जा रहा` ओर क्यों दिया जा रहा है?

कैप्टन अजय सिंह यादवः पहले जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री रहे तथी से हमारे क्षेत्र के साथ ज्यादती होती रही है। यह टाईप है आप इसको डिस्ट्रिब्यूट करें।

श्री अध्यक्षः जब हम आपकी जगब बैठा करते थे तब आप इस बात को नही मानते थे चलों आज मान लिया यह अच्छी बात है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः हमारे पास जिना पीन अवेलेबल है उसकी डिस्ट्रिव्यू ान तो टीहक से होनी चाहिए उधर पंजाब से पानी मांगने की बात करते है। (विध्न)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): स्पीकर सर, मैरा प्वायंट आफ आर्डर है। हमार साथी कैप्टन अजय सिंह जी ने ठीक बात कही है। स्पीकर सर, इससे पहले कभी भी कट मो ान पर किसी सदस्य को बोलने के लिए इतना समय नही दिया गया और इतनी लम्बी चर्चा नही हुई। कैप्टन अजय सिंह ने यह मान है कि जब ये पहले की सरकार में वजीर थे उस सरकार के समय में महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी का पैसा हिसार और सिरसा में गया चौधरी भजनल लाल कें समय में गया इसके लिए इनका धन्यवाद।

कैप्टन अजय सिंह यादवः एस0वाई0एल0 के बारे में जहां तक बात है इसको बनवाने मे ंयह सरकार जानबूझकर डिले कर रही है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप कंक्ल्यूड करें।

कैप्टन अजय सिंह यादवः राजस्थान सरकार जिसमें रामबिलास जी के साथी वहां वजीर बैठे है हमारे पानी को रोक लेते है। जब फालतू पानी होता है तो हमारे इलाके को डूबों देती

है ऐसे ही कृश्णावती नदी और दोहना नदी है। सरकार नइ इस परकाम नही किया। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आपके बोलते हुए 16 मिनअ हो गये है। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः आपका बड़ा धन्यवाद करनाचाहता हूं कि आपने मुझे पुरा समय दिया हर कट मो ान पर बोलने के लिए आपने हमें समय दिया वह अपने बड़ी दरियादिली दिखाई लेकिन आप किसी के प्रै ार में है यह बात हम समझ नही पर रहे है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे कट मो ांज पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मै आपको धन्यवाद देता हूं। मै अभी डरते डरते खड़ा हुआ था क्यों कल जब मै सिर्फ यह बताने के लिए खड़ा हुआ था कि सांगवान साहब ने सदन की कार्यवाही में रूकावट डाली है तो आपने बजाउए उनकी गलती के मुझे नेम कर दिया था। (विध्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, इन्होन मेरा नाम लिया है। मैने इनको बिल्कुल भी डिस्ट्रर्ब नही किया। लकिन अब ये मुझे कम्पैल कर रहे है कि मै इनको डिस्टर्ब करूं। ये डिस्टर्ब करने के लिए मुझे इन्वाइट कर रहे है।

श्री अध्यक्षः सांग साहब आराम कर रहे है, आप उनको डिस्टर्ब न करें। (हंसी)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, हम तो उनका बहुत आदर करते है है वे हम से उम्र में बहुत बड़े है मेरी अपनी बात करने से पहले मुझ डर लगने लगा रहौ किसी ने कहा है:–

'मेरा मुनसिफ ही मेरा कातिल है'

कौन भला मुझे यहां सिला देगा'

मंत्री महोदय, थोड़ा बहुत कभी कभी सरकार चलाने की बातों की बजाए और दूसरी बातें भी कर लेनी चाहिए। (विध्न) स्पीकर सर, मै डिमांड नं0 15 जो कि सिचाई के संबंध में है, उस पर बोलने के लिए आपके समक्ष खड़ा हुआ हूं। बजट स्पीच के पैरा 40 में वित्त मंत्री जी ने जिकर किया है कि डब्ल्यू0 आर0 सी0 पी0 प्रोजैक्ट के तहत 1858 करोड़ रूपये का ऋण वर्ल्ड बैंक से 6 साल के लिए लिया जाएगा। स्पीकर सर, आज इस सदन का हर माननीय सदस्य यह मानता है कि बजट चाहे आज की मौजूदा सरकार का हो या विपक्ष के ाथी जब सत्ता में थे, उसनकी सरकार का हो, बजट की एक मूलभूत बात यह है कि वह जनता की आकांक्षाओं को प्रतिबिंब होना चाहए। यह उन नीतियों का स्वरूप है जो सरार जनता के समक्ष पे ा करना चाहती है। अज इस बजअ स्पीच जो वित्त मंत्री जी द्वादा दी गई थी, को पढ़कर यह साफ मालूम होता है कि यह पूरी तरह से दि ाहीन बजट है। इस बजट में 80 प्रति ात जनता का पूर्ण रूप से अनदेखा कर दिया

गया हैं इस बजट में ने किसानेां के लिए, न हरिजनों के लिए न बैकवर्ड क्लासिज के लिए, जो कि हरियाणा में 80 प्रति ात से भी ज्यादा जनसंख्या का हिस्साहै, कोई खास प्रावधान रखा है। उनके लिए मात्र 10 प्रति ात का प्रावधान ही है। यह एक भार्मनाम बात है। यह एक बहुत बुरी बात है। (विध्न) मै अभी एक एक प्वायंट पर आपको ंबता दूंगा (विध्न) मै सारा पढ़कर बताउंगा। (विध्न) आप बुजुर्ग हैं मैने तो कभी आंकड़ों के बर्गर इस सदन में बात ही नही कही है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आपने 12.54 बजे बोलना भुरू किया था और 1.04 बजे तक आपने बोलने कासमय हैं

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, अगर ऐसी बात है तो मै पहले ही बैठ जाता हूं। स्पीकर सर, 1858 करोड़ रूपये जो ऋण 6 साल के अर्से में ले रह हैं जो उम्मीदें हरियाणा के किसानां को बार बार बधाई जाती है। वे एक तो यह कि सिकानों के खालों को पक्का करने का मुद्दा, दूसरा नहरी आबियान का मुद्दा, जिसकी चर्चा मैने आगरा कैनाल के परिक्षेप में भ्ज्ञी की थी। वर्ल्ड बैंक से जो ऋण लेने की बजए उसके बारे में मुझे नहरी विभाग के अफसरान ने लोक लेखा समिति की बैठक के दौरान बताया था कि सन् 2000 तक यह जो पैसा खर्च होगा और अब जो सालाना नहरी सिस्टम आया करेगा, वह इस प्रकार का प्रावधान है, जो नहरी आबियाना एक साल में सरकार लेगी और जो खर्चा आएगा वह बराबर होना चाहिए अगर ऐसा होगा तो

नहीर पानी का आबियान सन दो हजार तक 200 प्रति ात बढ़ेगा इस बात का प्रावधान है और इस बात की मंशा सरकार की है। स्पीकर साहब, दो बातों की साफ तौर पर नजरअंदाजी की गई है। हरियाणा सरकार के पास आय के दो स्त्रोत है जिनसे हरियाणा के किसानों पर नहरी आबियाने का बोझ न डाल कर उनसे वह पैसा रिकवर किया जाए। स्पीकर साहब, आज हरियाणा माकिटिंक बोर्ड को मार्किट फीस से करोड़ों रूपये की आये हो रही है वह सारा पैसा मार्किटिग बोर्ड कमेटीज से रिकवर करता हैं कृशि मंत्री महोदय खासतौर से इस बात की तरफ ध्यान देगे कि किसान जब आपनी जमीन के अंदर नहरी पानी लगाता है उस पानी से जो फसल पैदा होती उस फसल कमो किसान मार्किट फीस का सीधा–सीधा कनैक ान उस नहरी पानी के साथ जुडा हुआ है तो यह गलत नही होगां इसलिए मेरा सरकार को सुझाव है कि सरकार को नहरी पानी के आबियाने का सारे का सारा खर्चा हरियाणा के किसाना के ऊपर डालने की बजाये जो मार्किट फीस का पैसा आता है। उसका 25, 40 या 50 प्रति ात पैसा नहरी सिंस्टम के मोडरोनाइजे ान पर और उसके रखरखाव पर सालाना जो खर्च हो वह उसमें से दिया जाए। इसके अलावा स्पीकर साहब, मेरा एक सुझाव यह भी है कि वन विभाग नहरों ओर रजबाहो ंपर किसानों की जमीनोंके साथ–साथ अपनी जमीन पर पेड़ लगाता है। वह जो प्लांटे ान करता है उससे सालाना सरकार को तकरीबन 27 करोड़ रूपये आय होती है। उस जमीन में वन विभाग की प्लांटे ान से आय होती है उससे नहरी पानी के साथ सीधा

संबंध है क्योंकि वह पानी रिस कर उस जमीन के अंदर चला जाता हैं और उस जमीन में वन विभाग जो पेड़ लगाता है और जहां जहां पर पेड लगते है उनसे चार चार और पाच पाच फुट दूर तक किसानों की फसलें ठीक नही हो पाती है, जिससे किसानों को उसका नुक्सान है। इसलिए मेरा यह सुझाव है कि जो नहरी पानी के आबियाने का खर्चा आपने सन दो हजार तक किसानों पर डालना है व किसानो ंपर डालने की बजाए आप वन विभाग को जो प्लांटे ान से आय होती है। उससे से वह आधा पैसा नहरी महकमें को दे। स्पीकर साहब, 1985 के अन्दर हरियाण प्रदेरू ा में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी। उस समय उस सरकार ने एक क्रान्तिकारी फसला लिया था कि किसानों की तरफ उन खालों को पक्का करने की जो साढ़े तीन सौ करोड़ की अर्जि रा ि ाथी वह उस सरकार ने माफ कर दी थी।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): कांग्रेस पार्टी की सरकार 1985 में भी थी लेकिन यह फैसला चौधरी बंसी लाल किया था।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, उससे पहले चौधरी भजन लाल जील की सरकारभी थी उसक बाद चौधरी बंसीी लाल जी की सरकार आई थी। वह किसी व्यक्ति वि ोश की सरकार नही थी। न आज है न उस दिन थी।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने अभी सदन में सुझाव दिया कि जो नहरी पानी है उसके आबियान का बोझ हरियाणा किसानों पर पड़ता है, क्यों न वह पैसा हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर माकिटिंग बोर्ड भरे। वह उसकी भरपाई करे। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से श्री सुरजेवाला से कहना चाहता हूं कि दक्षिणी हरियाणा का सारा पानी आप अपनी तरफ ले गये। चलो हम मान लेते है कि ये अपने खेत में ज्यादा पानी लगा लें। लेकिन आज जो सुझाव हमें आज दिया, उस बारे में मै इनसे प्रार्थना करता हूं कि यह सुझाव इन्होने अपने पिताश्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी को देना चाहिए था जब वे सिंचाई मंत्री थे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने या तो बजट स्पीच नही पढ़ी या ये तैयशरी ठीक करके नही आये। यह तो जो 1858 करोड़ रूपये का ऋण लिया है यह तो पिछली साल यिाल है ओर चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी तो 1991 तक बिजली तथा सिंचाई मंत्री थी, उसके बाद नही थे। जरा ये अपने तथ्य जांच करके फिर खड़े हुआ करें। भाम ोर सिंह जी तो बड़े पढे लिखे और सूझ–बूझ वाले व्यक्ति है हें इनसे जरूरी उम्मीद है। और किसी को हो या न हो। (विध्न)

श्री अध्यक्षः सुरजेवाला जी तो 1992 तक सिंचाई मत्री थे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: हां जी, यह 1994–95 की स्कीम है। स्पीकर साहब मै आपको बता रह था कि 1985 में हरियाणा में जो कांग्रेस पाटी की सरकार थी जैसा कि माननीय श्री मनीराम गोदारा जी ने भी मान है उस समय एक क्रांतिकारीफैसला लेकर 350 करोड़ रूपये हरियाणासरार ने किसानो के जो पक्के खाले बनायेथे, उसकस पैसा किसानों से पहले लेना था, लकिन बसद में हमारी उस वक्त की सरकार ने उस पैसे को माफ किया था और आगे के लिए सरकारने यह फैसला किया था कि अब खाल पक्के सरकार खुद बनगायेगी। (विध्न)

श्री मनी राम गोदारा: देखिये, आप कांग्रेस पाटी के उस वक्त कौन मंत्री थे और कौन नही थे। कांग्रेस पार्टी के मंत्री तेा बाद में भी बनते रहे है। उन्होने कौन से प्रोग्रेसिब स्टैप लिए, जिनको आप मै ान कर रहे है, यह किसने किए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, मै यही बात रहा था कि उस समय मैने जैसा अभी माननीय गोदारा साहन ने सुना, उन्होने यह कहा था कि 1985 में पहले चौधरी भजन लाल मुख्य मंत्री थे फिर चौधरी बंसी लाल मुख्यमंत्री थे। व्यक्ति तका सवाल नही था, पार्टी का सवाल है ंपार्टी की नीतियों का सवाल हैं

श्री मनीराम गोदारा: यह फैसला 1986 में लिया गया था (विध्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, उस समय हमने यह फैसला लिया था कि हरियाणा के किसानों के खाल सरकार मुक्त पक्के करेगी, हमे ा के लिए। मुझे नही पता कि किस कारणवं ा सरकार ने बाद में पक्के खाल नही किएं किसान अपने खाल पक्के करवाने में, उनकी लाईनिंग करवाने में और उनकी मुरम्मत करवाने में असमर्थ है। (विध्न)

श्री मनीराम गोदारा: मै यह उम्मीद करता हूं। कि आप सारी बात वही कहेगे जो सही और रियलिटी है। आपने एक बात कही कि यह फैसला 1985 में हुआ था जबकि यह फैसला 1986 में हुआ था। उस वक्य यह फैसला हुआ था कि महकमा नहर के भविश्य में जितने भी खाल पक्के होगे, उनको सरार अपने खर्च पर पक्के करेगी। मै बताना चाहूंगा कि 1986 के बाद जो भी सरकार आई उन्होने उस फैसले को नही माना तभीवे सारे फैसले टूट गये थे।

Sh. Mani Ram Godara: When you put the things, you must know everything.

Sh. Randeep SinghSurewala: I was onloy pointing out for your consideration that the decision to waive off Rs. 350 crore was taken in the year 1985-86 and at that time congress party was in power.

Mr. Speaker: That was the year 1986-87.

Sh. Randeep Singh Surjewala: Sir, It is a fact that at that time congress party was in power. यह एक सता रूढ दल

था यानि हरियाणा के अन्दर यह एक सच्चाई है। यह कड़वी घूंट तो आज सरकार को पीनी ही पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय मुख्य मंत्री महोदय से मै एक बात कहना चाहूंगा। मै कोई भी गलत बात नही कहूंगा। किसानों की भलाई के लिए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने जो फैसला 1986–87 में लिया वह बहुत महत्वपूर्ण फैसला था उस पर सरकार को दोबारा से सोचना चाहिए। अगर अब किसान को ही खालों और रिजरवायर्ज की मुरम्मत करवानी होगी, उनकी रिपेयर की जिम्मेदारी किसान को खुद ही लेनी पडेगी और आगे आने वाले समय में उनका रख रखाव भी किसान को खुद ही करना होगा, इसका सीधा–सीधा नतीजा यह निकलेगा कि कुछ काम नही हो पाएगा। क्यों अब यह सारी जिम्मेदारी किसान के ऊपर डाल दी गई हैं कोई कमेटी नही बन पाएगी, न पैसा इकट्ठा हो पाएगा और न ही पैसा जमा करा पाने की भाक्ति किसी में हो पाएगी। इससे सरकार की मं ा साफ झलकती है कि किस प्रकार से खालों पर करोड़ो रूपये का जो खर्च आ रहा है उसको बचाया जाए। स्पीकर सर, मै आप के माध्यम से सरार से निवदेन करना चाहूंबा कि इससे किसानों में बड़ी भारी बेचैनी है इसलिए सरार इस फैसले पर पुनविचार करते हुए इस फैसले को वापिस लेने की कृपा करें। इस पर पुनविचार करके जो सहूलियत 1986–87 में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने किसान को दी थी उसको ही जारी रखा जाए। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै आपके द्वारा सरकार का ध्यान समाज कल्याण विभाग की तरफ भी दिलाना चाहूंगा। समाज कल्याण विभाग एक बहुत ही महत्वपूर्ण

विभाग हैं सरार ने तीन तरह से प्रावधान बजट में रखे है। वित्त मंत्री जी ने जो बजट स्पीच पढ़ी उसमें वर्श 1997–98 के दौरान हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लिए जो बजट का प्रावधान बजट में रखेहै। वित्त मंत्री जी ने जो बजट स्पीच पढ़ी उसमें वर्श 1997–98 में हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के उत्थान के लिए 27.29 करोड़ हरिजनों के उत्थान के लिए हरियाणा कल्याण निमग में 35.79 करोड़ रूपये की रा ि ा का प्रावधान रखा गया है ओर आई0 आर0 डी0 पी0 के तहत 7.70 करोड़ रूपये रखे गये है। नेहरू रोजगार योजना में 8.47 करोड़ रूपये की रा ि ा रखी गई हैं और इन्दिरा विकास याजना के तहत 8.11 करोड़ रूपये की रा ि ा का प्रावधान बजट में किया गया है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, कुल 1575 करोड़ रूपये का टोटल बजट अनुमान हैं हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 40 प्रति ात है लकिन उनके लिए टोटल बजट का 5.54 परसैट र ि ा का प्रावधान रखा गय ाहै जो कि उनक`साथ बहुत बड़ा अन्याया है। अध्यक्ष महोदय, हमारी मांग है तथा मे आपने दरख्वास्त करता हूं कि हमने जो कट मो ान दिये है। अध्यक्ष महोदय, हमारी मांग है तथा मै आपसे दरख्वास्त करता हूं कि हमने जो कट मो ान दिऐ है उन पर आ वोटिग करवाए। इन भाब्दों के साथ मै इस बतट का विरोध करता हूं तथ यह मांग करता हू कि इस पर डिवीजन होनी चाहिए और जो कट मो ान हमने दिया है उस पर वोटिंग होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इन्ही

भाब्दों के साथ अपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यचाद करते हुए मै आपना स्थाना ग्रहण करता हूं।

श्री देवराज दीवान (सोनीपत): अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। मै आपसे विनती करता हूं कि थोड़ा सा मेरा भी आप ध्यान रखने की मेहरबानी किया करें। आज करीब 5–6 दिन के बाद मुझे बोलने का मौका मिला है। मुझे आपने हल्के के बारे में सरकार का ध्यान दिलाना है कयोकि पहले मेरे हल्के के साथ जो अन्याया हाता रहा है, पिछली सरकार ने मेरे हल्के की उपेक्षा की है। मै सबसे ज्यादा वोटों से जीत कर आया हूं।

श्री अध्यक्ष: दीवान साहब, ऐसी कोई बात नही है आपका बराबर ख्याल रखते रहे है।जब भी आप कोई सवाल पूछने के एिल खड़ हुए आपको मौका दिया गया है।

श्री देवराज दीवान: अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। यह जो हविपा औश्र भजपा की गठबन्धर की सरार के वित्त मंत्री जी ने 12.03.97 को जो बजट पै ा किया है, उस बजट के बारे में हरियाणा राज्य की जनता ने रेड़ियो, अखबार और टी0वी0 के आमध्ये स सुना है और पढ़ा हैं जब यहां से दो दिन की छुट्टी हुई थी तब मै आपने हल्के में गया था और वहां पर मुझे पांच सौ के करीब आदमी मिले थे। उन्होने इस बजट के लिए हमारी सरकार को बधाई दी है। उन्होने कहा कि यह बजट कर मुक्त,

किसानों के हित ओर गरीबों के हित के लिए पे ा किया हैं उन्होन मुझे कहा कि चौधरी बंसी लाल जी इतना अच्छा बजट कहासे लाए। आपने बजट की चर्चा के दौरान हिस्सा क्यों नही लिया। उनका धन्यवाद क्यों नही किया। अध्यक्ष महोदय, इसीलिए मै यहां पतर तीन दिन से हाथ उठा रहा था। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मैने लोगों से पूछा कि आप लोग इस बर्ज से संतुश्ट तो है। उन्होने मुण् कहा कि इससे अच्छा बजट और क्याहोगा? इससे पहले आज तक ऐसा बजट नही आया हैं मेने कहा कि नही ऐसी बात नही है उनके दिल में यह बजट बहुत ही अच्दा हैं अपोजी ान में होने की वजह से वे इसकी प्र ांसा नही करसकते। इसलिए वे इसमें खामियों निकलाते है अध्यक्ष महोदय, इस तरह से इनकी आधी हां है ओर इनकी आधी हां को पूरी हां मान लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, 12 मार्च को जो बजट पे ा किया गया है मै उसका समर्थन करता हूं। भाराबबंदी या कानून व्यवस्था के बारे में जो जों बाते यहां पर कही गयी है मै उनके बारे में बताना चाहता हूं कि मेरे इल्के में बल्कि यह कहएि कि सोनीपत जिले में आज के दिन पूरी तरह से भाराबंदी है। वहां पर बिल्कुल भाराब नही बिकती। (विध्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः सर, सी0एम0 साहब ने तो कहा था कि 85 परसैट भारबबंदी हुई लकिन येतो पूरी ताह से भारबबंदी की बात कह रह`हैं

श्री बंसीलालः अध्यक्ष होदय, मै जो 85 परसैट भाराबबंदी की बात बताता हूं, ये मै पूरी स्टेट की एवरेज निकाल कर बताता हूं सोनीपत में तो पूरी तरह से भारबा बंद हैं

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, ऐक्सीडैट्स में, कत्ल के केसिज में, लड़ाई झगड़ों में यानी हर तहर सके केसिज में कमी आयी है। पिछली सरकार की कानून व्यवस्था के मुकाबले में आज जो कानून व्यवस्था का हाल है वह बहुत ही अच्दा हैं आज से दो साल पहले अगर आप देखते तो आप पते कि भाम को सात बेजे के बाद मां, बहन, कोई बुजुर्ग सड़क पर नही निकलता था। उस समय यह डर रहता था कि पता नही कब कहां से दो नौजवान आएंगे और मां–बहन को चुत्री खीचकर ले जाएंगे। (विध्न)

Mr. Speaker: I request all the Hon'ble Members not to interrupt.

श्री देवराज दीवानः माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षा में जो भाराबबंदी के बारे में कमेटी बनी है। वह बहुत ही सराहनीय कदम हैं इसके लिए मै मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं। इसके और अच्छे परिणाम बाद मतें सामने आएंगे। मै आपने सभी साथियों को कहना चाहता हूं कि अभ तो इस सरकार को बने हुए केवल आठ महीने ही हुए हैं अध्यक्ष महोदय, हमारी पंजाबी में एक कहावत है कि जब कोइ आदमी बिजनैस करता है, कोई काम करता है तो कहते है कि पहले साल चट्टी, दूसरे साल हट्टी

ओर तीसरे साल खट्टी (कमाई)। इसलिए आप कम से कम तीनवसाल देखने के बाद ही कहना कि यह सरकार कुछ कर रही है या नही। आपको थोड़ा सामय तो देखना चाहए। अगर तीन साल बाद सरकार कुछ करके न दिखाए ओर तब जानता खु ा न हो तक आप कह सकते है। अगर जनता यह कहे कि सरकार अच्छा काम कर रही है, 24 घंटे बिजली देती है तथा कानून व्यवस्था ठीक है तब आप कुछ नही कह सकते। सरकार अगर तब कुछ न करें तब हम आपके साथ होगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली का सवाल है। हाउस में मुख्यमंत्री जी न आ वासन दिया है कि किसी भी कर्मचारी की कोई छटनी नही की जाएगी। किसी तरह की सबसिडी की कटौती नही होगी। किसान का पूरी सबसिडी दी जाएगी। अध्यक्ष महोदय, आज बिजली की हरसैक्टर में जरूरत है। इंसान के लिए, बच्चों के पढ़ने के लिए, इंसान को आराम के लिए और पानी पीने के लिए अगर बिजली नही होतीा तो पानी भी नही आताह। खेती के लिए और उद्योग के लिए बिजली की जयरत है ंआज जनता चाहत है कि आप बिजली का निजीकरण करो। निजीकरण की कमियों जो विपक्ष के साथी सोचते है। कि इसलिए बिजली का निजीकरण किया जा रहो। लेकिन ऐसी बात नही है जिन दे ाों के पास पैसे की कमी नही है वे भी बिजली के निजीकरण में वि वास रखते है। वहां हर चीज, चाहे बिजली है, चाहे फलाई ओवर है, चाहे सड़के है, हर काम को निजीकरण के आधार पर किया जाता है। इसएिल वे दे ा तरक्की कर रहे हैं आज कोई भी सरकार हो, कोई भी मुख्य मंत्री हो

निजीकरण को पालिस का अपनाउगा वही राज्य तरक्की करेगा ओर जो नही अपनाएगा, वे तरक्की का कारण निजीकरण हैं उन्होने फलाई तरक्की हो रही है लकिन निजीकरण से किसी गरीबा आदमी को कोई फर्क नही पड़ता। हांगकांम मे ंएक भाहर से दूसरे भाहर तक समुद्र के नीचे से सड़क निकाली हुई है। (विध्न)

बैठक का समय बढ़ाना

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा रिवेदन हे कि हाउस का समय एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सैस हो तो हाउस का समय एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजेः जी हां।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय एक घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों परचर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री देवराज दीवानः उस सड़के से अअअगर कोई कार जाती है तो उससे 10 डालर टैक्स लिया जाता है। लेकिन वह टैकस किसी स्कूटर, साइकिल, रिक ा वाले या किसान से नही लिया जाता है। इसलिए मै कहता हूकि यह चीजे अपने यहां पनर

अनाई जाए तो हमारा राज्य हिन्दुस्ता मे ंपहले नंबर पर आकर बहुत तरक्की कर सकता है। यह मै निजीकरण के बारे में सलाह दे रहा हूं। मेरा अनुराध है कि बाकी साथी भी इस चीज को देखे। बे ाक आप बाहर देखकर आएं। वेसे दिल से सभी इस बारे में जानते है। राज्य की जनता भी यह चाहती है औ कहती है कि चाहे निजीकरण करों चाहे कही से बिजली लाओं वह 24 घटे हमें मिलनी चाहिए। सड़के अच्दी चाहिए। हाइवे अच्दे चाहिए। भाहर से गांव को जोडने के लिए सड़कों की अच्छी स्कीम लाई जाए। जहां तक सड़को की बात है। सड़को के लिए सरकार ने 108 करोड़ 90 लाख रूपये रखे है 50 करोड़ रूपये सोनीपत के लिए रखगे जाएं कम से कम 15 साल हो गये सोनीपत की सड़के टूटी हुई है। गांव की सड़कों में 3–3 फुट गहरे गड्डे हैं मै मुख्य मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा। सोनीपत के बाईपास के लिए जो रा ि ा पास की है उसको जल्दी से जल्दी से भिजवाया जाये ातक काम भ ु होसके। अध्यक्ष महोदय, योनीपत बाई पास के साथ वाली सड़कों और भाहर के अन्दर की सडत्रकों की रिपेयर का काम भी करवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, सिचाई के क्षेत्र में 1997–98 की परियोजना के अन्तर्ग तो कम है वे पूरे किय जा सके। हरियाणा राज्य फ्लड कंट्रासेल बोर्ड ने राजमार्गो पर रिंग बांध बनाने के लिए और पम्पों की व्यवस्था के लिएयोजना तक की हैं और इसयोजना के अन्तर्गत 1997–98 में 48 करोड़ 70 लाख रूपये रखे गये हैं मै चाहूंगा कि सोनीपत के इलाके में फ्लड के पानी से बहुत नुक्सान हुआ था। उस वक्त भी मैने मुख्य मंत्री जी को इस

बोर में बताया था और कई महीने तक वह पानी लिकानते रहे। लेकिन अभी दो मजहीन पहले जब मुख्य मंत्री जी ने बाढ का पानी निकालने की 30 दिसम्बर की तारीख रखी थी तब जाकर वह पानी निकल पाया था। जूंआ एक बहुत बड़ा गांव है उसकी दो पंचायते हे। इसी तरह से पिनना बहुत बड़ा गांव है। और उल्देपुर गांव है जब पिछली बार वर्शा हुई तो इन गांवों में बाढ का पानी बड़ी देर तक खडा़ रहा। पिनाना गांव को बचाने के लिए एक बांध बनया गया हैं अब पिनाना दहा सड़क और पिनाना बहला सड़के पर बांध बनान बहुत जरूरी है, नही तो ये गांव फिर डूब जायेगे। मै मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि इस गांवों की तरफ स्पे ा तौर पर ध्यान देते हुए इन गांवों के बांध बनाये जये क्योंकि बरसात के दिनो ंमें कई महीनो तक इन गावो के लोगों को पानी में रहना पड़ता हैं (विध्न) सरकार ने इस साल के दौरान 80 डिस्पैसरियो का दर्जा बढ़ाने का प्रावधान रखा हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि सोनीपत क्षेत्र मं जो प्राईवेट बसों को परमिट दिये जात `है उनकारूट निर्धारित कियाजाय क्योंकि पिछले दो साल से प्राईवेट बसे अपनी मर्जी से भित्र भित्र रूटों परचल रही हैं उपाध्यक्ष होदय, सोनीपत डिपों की बस बड़ौत से सोनीपत और सोनीपत से बागपत चल रही थी, जो की करीब डेढ़ महीने से बंढ हैं जिसके कारण बहुत से लोग परे ान हैं इसे बारे में मुझे समझ नही आात है कि बस सबंद करने के क्या कारण है कईबार इस बारे में वहां के जी0 एम0 से बात की गई लेकिन जवाब कुछ नही मिला। इसके

लिए मै चाहूंगा कि मुख्य मंत्री महोदय ध्यान दे क्योंकि यू0पी0 से हरियाणा आने वाले और हरियाणा से यू0पी0 जाने वलो लोग बहुत परे ान हैं इसलिए ये बसें जल्दी भुरू करवाई जाए। उपाध्यक्ष महोदय, जल सप्लाई के लिए चालू वित्त 1997–98 में गांवां मे पीने के पानी के लिए उपलब्ध साधनों को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त जल

अध्यक्ष महोदय मुख्य मंत्री महोदय से मै एक बात कहना चाहूंगा। मै कोई भी गलत बात नही कहूंगा। किसानों की भलाई के लिए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने जो फैसला 1986–87 में लिया वह बहुत महत्वपूर्ण फैसला था उस पर सरकार को दोबारा से सोचना चाहिए। अगर अब किसान को ही खालों और रिजरवायर्ज की मुरम्मत करवानी होगी, उनकी रिपेयर की जिम्मेदारी किसान को खुद ही लेनी पडेगी और आगे आने वाले समय में उनका रख रखाव भी किसान को खुद ही करना होगा, इसका सीधा–सीधा नतीजा यह निकलेगा कि कुछ काम नही हो पाएगा। क्यों अब यह सारी जिम्मेदारी किसान के ऊपर डाल दी गई हैं कोई कमेटी नही बन पाएगी, न पैसा इकट्ठा हो पाएगा और न ही पैसा जमा करा पाने की भाक्ति किसी में हो पाएगी। इससे सरकार की मं ा साफ झलकती है कि किस प्रकार से खालों पर करोड़ो रूपये का जो खर्च आ रहा है उसको बचाया जाए। स्पीकर सर, मै आप के माध्यम से सरार से निवदेन करना चाहूंबा कि इससे किसानों में बड़ी भारी बेचैनी है इसलिए सरार

इस फैसले पर पुनविचार करते हुए इस फैसले को वापिस लेने की कृपा करें। इस पर पुनविचार करके जो सहूलियत 1986–87 में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने किसान को दी थी उसको ही जारी रखा जाए। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै आपके द्वारा सरकार का ध्यान समाज कल्याण विभाग की तरफ भी दिलाना चाहूंगा। समाज कल्याण विभाग एक बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग हैं सरार ने तीन तरह से प्रावधान बजट में रखे है। वित्त मंत्री जी ने जो बजट स्पीच पढ़ी उसमें वर्श 1997–98 के दौरान हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लिए जो बजट का प्रावधान बजट में रखेहै। वित्त मंत्री जी ने जो बजट स्पीच पढ़ी उसमें वर्श 1997–98 में हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के उत्थान के लिए 27.29 करोड़ हरिजनों के उत्थान के लिए हरियाणा कल्याण निमग में 35. 79 करोड़ रूपये की रा ि ा का प्रावधान रखा गया है ओर आई0 आर0 डी0 पी0 के तहत 7.70 करोड़ रूपये रखे गये है। नेहरू रोजगार योजना में 8.47 करोड़ रूपये की रा ि ा रखी गई हैं और इन्दिरा विकास याजना के तहत 8.11 करोड़ रूपये की रा ि ा का प्रावधान बजट में किया गया है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, कुल 1575 करोड़ रूपये का टोटल बजट अनुमान हैं हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 40 प्रति ात है लकिन उनके लिए टोटल बजट का 5.54 परसैट र ि ा का प्रावधान रखा गया है जो कि उनके साथ बहुत बड़ा अन्याया है। अध्यक्ष महोदय, हमारी मांग है तथा मे आपने दरख्वास्त करता हूं कि हमने जो कट मो ान दिये है। अध्यक्ष महोदय, हमारी मांग है तथा मै

आपसे दरख्वास्त करता हूं कि हमने जो कट मो ान दिऐ है उन पर आ वोटिग करवाए। इन भाब्दों के साथ मै इस बतट का विरोध करता हूं तथ यह मांग करता हू कि इस पर डिवीजन होनी चाहिए और जो कट मो ान हमने दिया है उस पर वोटिंग होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दों के साथ अपने मुझे बोलने के लिए समय दिया जो आम भाहरी के लिए सरकार की तरफ से या म्यूनिसिपल कमेटी की तरफ से सुविधाए मुहैया कराई जाती है उसी तरह से उन कालोनीज को भी वे सुविधाए मुहैया करवाई जाए। उन कालोनीज की गतियेां और नालियों का पक्का करचाया जाए उनकी तरफ ध्यानदिया जाए।

श्री उपाध्यक्षः दीवान साहब, आप कनकल्यूड करें।

श्री देवराज दीवानः उपाध्यक्ष महोदय, आप मुझे एक मिनट का टाईम और दे दें मै आपी स्पीच समाप्त कर दूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, सोनीपत भाहर की सुविधा को सुधारने के लिए जो कार्य भाुरू किया है उसके लिए मै सरकार को हृदय से आभार प्रकट करता हूं। सोनीपत में सीवरेज का निर्माण कार्य पूरा करने के लिए जो अनुमानित रा ि ा खर्च की जानी है वह 82.92 लाख रूपये है जिसमें से अब तक विभाग को 22.67 लाख रूपये मिले है। उसकेबाद वहां पर सीवरेज का काम रूक गयाहै ंमै मुख्यम मंत्री जे से अनुरो ध करूंगाकि वे चालू वित्त वर्श में भो ा रि ा भिजवाए ताकि वहां पर सीवरेज का निर्माण कार्य पूरा हो सके। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक समाज कल्याण विभाग का संबधं है मै

राज्य सरकार का आभार प्रकट करना चाहूंगा चूंकि मुख्य मंत्री जी ने कहाहै कि विधवा, विकलांग तथा वृद्ध लागों को पै ान का प्रत्येक मास की 7 तारीख तक भुगतान कर दिया जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, पैशन बनाने की अवधि राज्य सरार ने 26 फरवरी 1997 तक रखी थी लकिन हल्कासोनीपत में बहुत से लोग पै ान बनवाने हेतु कमेटी के समक्ष पे ा नही हो सके। मै मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि उनके लए थोड़ा टाईम औरबढ़ाया जाए ताकि वे बुजुर्ग अपनी पै ान बनवा सकें। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि चौधरी बलबरी सिंज ने उन दिन बोलते हुए यह बात कहीथी कि विकलांगों को हरसाल कमेटी के सामने न बुलाया जाए। विकलोगों की जब एक बार पैं ान बनाई जाती है वह पक्की पैं ान बना दी जाए ताक उनको आने जाने में कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपका अध्यक्ष्ज्ञ होदय का मुख्य मंत्री महोदय का औरसारे सदन के सम्मनित सदस्यों का धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया और मेरी बातों को बडत्रे प्यार से सुना। इसके साथ ही मै एक बात यह भी कहनाचहूंगाकि मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों ने हमारी सरकार को गिरारन`क बात की और इस सरकार को तोड़ने की बात की। मै इनको बताना चाहूंगा कि जिस बिल्डिंग की नींव मजबूत हो जिस बिल्डिंग के खम्बे मजबूत हो क्या उस बिल्डिंग को कोई गिरा सकता हैं उपाध्यक्ष महोदय, दिल्ली में मेरी एक बिल्डिंग गिराई थी उस समय केन्द्र में वी0 पी0 सिंह और चौधरी देवी लाल जी की

सरकार ीी ओर उस सरकार मं बी0 जी0 पी0 भी भागीदार थी। उन्होने मेरी बिल्डिंग गिराई। उस बिल्डिंग को गिराने में उनका साल सवा लग गयाहै उसको गिरने के लिए 35 लाख रूपय की म ीनरी खरीदी गई। आज तक उस बिल्डिग के खम्बे खडत्रे है वह इतनी मजबूत बिल्डिंग थी। मै इनका बताना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार मैं चौधरी बंसी लाल व मनीराम गोदारा, राम बिलास भार्मा और भाई सुरेन्द्र सिंह जैसे खम्बे हों उस सरकार को कौन गिरा सकता हैं इन भाब्दों के साथ उपाध्यक्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। जय हिन्द।

श्री मनी राम (डबवाली अनुसूचित जाति): उपाध्क्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इन डिमांड पर बोलने के लिए समय दिया। चुनावों से पहे हरियाणा विकास पार्टी के नेता चौधरी बंसी लाल जब लोगों के पास जाते थे तोये अनके वायदे करके आये थे। ये कहा करत थे कि हम विकास के बहुत काम करेगे। ये ये विकास कार्य करेगे और लोगों को ये ये सहुलियते देगे। गंगा का पानी लाने के लिए भी यह कहते थे और कहा करते थे कि मै कन्याकुमार से बिजली लाकर दूंगा मै पूछना चाहता हहूं कि वह गंगा का पानी और क्नयाकुमार की बिजली कहां चली गई। यहां पर बिजली की हालता पर बोलते हुए बंसी लाल जी ने कहां कि इसकी चोरी हम नही हरोक सते क्योंकि जे0ई0 मीटर रीडर और जा `लाईनमैन है उनकी गड़बड़े को

रोकना मु ि ाकल हैं इसलिए हम बिजली द दी तो किसानों को बहुत महंगी मिलेगी। आज एक किसान को जब टयूबवैल लगाना होता हैं और उसके लिए बिजली का कुनैक ान लेना हो तो उस एक सिकान को 40 हजार रूपयाखर्च हो जाता है। जब से बिजली को प्राइवेट हाथे में दे देगे तो फिर मै जानना चाहता हूं कि क्या उस प्राइवेट क्षेत्र से किसानो ंको बिजली का प्राइवेट हाथों में दे देगें तो फिर मै जानना चाहता हूं कि क्या उस प्राइवेट क्षेत्र से किसानों को बिजली मिल पायेगी यह पोसिबल नही हो पायेगा। जब हमने कहा कि इसका निजीकरण न किया जाये औरचारों तरफ से भाोर मचा तो किहने लगे कि नही हम इसका निजीकरण नी कर रहे हबथ्लक इसका सुधारीकरण कर रहे है। जसवंत सिंह जी हमारे पी0 यू0 सी0 के मैम्बर थे। इनको जब बिजली का मंत्री बनया गया तो इन्होने कहा था, कि मै रहूंगा या बिजली रहेगी। मैने कहा था कि आप इस्तीफा देकर यही आयेगे ओर यही उनके साथ हुआ। ये उस बारे में अच्छी तरह जानते हे इनको बालने का अवसर ही नही दिया जा रहा। गलती जो एक बात हो जाती है उसकी भरपाई जल्दी से नही होती। हमारी सरकार तो सिर्फ 4 साल तक ही सत्ता में रह पाई थी। ज्यादातर समय तो कांग्रेस को और बंसी ला का मिला है इन्होने इस हरियाणा का भट्ठा बैठा दिया है ंजो यमुना का समझौता हुआ था वह भजन लाल ने गलत किया था। उस समझौते के अन्दर बी0जे0पी0 के भाई भी भाामिल थे। बहन कमला वर्मा बैठी है, इनकी पार्टी भाामिल थी। राजस्थान औरदिल्ली में इनकी पार्टी की सकारथी मै पूछना चाहता हूं कि

क्या ये उस समझौते में भाामिल थी या नही। इन्होने उस समझौते का विरोध नही किया। जब बंसी लाल जी अपोजी ान में बैठा करते थे तो ये भी इस समझाते का विरोध किया करते थे तो अब ये उस समझौते के बारे में कुछ कहना नही चाहते क्योंकि अब इनको बी0जी0पी0 के साथ समझौता हुआ हैं गणे ी ला जी भी यहां बपर बैठे हुए हैं ये काफी लिखे पढ़े व्यक्ति है।इनके पास फूड एंड सप्लाई का विभाग है। मै भी इस विभाग में रहा हूं। (विध्न) मरी कौन सी ए0सी0आर0 खरबा थी। (हंसी) मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि जो डिपों पर गेहूं मिलता है उसमें और जो मार्किट में मिलता है उसमें मार्जन के अन्दर बहुत ज्यादा अन्तर था। रा ान की दुकानों के माध्यम से रा ान की दुकानों से कार्डो पर दिये जाते हैं उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपने लायक वजीर जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या किसी अधिकारी से किसी डिपों पर जाकर यह इन्क्वायरी की है कि जो चीजे लोगों को रा ान कार्ड़ों पर दी जाती है वह उन्हें मिलती भी है या नही। अधिकारी तो अपने दफ्तरों में बैठे रहते है ओर डिपो होल्डर रा ान के वितरण में गड़बड़ घोटाले करते रहे है। गांवों के डिपों होल्डर तो महीने में एक या दो दिन ही रा ान की दुकान खोलते है। लोग जब रा ान की दुकानों पर जाते है तो वहां पर उनको रा ान नही मिलता हैं गांवों में रा ान की दुकाने खोलना बहुत जरूरी है। वजीर साहब इस बात की ओर ध्यान दे कि डी0एफ0एस0ओ0 इस बात को एन् ोयर करें कि उपभोक्ता को सही रा ान मिल रहा है या नही मिल रहा हैं

आप रा ान के वितरण का सटिफिकेट ले। 10 प्रति ात पैट्रोल में मिट्टी का तेल मिक्स करके बचेत है जिससे लोगों की गड़ियों के इन्जनों का भट्ठा बैठ जाता हैं सरकार को इस बारे मे ंभी पूरा ध्यान देना चाहिए कि पैट्रोल में पैट्रोल पम्प वाले मिट्टी के तेल की मिलावट न कर सके। (विध्न) जो रा ान डिपुओं पर जाता है वह उपभोक्ताओं को नही मिलता है बल्कि ब्लैक में बेच दिया जाता है। डी0एफ0एस0ओ0 से एक फार्म पर इस बात का सटिफिकेट लिया जाना चाहिए कि रा ान का वितरण सही हो गया है रा ान का सही वितरा हुआ है इस बारे में एक फयर इन्क्वायरी करवाने के लिए ऐसी एजैसी को भेजे जो कि सही प्रकार से चैकिंग करे। अगर सरार सही चैकिंग करेगी तो इसमें गड़बड़ घोटाला जरूर मिलेगा। ठीक चैंगि होने पर ही पता चलोगा कि कितना बड़ा गड़बड़ घोटाल इसमें हो रहा हैं डिपें होल्डर स्वयं सभी रा ान कार्ड उपभोक्ताओं से इकटठ् कर लोता है। रा ान कार्ड पर जो व्यक्ति गन्दरम नही लजे गया उसे कार्ड में गन्दम की एण्ट्री कर दी जाती है जो चावल नही ले कर गया उसक कार्ड में चावल की एण्ट्री कर दी जाती हैं फिर वह रा ान खुले बाजार में बेच दिया जात हैं डिपों होल्डर अपने डिपों भी टाईम पर नही खोलते हैं फिर वह रा ान खुले बाजायद में बेच दिया जाता हैं डिपें होल्डर अपने डिपां भी टाईम पर नही खोलते हैं डिपों होल्डर दुकानें निर्धारित समय पर खाले यह भी सुनि चत किया जाना जरूरी हैं उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने इलैक ान के वक्त लोगों के साथ इतने ज्यादा वादे

कर लिए कि उनको पूरा करना सम्भव नही हो पाएगा। एक न्होने भाब बन्दी का भी वायदा किया लेकिन वह वायदा भी अभी तक पूरा नही हुआ हैं उल्टे उसमसें स्टैट का रैवेन्यू का नुकसान ही हुआ है। जो बजट सरार ने रखा है वह बिलकुल निकम्पपा बजट है क्योंकि जो विकास योजनाए है उनको पूरा करने केलिए सरकार के पास पैसा होना चाहिए (विध्न) रेलू राम की रेल तो बिल पानी बिन तेल चल सकती है लेकिन बिना पैसा के यह सरकार कैसे चलेगी। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, मद्रास में एक स्नेक पार्क बना हुआ है वहां पर सांपों को को देखने पर टिकट लगा हुआ है इसको वहां भिजवा दें तो उससे टिकट से कुछ आमदनी सरकार हो सकती है। (हंसी) भाराब बन्दी के बारे में मुझे इतना ही कहना है कि भाराब तो स्टेट में पहले से भी ज्यादा बिक रही है लेकिन इसके नाम पर हमें यह समझ नही आया कि 85 प्रति ात लोगों पर टैक्स क्यों लगाया। कमला वर्मा जी यहां पर बैठी हुई है ये यह बातये कि इस वजह से इनको एक हजार करोड़ रूपये के टैक्स मिले या नही मिले। आज भट्टों के लिए लाईसैस नही मिलते है। आज भट्टों पर, होलसेलर, रिटेलर, बड़ा ट्रक, छोटा ट्रक ले लो, स्कूल वकी, प्राईवेट नर्सिग होम है सब पर टैक्स लगा है। आज महंगाई इतनी बढत्र गई है कि उसने हमारी जान ही निकाल दी हैं अगर बंसी लाल जी इसी हिसाब से चलते रहे तो हमारे यहां पर लड़कियों के रि ते होने बंद हो जायेगे। उपाध्यक्ष महोदय, पता नही यह कहावत है या चौपाई। यहां सूरज भान जी ने पढ़ी थी वह मै सुना देता हूं ** * * यह जो वे कहते है

कि आज हरियाणा में भाराब बंद हो गयई है यह बिल्कुल बंद नही हुई है। पिछले सै ान के वक्त भागी राम जी नके कहा था कि वह जो इन्होने भाराब बंद की गई है यह बिल्कुल बंद नही हुई हैं प्दिले सै ान के वक्त भागी राम जी ने कहा था कि यह जो इन्होने भाराब बंदी करी हैं इससे हरियाणा मं भाराब बेचने वाला माफिया पैदा होगा। तो मुख्य मंत्री बंसी लाल जी ने कहा थक अब मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला या भजन लाल नही है। अब मुख्य मंत्री बंसी लाल है।

श्री उपाध्यक्षः मनी राम जी अपनको ंसदन में ये बाहर किसी भीदेवी देवात के बारे में ऐसी बात नही करनी चाहिए। मनी राम जी ने जो देवी देवताओं के बारे में बात कही है उसे कार्सवाही से निकल दिया जाए। मनी राम जी आपको बोले हुए 13 मिनट हो गये है। आप जल्दी कन्कलूड करें।

श्री मनी रामः उपाध्यक्ष महोदय, मै बैठने ही जा रही था क्योंकि मेरे पास अब मसाला ही खत्म हो गया है। धन्यवाद (विध्न) इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिए खड़े हो गये।

श्री उपाध्यक्षः आप सबकों बोलने का समय दिया जाएगा। आप सब बैठ जाएं जिस मैम्बर को बोलने का समय नही दिया गया है उसको पहले बोलने का मौका दिया जाएगा। अब ओम प्रका ा जी बोलेगे।

श्री ओम प्रका ा जैन (पानीपत): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बालने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं वैसे तो मै बैक बैन्चर हूं ओर जब भी हमार प्र न लगता है वह भी हमें पूछने का मौका नही लगता है। (विध्न) मै अपने सजपा के भाईयों को बताना चाहूंगा (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, मनी राज ने बोलते हुए कहा कि भाराबबंदी नही हुई लेकिन मै इनको कहे बिना नही रका सकता कि इस सरकार की क्या उपलब्यिों हैं मै इस सरकार की कुछ उपलब्शियों के बारे में कहना चाहूंगा। मेर इन भाईयों ने कई बातें भाराबबंदी के बारें में कही है कि भाराबबंदी नही हुई। यह सरकार फलां काम नही कर रही हैं लेकिन मै इस सरकार में जब से हूं उसके बारे में मै इतना ही कहूंगा कि बसी लाल जी जो भ कहते है वही करत है। जब पिछली सरकार के मुख्य मंत्री पानीपत में गऐ थे तो उन्होने वहां जाकर लघु सचिवालय बनानके लिए एक झूठा पत्थर रखा थ। मैने आज इस बोर में एक क्वैक्ष्यचन भी लगाया था लकिन वह आज पूछा नही जा सका। मै इसके माध्यम से पूछना चाहता था कि क्या लघु सचिवालय बन गया हैं मंत्री जी ने उसके लिख्ति जवाब मं बताया है कि अभी तक वह जगह तो डिफैस के पास है। वह जगह अभी सरकार के पास नही आयी हैं यानी उनहोने उस समय झूठा ही पत्थर रख दिया था। जबकि बंसी लाल जी ऐसा नही करते। जहां तक भाराबबंदी की बात है ये कहते है कि भारबबंदी नही है लेकिन मै कहता हूं कि ये भाराब पीकर दिखाए जब इनका पता लगेगा कि भाराबबंदी है या नही। यह तो आप मानेगे ही कि

भाराबबंदी से पहले बहुत अत्याचार हाते थे, बहुत जूल्म होते थे और बहू बेटियों की इज्जत लुटती थी। मै गुजरात में तथा दूसरी जगहों पर भी गया था लेकिन सही मायनों में जिस तरह से हरियाणा में भाराबबंदी हुई है ओर जितना बंसीलाल जी ने भाराबबंदी पर कंट्रसेल किया है वह भायद ही किसी मुख्यमंत्री ने किया होगा। इसलिए मै अपने इन भाईयों से कहना चाहता हूं कि ये जो बिजली के निजीकरण का विरोध कर रहे है, वह ठीक नही है। मै एक व्यापारी भी हूं और एक जमीदार भी हूं। आप देखेगे कि बिजली हमारे पास नही होगी तो यहां कौन इंडस्ट्री लगायेगा? बिजली के सुधारीकरण या निजीकरण के लिए बंसी लाल जी ने पग उठाया है वह एक सराहनीय कदम है। यह पूरी स्टेट के लिए एक तरक्की का काम है। बंसी लाल जी ने पग उठाया है वह एक सराहनीय कदम है ये पूरी स्टेट के लिए एक तरककी काक काम है। बंसी लाल जी हरियाणा को आगे ले जाना चाहते है इसलिए उन्होने बिजली के निजीकरण के बोर में सोचा है। मै इसके लिए इनका आभार प्रकट करता हूं। बंसी लाल जी ने हरियाणा में इंडस्ट्रीज लाने के लिए, हरियाणा कोा फलने फूलने के लिए एक बहु4त ही जरूरी कदम उठाया हैं मेरे यहां पर जो पानीपत का भाूगर मिल थी वह पिछली सरकार के करानामें की वजह से बंद हो गयी थी। लेकिन बंसी लाल जी ने जब ये पहली बार पानीपत में गये तो एक घंटे इन्होने उसके बारें में ही बातें की कि किस तरह से यह मिल भाुरू हो। पहले वह मिल घाटे में चल रही थी,

लेकिन अगर आज आप देखे तो वह मुनाफे में चल रही हैं ये भाई तो उसको बंद करवानके लिए तैयार बैठे थे।

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है, सर। उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मुख्यमंत्री जी ने यह बात बतायी थी कि पिछली बार इस मिल में बहुत घाटा था लेकिन अब उसमें सुधार हुआ हैं जबकि ये कह रहे हथ्क अब वह मिल मुनाफे में चल रही हैं

श्री ओम प्रका ा जैनः अगर उसमें पहले बहुत भारी घाटा हो और अब वह घाटा कम हो गया हो तो उसको मुनाफे में ही कहा जा सकता है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः सर, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस मिल को बंद करने के मामले पर मेरे दल ने ओर देसरे विपक्षी दलों ने एक प्रिवलेज मो ान पहले ही दिया हुआ है क्योकि इस बारे में बातें तथ्यों के विपरीत थी। रिकार्ड के विपरीत थी। रिकार्ड के अंदर तो यह लिखा हुआ है कि इस मिल को बंद करने का फैसला किया गया है इसलिए मै इनसे कहूंगा कि ये सोच समझकर ही रिकार्ड के मुताबिक अपनी बात कहें।

श्री ओम प्रका ा जैनः उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पानीपत कांस्टीच्यूएंसी है, उसमें कुछ दिक्कते हैं पिछली सरकार ने इलैक ान के दौरान वहां पर पीने के पानी के टयूबवैल्ल चालू नही

किए। हमारे पानीपत में बहुत मजदूर रहते है। इंडस्ट्रीज भी बहुत है और जो आउटर में कालोनियों है वहां पीने के पानी की बहुत दिक्कत है। वहां पर जो दस नलकूप लगे हुए है वे एम0एल0ए0 की ग्रान्ट से लगे थे उनको पब्लिक हैल्थ वाले टेक–अप नही कर रह`है। मेरी रिक्वैस्ट है कि उनको पब्लिक हैल्थ को देकर चालू करवाया जाए। मेरी पानीपत भाहर में 40–45 कालोनियां ऐसी है जो भाहर के बाहर है, जो न भाहर में है, न म्यूनिसिपल कमेटी के एरिया में है, न देहात में है। मेरी प्रार्थना है कि उन कालोनीज ऐसी है जो भाहर क बारह है, जो न भाहर मं है, न म्यूनिसिपल कमेटी के एरिया में है, न देहात में है मरी प्रार्ीन है कि उन कालोनीज को म्यूनिसिपल कमेटी में लिया जाए ताक उनमें रहने वाले गरीब आदमियां को सरकारी तौर पर उनका हक मिल सकें आज तक उन कालोनियों में रहने वाले लोगों को रा ान कार्ड नही बनवाये गए थे। चौधरी बंसी लाल जी ने आते है उन सब के रा ान कार्ड बनवाये और उन्हें रा ान दिलवाया। मै ज्यादा न कहकर आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा (नारनौल): माननीय उपाध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। (विध्न) जो बजट सदन में पे ा कियागया है उसके बारे में बताना चाहता हूं। इस पर पक्ष ओर विपक्ष सभी ने चर्चा की है। लेकिन जब इसका पूरा अध्ययन किया गया, सर्वेक्षण

किया गया, उससे पता चलता है कि इस बजट को लाते समय हर पहलू को छुआ गया हैं बहुत अच्छे तरीके से जनता की समस्यओं को ध्यान में रखते हुए यह बजट पे ा किया गया है। मै अपने माननीय साथियों को बताना चाहूंगा कि जब मे चुनाव से पहले किसी भी गांव में या भाहर में जाता था तो जनता चर्चा किया करती थी कि भाराब ने सारे भारत वर्श का ना ा कर दिया हैं। इस भाराब पर कोई पाबंदी लगाने वाला नही अया, तो इसको बंद कर सकें। इसके लिए सरकार को 600 करोड़ रूपये का रेवेन्यू का नुकसान उठाना पड़ता यानी दो करोड़ रूपये रोज का रेवेन्यू का नुकसान उठाकर भी इस समस्या का समाधान निकालने के लिए हमारी सरकार ने तरंत कानून बनाया। माननीय सदस्य मानते है कि भाराबंबदी बहुत अच्दी बात है ओर इसको पूरी तरह से सफल किया जाए। इसके लिए सभी माननीय सदस्यों का फर्ज बनता है कि इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग दें। हमारे मुख्यमंत्री जी ने तो खुद कहा है कि जिस भाई को चहो वह सरकार के पक्ष का हो या विरोधी पक्ष का हो चाहे किसी भी पार्टी से संबंधित हो अगर भाराब की बिक्री करता हुआ या पीता हुआ कोई आदमी मिलता है तो तुरंत पुलिए को बुलाये या सूचना दे उसको पुलिस उपलब्ध हो जायेगी। इसके साथ ही पिछले दिनों कुछ बातें हमारे सामने आई कि किसी भाहर से सिी गांव में आखिरी बस से जाते है तो उसमें हमारी माताएं और बहनें नही जाती थी क्योंकि उसमें भाराबी बैठै होते थे। माताएं बहनें या तो वे 4–5 बजे वाली बस से किनल जाया करती थी या फिर उसी भाहर में रूक जाया करती

थी। हम यहां से जब नारनौल जाते थे तो रोहतक–पानीपत होते हुए नारनौल जाते थे तो रास्तें में बीसियों भाराबी बस में चढ़ जाया गरते थे। वे कभी सवारियों पर गिरते थे, कभी कंडक्टर पर गिरते थे या कभी ड्राईवर पर गिरते थे जिसके कारण कई बार बसों का एक्सिडैंट हो जाता था। मेरे माननीय साथी मान रहे है कि वह हालत अब नही है। आप किसी भी बस में जाये, किसी भी भाहर में जाये किसी भी बाजार में जाये वहां बिल्कुल भांति की व्यवस्था रहती है। कई भाई चोरी छिपे तो पीत हे। इस तरह से कही ने कही भाराब की चोरी होती है। भाराब बंदी से हमारे प्रांत को काफी फायदा हुआ हैं इसके साथ ही जो बिजली की बात आई है इसके बारे में मेरे सम्मानित साथियों को मै बताना चाहता हूं कि पिछले 15–20 सालों से किसी भी गांव में अगर बिजली की समस्या हो ओर वह उसकी ि ाकायत करता तो चार–पांच रोज तो ि ाकायत कर्त्ता घूमता रहता उसकी कही कोई सुनवाई नही होती। थे। माताएं बहनें या तो वे 4–5 बजे वाली बस से किनल जाया करती थी या फिर उसी भाहर में रूक जाया करती थी। हम यहां से जब नारनौल जाते थे तो रोहतक–पानीपत होते हुए नारनौल जाते थे तो रास्तें में बीसियों भाराबी बस में चढ़ जाया गरते थे। वे कभी सवारियों पर गिरते थे, कभी कंडक्टर पर गिरते थे या कभी ड्राईवर पर गिरते थे जिसके कारण कई बार बसों का एक्सिडैंट हो जाता था। मेरे माननीय साथी मान रहे है कि वह हालत अब नही है। आप किसी भी बस में जाये, किसी भी भाहर में जाये किसी भी बाजार में जाये वहां बिल्कुल भांति की व्यवस्था

रहती है। कई भाई चोरी छिपे तो पीत हे। इस तरह से कही ने कही भाराब की चोरी होती है। भाराब बंदी से हमारे प्रांत को काफी फायदा हुआ हैं उपाध्यक्ष महोदय, मै जन स्वास्यय मंत्री को बताना चाहता हूं कि नारनौल भाहर बहुत ही प्राचीन भाहर है और वहां पर सीवरेज का कार्य काफी दिनो ंसे अधूरा हैं इसलिए मै जन स्वास्थ्य मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस और ज्यादस से ज्यादा ध्यान दें। जो नहरेां का कार्यक्रम चल रह है, इसमें नारनौल से उस तरफ 60–65 गांव है, इनमें अभी तक पम्प हाउसिज के काम रूके पड़े है। उनमें अभी तक पानी की भारूआत नही हुई हैं उन पम्प हाउसिज को जल्दी से जल्दी चालू किया जाय। इसके साथ ही मैने पहले भी प्र न किया था कि देहात ओर कृश्णावती नदियां पर छोटे छोटे बांध बांधे जाएं जिससे आसपास के गावों में पानी का जलस्तर ऊपर आ सके। उससे हमारे किसानों को ीी काफी फज्ञयदा होगा क्योंकि महेन्द्रगढ़ जिले में खासतोर से नारनौल क्षेत्र में ज्यादातार सिंचाई टयूबवैलों से होती हैं वहां पर नहरें बहुत कम हैं इसलिए वहां पर जो नदी है, उन पर बांध बाधना बहुत ही जरूरी है, जिससे पानी का जलस्तर ऊपर आ सके। इसके अतिरिक्त मै प्रार्थना करना चाहूंगा, हमारे कृशि मंत्री जी बैठे है और मुख्यमंत्री जी से भी मै कहना चाहूंगा कि महेन्द्रगढत्र जिले में जो सबसिडी देने की व्यवस्था है, उसको चालू रखा जाएग। उस जिले में गरीब किसान है तथा ज्यादातर नौजवार फौज में है, उनको ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं दी जाएं। मै यह भी कहना चाहता हूं कि

महेन्द्रगढ़/नारनौल में जो पैं ान विभाग के अधिकारी है, उनको मैने 35 विधवओं की लिस्ट दी थी, अगर बहिन जी चाहे तोमै इनको भी वह लिस्ट दे दूंगा, लेकिन बडे दुःख के साथ कहना पड़ता है। इस पर का मैने उसकी पिटाई तो नही की। बाकी उसकी 2–3 घंटे खिंचाई जरूरी की ओर उससे हमने कहा कि आपको भार्म आनी चाहिए जो महेन्द्रगढ़ नारनौल की विधवा औरते है उनमे बारे में आप ऐी बात कह रहे है। उन विधओं के पति दे ा की सेवा करते हुए भाहीद हुए हैं भारतवर्श की फौज में सबसे ज्यादा प्रति ातता महेन्द्रगढ़ नारनौल और रिवाडत्री जिलों के नौजवानों की है जो दे ा की सेवा में काम करते है और उनकी औरतों की इज्जत सही सलामत है। जो व्यक्ति दे ा की रक्षा करते हुए युद्ध में भाहीद हो गये उनकी विधवा औरतों के बारे में आप यह कहते है कि महेन्द्रगढ़ नारनौल जिले में बहुत ज्यादा विधावाएं है आपको भार्म आनी चाहिए। उस अधिकारी के बारे में मै बहन जी को बताना चाहूंगा कि आप उसको बोलना सिखाएं और यह भी बताएं कि इस तरह की बात कहनी होती है या नही। मै एक बात हमरे मंत्री रामा जी को बताना चाहूंगा कि जहां सारे हरियाणा प्रदे ा के 50 प्रति ात खिलाड़ी एक तरफ हों और एक गांव के 50 प्रति ात खिलाड़ी एक तरफ हो तो उस गांव के खिलाड़ियों को पूरा–पूरा ध्यान रखना चाहिए। मै आपको एक जीता जगाता उदाहरण देना चाहूंगा कि गुडगांव के अन्दर खिलाड़ियों के लिए एक होस्टल बनाया हुआ है उसमें केवल दो हजार की आबादी के एक गांव के 50 प्रति ात खिलाड़ी है और

50 प्रति ात सारे हरियाणा से है। मै कहना चाहूंगा कि उस गावं के खिलाड़ियों को खेल जा ज्यादस से ज्यादा सामान दिया जाए। इसके साथ साथ मै इस बाजट के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि आज की सरकार ने सारे हरियाणा की जनता की समस्याओं और आव यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक बहुत ही भानदार बजट पे ा किया है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके लिए मै आपके जरिए मुख्यमत्री जी का धन्यवाद करता हूं। जय हिन्द।

श्री जयविन्द्र सिंह संघु (पेहवा): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे डिमांड पर बोलने का जो समय दिया है उसके लिए आपका धन्वाद। डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे पहे मै डिमांड नं0 13 के बारें में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। मै सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि 1953–54 में मेरी कांस्टीच्यूएंसी में कुद पुरान फौजियों का, रिटयर्ड फौजियों को कुछ जमीन पट्टे पर अलाट की गई थी इसबारे में चर्चा करने से पहले मै एक बात यह कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर जब जनरल इलैक ान हुए तो इस प्रदे ा में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बनी। हमने भी इलैक ान लड़ा था हमारा भी मैनिफैस्टों था। कांग्रेस पार्टी ने भी इलैक ान लड़ा उका भी मैनिफैस्टों था। लेकिन जब इस प्रदे ा में चौधरी बंसी लाल जी की की सरकार बनी तो, मै यह अपनी जाति राय व्यक्त कर रहा हूं। यह सरकार मेरी सैकिण्ड व्वायस थी क्योंकि हम सत्ता में नही आ सके। चौधरी बेसी लाल जी सता में आये तो मैने एक ही बात समझी कि

कम से कम पिछली सरकार से तो हमारा पीछा छूटा। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) स्पीकर साहब, उस पार्टी की सरकार के वक्त में 1982 के अन्दर जो एि ायन गेम्ज हुए थे उस सयम और 1984 के रायटस में हमारे साथ जो सलूक किया गया था उसको हम आज भी नही भूले है। हरियाणा प्रदे ा के किसान, मजदूर और हरिजनों यानी 36 बिरादरियों को जनता के साथ लगातार कई साल तक कुठारघात हुआ जिसके कारण प्रदे ा के गरीब लोग आर्थिक तौर पर पिछड़ा गये। हमने तो सोचा था और हमें उम्मीद थी कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में भाायद कोई सुधारीकरण आयेगा लेकिन आज 8–9 महीने बीत जाने के बाद भी जो बात हमें महसूस हुई है उससे हमें निरा ाा ही हाथ लगी है क्योंकि आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बिजली का बहुत बुरा हाल है। मेरे से पूर्व बोलने वाले माननीय सदस्यों नपे जो बातें कही है मै उनको दोहराना नही चाहूंगा। मुझे इस बात को यहां पर वि ोश रूप से चर्चा करती है कि पट्टेदारों को जो जमीन दी गई थी उनकी बात मै करना चाहता हूं। स्पीकर साहब, ऐसे कुछ दिनो ंपहले पंजाब सरकार ने निर्णय लिया है। वहां पर पट्टेदार जिनके पास 77 हजार एकड भूमि थी, उनको सिर्फ 5–6 हाजर रूपये प्रति एकड के हिसाब से मालिकाना हक दे दिया है। स्पीकर साहब, मेरी कांस्टीच्यूएसी के पट्टेदार है और कुछ गुहला कान्स्टीच्यूंसी में पट्टेदार हैं इस सरकार ने बनने के बाद ऐसे पट्टेदार ों को बेदखल कर दिया हैं इन्होने एक डिसीन लिया कि सुप्रीम कोर्ट ने कोई निर्णय लिया हैं स्पीकर साहब, सुप्रीम कोर्ट ने

यह जरूर कहा है कि इनको 20 साल के पट्टे पर यह जमीन दी गई थी। अब इनका पूरा कब्जा नही बनता। स्पीकर साहब, 1953–54 के अन्दर गुहला और पेहवा का इलाका बिल्कुल बियाबान जंगल था। 5–7 साल उन लोगो ंको जंगल को तोड़ने में लगे और फिर 2–4 साल उसका लैवल करने में लगे। तब कही जाकर कोई आमदनी का साधन भुरू हुआ।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हाउस का समय एक घंटे के लिए और बढ़ा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो समय एक घंटे के लिए और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय एक घंआ और बढ़ाया जाता है।

श्री जसविन्द्र सिंह संघुः स्पीकर साहब, मरी बात सुने। (विध्न)

वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, कैसी अजीबों गरीब बात है। जब सदन का समय बढ़ रहा है तो वे विरोध कर रहे हैं। (विध्न) मै आपसे निवेदन करता हू कि आप सभी माननीय सदस्यो को बुलाएं ताकि वे अपनी सारी बातें कह लें। परन्तु इनसे एक प्रार्थना करता हूं कि जब हज जवाब दें तब ये सब लोग यहां बैठे रहें। (विध्न)

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः स्पीकर साहब, मै आपसे कह रहा था कि उस बहादुर पैं ानरी फौजियों ने 8–10 साल उस जमीन को आबाद करने में लगाए और 3–4 साल उसका लैवल करने में लगाये तो क्या उब उनको बेदलखज किया जाना ठीक है? उनकों 10 वर्श खेती करते हुए हो चुके हैं 1973 में इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल थे। हमरे भाई बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि हमें तो पहले वाले चौधरी बंसी लाल चाहिए। उस वक्त भी मैने कहा था कि हमें पहले वाले बंसी लाल नही चाहिए। भायद आज वाले उनसे ठीक हो क्योंकि हम 73 वाले बंसी लाल के स्वयं भुगतभोगी है। स्पीकर साहब, उस समय के बंसी लाल के समय में उन पट्टेदारों के हाड तोडे गये थे। इनको प्रदे ा की जानताने फिर 20 साल याद किया है। उस इलाके के सरदार मो इनको हर सदियों में याद करते है जब उनके हाड़ दुखते है, सर्दी के मौसम में। मेरा कहना यह है कि जिस प्रकार से पंजाब के मुख्य मंत्री सरदार प्रका ा सिंह बादन ने वह 77 हजार एकड़ भूमि उन पट्टेदारों को दे दी है, उनको मालिकाना

हक दे दिया है। उसी तहर से हमारे यहां पर भी उनको हम दे दिया जाना चाहिए। मेरा कहना है ओर सरकार वे निवेदन है कि गुहला और पेहवा के पट्टेदारों को वह हक मिलना चाहिए। यह मेरी बंसी लाल जी से पुरजोर अपील है क्योंकि इन सब पट्टेदारों ने दे ा को आजाद कराने में महत्सपूर्ण सहयोग किदया था और वे सुभाश चन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज के फौजी थे। उन्होने एक लम्बी लड़ाई लड़ी हुई हैं उस समय उनको 10–10 एकड़ भूमि अलाट की गई थी। आज वाह4–4 परिवार उनके हो गये हैं उनके पोतों की भाादी हो गयई है आज उनके पास डेढ–डेढ किले ओर दो–दो किले से ज्यादा किसी के पास जमीन नही हैं इसलिए मै विधान सभा में परुजोर यह अपील करता हूं कि इस फैसले पर सरकार स्पश्ट निर्दे ा देने की कृपा करे। जिनको इस जमीन का पट्टा 20 साल पहले दिया गया था उन लोगों को वहा पट्टा सरकार को दोबारा देना चाहिए। इसमें कोई दिक्कत नही है दोबारा पट्टा दिया जा सकता है। स्पीकर सर, इस मांग को लेकर पेहवा से एक डैपुटे ान वित्त मंत्री महोदस को मिला था और उनको यह बताया था कि हमारे साथ ज्यादती हुई हैं हमारी दुकानों के नक ो 30–35 साल पुराने बने हुए है और हमरे पास इस बात का सबूत भी है। कुछ केंसों में मुकद्दमें भी चल रहे हैं उन दुकानों को तोड़ने के लिए एस0डी0ओ0 (सिविल) बार बार जा जाता है। मै इस बात को फिर से दोहराना चाहता हूं कि वहां पर लोगों को न्याया मिलना चाहिए। यहां पर उनहोने आ वासन भी दिया था और भाायद अधिकारियों को कुछ निर्दे ा भी दिये थे

लेकिन 10 दिन बादि ही फिर से मकान तुड़वाने का काम भुरू कर दिया गया। जब काफी लोगों ने विरोध प्रकट किया तब जा कर वह रूक सका। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै डिमांड नं0 15 जो कि सिंचाई के बारे में है, पर अपने कुछ सुझाव सरकार को देना चाहूंगा। मै माननीय मुख्य मंत्री जी ये यह निवेदर करना चाहूंगा कि एम0आई0टी0सी0 के नरवाना ब्राच के साथ–साथ डीप टयूबवैल्ज लगे हुएहैं उन टयूबवैल्ज की जवह से उस हल्के का वाटर लेबल 70–80 फुट नीचे तक चला गया हैं वाटर टेबल बहुत नीचे चले जाने के कारया वहां के सिकानों को बहुत भारी दक्कित का सामना करना पड़ रा है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि उन डीप टयूबवैल्ज लगाये गये थे उस वक्त उनकी जरूरत थी लजकिन आज उनकी जरूरत नही हैं हमार ऐरिया पैडी ऐरयिा है जिला कुरूक्षेत्र और करनाल में पैड़ी बोने की आव यकता है। इसलिए वह बीज इन दिनों में मिल जाना चाहिए। इसके साथ ही मेरी यहभी गुजारि ा है कि माघों को साईज बढ़ाया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इस के साथ ही मै कृशि के बारे में डिमांड नं0 17 पर बोलना चाहता हूं सबमर्सिबल पम्प लगाने में किसान का डेढ से दो लाख रूपये तक खर्च हो जाता है। उसके लिए न तो कोई लोन दिया जाता है और न ही उसका इन् योरेंस ही हो सकती हैं इसलिए मेरी प्रार्थना है कि सबमर्सिबल पम्प की इन् योरेंस भी जरूरी होनी चाहिए ताकि अगर किसी किसान को सबमर्सिबल पम्प फेल हो जये तो उसको वह पैसा रि–इम्बर्स हो सके, किसान को उसका कम्पनसे ान मिलना चाहिएं इसके साथ ही किसान की

फसल का भ बीमा होना चाहिए। स्पीकर साहब, इसी के साथ मै कृशि मंत्री जी से कहना चाहूंकि कि इस वर्श किसाना ने गन्ना बहुत ज्यादा बायो हुआ है और अभी भी खेतों में काभु गन्ना खड़ा हुआ है तब तक भाूगर मिल बंद नही होने चाहिए। किसानों का खेतों से गन्ना उठने तक मिले चलती रहनी चाहिए। मिलें बंद हो जाने से गन्ने की रिकवरी कम हो जाती है। इसके साथ ही किसान गन्ने खेतों में खड़ा हुआ हैं (विध्न) (घंटी) इसलिए सरकार यह प्रावधान करें कि जब तक किसान का गन्ना खेतों में खड़ा है। तब तक भाूगर मिल बंद नही होनी चाहिए। किसानों को खेतों से गन्ना उठने तक मिले चलती रहनी चाहिंए मिले बंद हो जाने से गन्ने की रिकवरी कम हो जाती है। इसके साथ ही किसान को गन्ने का मूल्य जो सरकार ने तय किया है वही मिलना चाहिए। उसको आज 62 रूपये प्रति क्विंटल का भाव दिया जा रहा हैं जो कि ठीक नही हैं सरकार ने गन्ने का जो भाव तय किया हुआ है, वही भाव 76–78 या 80 रूपये का जो भाव है वही उसे मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ मै चाहता हू कि इन डिमांड पर वोटिग करवाई जाए। इसके साथ ही मै यह भी कहना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बीस साल के काफी लम्बे अर्से के बाद आई है इस बारे में मै आपको एक भोयर सुनाता हूं।–

मस्जिद तो बना दी पल भर में,

इमां की हरारत वालों ने।

यह मन ही पुराना पापी था,

वर्शों में नमाजी बन न सका।

इसी के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे डिमांड पर बोलने का समय दिया।

श्री दिलू राम (गुहला, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। मै कृशि के बारे में आपके द्वारा सरकार से कहना चाहूंगा कि यहां पर जितने भी नुमायंदे चुनकर आये हैं उनमें से आधे से ज्यादा कृशि क्षेत्र से है और वे कृशि पर निर्भर करते है। वे अपने आपको जमीदार कहते है स्पीकर साहब, जितने भी कृशि से सम्बन्धित यंत्र है उनको कर से मुक्त करना चाहिए। सरकार ने ट्रैक्अर के टायर के ऊपर टैक्स माफ किया है उसके लिए मै इनका धन्यवाद करता हूं। जहां तक इस सरकार ने धूप बत्ती पर टैक्स माफ किया है उसी तरह से सरकार को ट्रैक्टर पर भी टैक्स माफ कर देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै किसान हूं। एम0एल0ए0 बनने से पहले हमने 10–15 साल अपने इन्ही हाथों से हल चलाया है। किसान ने जब खेतों में पानी देना होता है तो चाहे सर्दी हो या गर्मी हो उसे दिन रात खेतों में रहना पड़ता है ंपानी देते वक्त उसके पैर के नीचे सांप आ जाता है, कभी कुछ आता है। अगर चलते–चलते गिर जाए ओरनीये कस्सी आ जाए तो वही पर मर जाता है। आज यह सरकार किसानों को बारे में दुहाई देती है।

मेरे से पहले दलाल साहब ने कहा था हम डीजल पम्प पर सबसिड़ी बढ़ाने के बारे में सोच रहे है। मै यह कहना चाहता हूं कि वे 10 हार्सपावर के डीजल इंजर परन सबसिडी देने की बात कर रहे है। आप यह सबसीडी जनरेटर सैट पर क्यो नही दे रहे है?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, दिलू राम जी ने यह बातदोबारा से उठाई है। मै इनको बताना चाहूंगा कि पिछली सरकार के वक्त में डीजल पम्प सैट के ऊपर और जैनरेअर सैट पर 25 प्रति ात सबसिडी दी जाती थी हम उसको 33 प्रति ात करने का विचार कर रहे है। जहां तक ट्रैक्अरों की बात है तो हमारी सरकार इस वर्श से किसानों को 30 हजार रूपये ट्रैक्अर खरीदने के लिए सबसिडी देने की सोच रही है। (विध्न)

श्री दिलू रामः अध्यक्ष महोदय, जो ये कहते है 30 हजार रूपये हमने ट्रैक्अर की सबसिड़ी के लिए रखे है तो मै इनसे यह पूछना चाहता हूं कि ये इस पैसे को कहां पर देगे क्योंकि इस बारे में इन्होने बजट में कोई प्रावधान नही किया हैं लेकिन ट्रैक्टर्ज पर सबसिडी दने के बारे में बजट में तो कुछ नही है। (विध्न) कितने हार्स पावर पर इन्होने छूअ दी है यह तो ये ही जानें (विध्न) सर, मै वही बात कहूंगा जो सबके हित में होगी। आज मेरे हल्के मे पानी 70–75 फुट तक नीचे चला गया हैं पहले यह पानी दस या पन्द्रह फुट तक होता था इसके अलावा वहां पर कुओं से गैस होने लग रही है। इस सरकार के आने से पहले वहां काफी लोगों की

मौते गैस की वजह से हो गयी हैं पहले वहां पर टयूबवैल के लिए सात हार्स पावर की मोटर ही लगाया करते थे लेकिन अब पानी का लेवन नीचे चाले जाने के कारण दस हार्स पावर से कम पावर की मोटर काम नही करती है। अगर कोई किसान अपने यहां पर सबर्सिबल टयूबवैल लगाए तो क्या सरकार उसको उस टयूबवैल पर जैनरेटर सैट लगाने के लिए कम से कम 50 परसैट सबसिडी देगी? अध्यक्ष महोदय, जैसे सरकार एक उद्योगपति की छोटी सी इंडस्ट्री लगाने के लिए सबसिडी देती है वैसे ही सरकार को किसान को भी जैनरेटर सैट पर सबसिडी देनी चाहिए। किसान के लिए तो उसकी वही इंडस्ट्री हैं मेरा सरकार को सुझाव है कि इस पर वह पूरी तरह से गौर करे। अगर जमींदार को ऊपर उठाना है तो जब तक यह सबसिडी उसको नही दी जाएगी तब तक वह ऊपर उठने वाला नही है।

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह): अध्यक्ष महोदय, अभी एक फरवरी को सरकार गंगा कल्याण योजना नाम की एक स्कीम लागू की हैं इसके तहत 75 परसैंट सबसिडी हरिजन और बैकवर्ड क्लास के लोगों को टयूबवैल पर तथा 50 परसैंट सबसिड़ी स्माल फार्मर्ज के लिए टयूबवैल पर दी जाएगी। अगर चार पांच फार्मर्ज मिलकर कोई सोसायटी बनाकर टयूबवैल लगाना चाहे तो उनकोचालीस हजार रूपये की सबसिड़ी मिलती है ओर अगर कोई सिंग फार्मर टयूबवैल लगाना चाहता है तो उसको मैक्सीमम 12.5 हजार रूपये की सबसिड़ी मिलती हैं

श्री दिलू राम: मै छोटे किसानों की नही बल्कि सभी किसानों की बात कर रहा हूं। लेकिन चलों आपकी मेहरबानी कि आप छोटे किसानों पर ज्यादा ध्यान दे रह `है। मै भी छोटा किसान ही हूं। स्पीकर साहब, मै एक बात ओर अपने हल्के गुहला के बारे में कहना चाहता हूं। उस हल्के का अभी तक यह दुर्भारू ही रहा है कि 1972 से लेकर आज तक वहां से कोई एम0एल0ए0 रूलिंग पार्टी का नही बना है।

श्री अध्यक्ष: आप 1977 के बारे में बताए।

श्री दिलू राम: 1977 में जो एम0एल0 बना था अगर मै आपको उसके बारे में बताऊंगा तो मेरे भाई चिढ़ जाएंगे। वह एम0एल0ए0 जनता पार्टी का था लेकन जिस तरह से जनता पार्टी चली गयी उसका आपको पता ही है मै इस बारेमें ज्यादा नही कहूंगा (विध्न) जेसा कोई बोएगा वह वैसा ही काटेगा। सर, मै अपने हल्के के बारे में कहना चाहूंगा कि वहां पर आजसड़कों की बहतत ही बुरी द ा है। उस दुर्द ा का मेन कारण यह है कि वहां पर 1993 में ओर 1995 में बाढत्र आयी। लेकिन तक से लेकर आत तक किसी न उस हल्के की तरफ ध्यान नही दिया। हर साल बाढ़ आती है जिस वजह सेसड़कों की हालत और खराब होती जाती हैं अध्यक्ष महोदय, आप तो खुद जानते है क्योंकि आप भी देहाता के ही रहने वाले हैं आज वहां पर यह हालत है कि लोग पक्की सड़कों पर चलना ही नही पसन्द करते क्योंकि उनकी पक्की नाम की का केई चीज नही रह गयी हैं बाढ़ ने सब सड़के खत्म

कर दी। आज लोग पक्की सड़कों के बजाए कच्ची सड़कां पर ही चलना चाहते है। इसी तरह से मेरे यहां पर नहरों की भी बहुत बुरी दुर्द ा हैं जब बंसी लाल जी मुख्य मंत्री बने थे तो मै स्वयं इनसे मिला था और इनसे कहा कि आपके बारे में लोगों की यह सोच है कि चौधरी बंसी लाल की करनी ओर कथनी में कोई फर्क नही हैं क्या आप वही है तो ये कहने लगे मै वही हूं। मैने कहा 5–6 साल से मेरे हल्के में टेल पर पानी नही पहुंच रहाहै तो ये कहने लगे कि आप लिखकर दे दो। मैने सभी गांवों के नाम लिखकर इनको दे दिए जहां टेल पर पानी नही पहुंचता है, लेकिन आज तक सिी टेल पर पानी नही पहुंचा। यह सबूत है मै इस बारे में बिल्कुल झूठ नही बोलूंगा। जब वह नहरे कच्ची थी तब कुछ पानी फिर भी पहुंचता था लेकिन पक्की होने के बाद बिल्कुल पानी नही पहुंचता हैं मै वहां के जे0ई0 और ए0 डी0 ओ0 से पूछता था कि पानी क्यों नही पहुंचता है? वे कहने लगे कि इसका टेल का जो लेवल बनाया गया है वह आगे से ऊंचा कर दिया गया है लेवल ऊंचा होने की वजह से पानी का बहाव कम हो गया है। और टेल पर नही पहुंचता है। मेरी पैडी एरिया है वहां पर जीरी लगती है सरदार जसविन्द्र सिंह जी और मेरे हल्के की एक बात 40–50 साल पहले जब भारत/पाकिस्तान का विभाजन हुआ था तब वहां से जो लोग आए थे वे लोग उस समय से वहां बैठे हुए हैं वह लैड पंचायत की हैं उन लोगों के दिलों में यह डर बैठा हुअउ है कि सन् 1970 में जब चौधरी बंसी लाल मुख्य मंत्री थे, तो उस समय इन्होने कई गांव खाली करवाए थे तो वे लोग यही

सोचते है कि हमारे साथ कही वही बात तो नही हो जाएगी। स्पीकर सर, अगर ऐसा हुआ तो यह अनर्थ हो जाएगा। वे लोग कहां जाएंगे। मै आपके माध्यम से सरकार से विनती करूंगा कि उस जमीन कीमत तय करें ओर उनको कि तों पर दे दे ताकि वे लोग उस जमीन को ले सकें और वहां बससकें अध्यक्ष महोदय, बिजली के बारे में मै बिल्कुल टेल पर हूं। मेरे हल्के के साथ पंजाब का 70 किलोमीटर का एरिया लगता है साथ लगते पंजाब में तो 24 घंटे बिजली आती है लेकिन हमारे यहां कुछ घंटे ही आती है मेरे कहने का मतलब यह है कि एक दुकान पर तो फ्री सामान मिलना चाहिए। अगर सरकार जमीदारों की रक्षक है तो वह जमीदारों को बिजली पानी फ्री दे। जैसे उस दिन लाला जी ने बजट में कहा कि पहले सेल्ज टैक्स 4 परसैंट था अब हमने एक परसैंट कर दिया ओर उससे इंकम बढ़ गई हैं जेसे चार से एक परसैंट करने पर इंकम बढ़ जाती है। तो चार परसैंट क्यो लगाया जाए जमीदार की खाल क्यों उतारते हो। इसके अलावा आज बिजली की बहुत जरूरत है और उसका आप निजीकरण करने जा रहे है। मै एक बात यह कहूंगा कि उससे जमीदार को कोई फायदा नही है। आप निजीकरण करने जा रहे हैं मै एक बात यह कहूंगा कि उससे जमीदार को कोई फायदा नही हैं आप निजीकरण करें या न करें मै तो यह या चाहूंगा कि बिजली आनी चाहिए। मेरा हल्का पहले से ही बहुत पिछड़ा हुआ है। रोपड़ से लेकर अम्बाला तक का बाढ़ का पानी मेरे हल्के से गुजराता है वह तो भला हो घग्घर नदी का जिसकी कपैसिटी 27 फुट पानी लेने

की है। उसकसा 27 फुट तक पानी बाहर नही निकलता। घग्घर नदी, टांगरी नदी और मारकण्डा नदी, तीनों नदियों का पानी जब इकट्ठा हो जाता है तो इसकी कपैसिटी 27 फुट की हो जती है जब 27 फीट से ज्यादा पानी हो जताा हैं तो बाहर निकलना भ्ारू हो जात हैं पिछले साल 8–9 गांवों में बाढ़ आया उस बाद से जो नुकसान हुआ उसका लोगों को अभी तक कोई मुआवजा नही मिला हैं पटवारी वहां गयाथा और उसने गिरदावरी भी की थी लेकिन कोई मुआवजा नही मिला है आगे मिल जाए तो पता नही। इसक बाद मै एजूके ान के बारे में कहना चाहता हू कि मेरे हल्के के साथ एजूके ान के मामले में बड़ा भेदभाव हुआ हैं हमें नही पता कि नए स्कूल खोलने का और स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए क्या क्राईटेरिया होना चाहिए। स्पीकर सर, आपके इलाके में ढाणियां बोलते है और यहां उनको डेरे बोले है। 6–7 डेरों के लिए एक स्कूल होता है और ऐसे 200 डेरे है। बजट में उन डेरों के स्कूलों के बारे में कोई जिक्र नही किया गया है उन डेरों के कई स्कूल अभी तक ऐसे है जहां मास्टर नही है, विद्यार्थी बेकार बैठै है। स्कूल की बिल्डिंग बेकार होती जा रही हैं मै आपके माध्यम से इस सरकार से प्रार्थना करूंगा कि कम से कम प्लस–टू के स्कूल ि ावाल और भगल में जरूर खोले जये क्योंकि मैट्रिक करने के बाद लड़कियों को पढ़ाना मु ि कल हो जाता है। वे कहां पढ़ने जाए। वहां पर हाई स्कूल भी 3–4 से ज्यादा कर दे तों अच्छा है। आपकी बड़ी मेहरबानी जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। धन्यवाद।

श्री जगदी ा नैयर (हसनगढ़, अनुसूचित जाति): धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। (विध्न)

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि 1986 से लेकर 1997 तक का 11 साल कारिकार्ड उठाकर देख कर मैने आपको बता दिया था कि उस दौरान सदस्यों को बोलने के लिए कितना समय दिया जाता था और अब कितनासमय दिया गया है। इस सै ान में आपको काफी समय दिया है फिर भी मै आपको बोलने के लिए टाईम दूंगा। विपक्ष के 22 एम0एल0एज0 है जिनमें से 21 को समय मिल चुका है। (विध्न) या तो गवर्नर एड्रैस पर या बजट पर आपकों समय मिल चुका है। (विध्न) भागीराम जी बैठिये मै आपसे निवेदन कर रहा था कि असैम्बली का पिछले 11 साल का रिकार्ड आपके सामने है। आप मेंसे काफी सदस्य पक्ष ओर विपक्ष मे रह चुके हैं सदस्य चाहे इस पक्ष का हो या विपक्ष का हो आखिर उसमें पे ांस होनी चाहिए। पे ांस के हिसाब से टाईम देगे। विरोध की कोई गुंजाइ ा नही होगी। (विध्न) अगर किसी मैम्बर को गवर्रर एड्रैस या बजट पर बोलने का मौका नही मिला है। I assure he will get time to speak.

श्री भागीराम: स्पीकर साहब, मुझे भी टाईम दें।

श्री अध्यक्षः भागीराम जी आपको समय मिल चुका है। इनकों नही मिलाहैं मैने बताया है कि विपक्ष के एक सदस्य को समय नही मिला है। (विघ्न) अब जगदी ा नैयर जी को बोलने दें।

श्री जगदी ा नैयरः अध्यक्ष महोदय, मै डिमांडज पर बोलना चाहता हूं। हमारे मुख्य मंत्री और वित्त मंत्री महोदय ने सामाजिक विकास के लिए, राज्य के विकास के लिए जो बजट पे ा किया है वह बहुत ही अच्छा है मै अपने हल्के की तरफ से वे अपने जिले की तरफ से इसका स्वागत करता हूं। यह बजट इतना अच्छा है कि पहले कभी ऐसा बजट नही देख गया हैं मै बिल्कुल भी झूठ नही कहूंगा क्योंकि पहली बार मै एम0एल0ए0 बन कर याहं पर आया हूं। यह बजट चाहे कोई भी क्लास है या कोई भी जाति है, सभी के कल्याण के लिए हैं मै इस बजट का समर्थन करते हुए वित्त मंत्री महोदय, मुख्य मंत्री महोदय, तथा इस समस्त सदन का स्वागत करता हूं। मुख्य मंत्री महोदय ने भापथ लेते ही भाराबबंदी का जो वायदा किया था वह पूरा कर दिया है आप यह बताएइए कि जो वायदे पिछली सरकारों ने किए थे उन्होने उनको पूरा किया है? चौधरी भजन लाल जी ने तथा चौटाला साहब ने जिने वायदे मुख्यम मंत्री बनने से पहले किए है? चौधरी भजन लाल जी ने तथा चौटाला साहब ने जितने वायदे मुख्य मंत्री बनने से पहले किए थे वे कभी भी पूरे नही किए। दूसरी तरफ हमारे मुख्य मंत्री ने भाराबबंदी का वायदा किया था, उसका उन्होने मुख्य मंत्री बनते ही एकदम लागू कर दिया। यह विपक्ष के भाई कहते है

कि भाराब बंद नही हुई हैं यह इनके मुताबिक बंद नही होगी, लकिनहमो मुताबिक तो बंद है। हरियाणा के सभी एस0पीज0 व डी0सीज0 की रिपोर्ट है कि भाराबबंदी का कार्य किया गया है यह बहुत ही अच्छा है मेरा अहोभाग्य है कि मै एक ऐसे मुख्य मंत्री के हाथो पड़ा हूं जो कि सिद्धातवादी तथा आद र्शवादी हैं मै इनका कभी भी अहसान नही भूलूंगा और न ही कि के बहकावे में आऊंगा। मै एक बात और बताना चाहता हूं कि प्रदे श में जो भाराब के ठेकेदारों ने आंतक फैला रखा है, और भाराब के माफिया जो है, उनको विपक्ष के नेताओं ने पैदा किया हुआ हैं अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदे श हमारा साथ दे रहा है। इसके स्पश्ट उदाहरण भी है। चौधरी भजन लाल जी के आदमी की फैक्टरी जो कि अभी कल्याण के लिए होती है, विना श के लिए नही होती हैं पिछली सरकार ने मनुश्यों का कल्याण नही किया बल्कि उसके उल्ट कार्य किया। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार को बने 98 महीने हो गए है लेकिन आज तक कोई ऐसी बात सुनने को नही मिली है, जोकि इस सरकार की विफलता द र्शाती हो। हमारे मुख्य मत्री जब भी बोलते है तो विपक्ष के सदस्य वाक–आउट कर जाते है। जिस भाराब के कारण हमारा प्रदे श तबाह हो चुका था, माताएं चौधरी भजन लाल जी ने तथा चौटाला साहब ने जितने वायदे मुख्य मंत्री बनने से पहले किए थे वे कभी भी पूरे नही किए। दूसरी तरफ हमारे मुख्य मंत्री ने भाराबबंदी का वायदा किया था, उसका उन्होने मुख्य मंत्री बनते ही एकदम लागू कर दिया। यह विपक्ष के भाई कहते है कि भाराब बंद नही हुई हैं यह इनके

मुताबिक बंद नही होगी, लकिनहमो मुताबिक तो बंद है। हरियाणा के सभी एस0पीज0 व डी0सीज0 की रिपोर्ट है कि भाराबबंदी का कार्य किया गया है यह बहुत ही अच्छा है मेरा अहोभाग्य है कि मै एक ऐसे मुख्य मंत्री के हाथो पड़ा हूं जो कि सिद्धातवादी तथा आद र्शवादी हैं मै इनका कभी भी अहसान नही भूलूंगा और न ही कि के बहकावे में आऊंगा। मै एक बात और बताना चाहता हूं कि प्रदे ा में जो भाराब के ठेकेदारों ने आंतक फैला रखा है, और भाराब के माफिया जो है, उनको विपक्ष के नेताओं ने पैदा किया हुआ हैं अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदे ा हमारा साथ दे रहा है। इसके स्पश्ट उदाहरण भी है। चौधरी भजन लाल जी के आदमी की फैक्टरी जो कि अभी कल्याण के लिए होती है, विना ा के लिए नही होती हैं पिछली सरकार ने मनुश्यों का कल्याण नही किया बल्कि उसके उल्ट कार्य किया। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार को बने 98 महीने हो गए है लेकिन आज तक कोई ऐसी बात सुनने को नही मिली है, जोकि इस सरकार की विफलता द र्शाती हो। हमारे मुख्य मत्री जब भी बोलते है तो विपक्ष के सदस्य वाक–आउट कर जाते है। जिस भाराब के कारण हमारा प्रदे ा तबाह हो चुका था। अध्यक्ष महोदय, हमारे कृशि मंत्री महोदय 7–8 दिन पहले मरे साथ मेरे क्षेत्र में गये थे और इन्होने वहां जा कर एक नदी का उद्घाटन किया। उस नदी का काम 300 लाख रूपये मे ंपूरा होगा। उस नदी का काम भाुरू हो गया हैं पिछली सरकार ने हमारे क्षेत्र मे ंऐसा कोई काम कभी नही किया। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों ने बिजली के

निजीकरण के बारे में बहुत बात कही। जबकि ये किसी बात का विरोध करते है तो उसका जम कर विरोध करते है। तो उसक जम कर विरोध करत है। लेकिन इनको यह पता नही कि उसका क्या परिणाम निकलता है। अध्यक्ष महोदय, बिजली के निजीकरण से मेरे विरोधी भाईयों को निजी नुकसान है न कि किसान को। मेरे विरोधी भाईयों ने 24 घंटे बिजली देने के बारे में कहा। मै इनको बतानाचाहूंगा कि हमारी चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व की सरकार ने यह वायदा किया था कि हम 24 घंटे बिजली देगे। आप देखते रहना हमारी सरकार 2–3 साल के अन्दर–अन्दर 24 घंटे बिजली देगे। फिर आप इस बारे में तर्क विर्तक करना आपकों उसका जवाब मिल जाएगा। अध्यक्ष महादय, मेरे क्षेत्र की ि ाक्षा प्रणाली बहुत ज्यादा पिछड़ी हुई हैं ि ाक्षा के मामले में पिछली सरकार ने मेरे क्षेत्र के लोगों के साथ बहुत भेदभाव किया था। जो देखने में बड़ा दर्दनाक हैं मेरे क्षेत्र में न कोई डिग्री कालेज है और न कोई आई0टी0आई0 हैं मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि मेरे क्षेत्र में ि ाक्षा संस्थान खोलने का कोई न कोई उपाय अव य किया जाए। वह क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जहां जो भी चीफ मिनिस्टर जाता है वह अपनी रैलिया करवाता है वहां क लेगों उसकसे अपना वि वास दे दते है और उसकी पार्टी के अदमी को विधायक बना कर यहां भेज देते हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्ये से माननीय मुख्य मंत्री जी से और ि ाक्षा मंत्री जी से प्राथ्रना करना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में एक डिग्री कालेज औरएक आई0टी0आई0 अव य खोले। अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र मे

ंऐसे बहुत से बड़े बड़े गांव है जिनमें पीने के की बडत्री भारी समस्या है ंपीछे सदी का मौसम था तो सर्दी के मौसम में उन गांवों के लोगों ने जैस तैसे अपना जीवन निर्वा कर लिया लेकिन अब आगे गर्मी आने वाली है ंइलिए मै मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करता हूं कि मेरे क्षेत्र के उन बड़े बड़े गांवों में पीने के पानी का प्रबंध अव य किया जाए ताकि लोगो को कोई परे ानी न हो जैसे मैरे क्षेत्र में होडल भाहर 22 हजार की आबादी का है। उसमे ंपीने के पानी की बहुत कमी है। उस भाहर के लोग खरा पानी पीते है वहां से जो भ आदमी विधायक बनता है वह लोगों को झूठ बहका देता है कि आपके लिए पीने के पानी का प्रबंध अव य किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैपे भी वहां के लोगों को कह दिया है और मै सदन में भी यह वायदा कर रहा हूं दलाल साहब आप मेरे वादे की तरफ ध्यान दें। मै वही के लोगों से यह वायदा कर चुका हूं कि अगर हम अपनी सरकार में हते हुए आपको पीने का पानी नही दे कसे तो मै विधायक बन कर आपके बीच में नही आऊंगा और न ही आपसे वाट मांगने आऊंगा। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि हहोडल के अन्दर बेकारी की काफी समस्या है। वर्शो से वाहां पर कोई कम नही हुआ हैं हारा जिला वैसे तो अमीर है क्योंकि वहां से रैवेन्यू बहुत अधिक आता है। वहां पर कोई ि ाक्षा संस्था नही है जिससे हमारे बहन–भाईयों को पढ़ने में काफी दिक्कत आ रही है और वे उच्च ि ाक्षा प्राप्त करने में महरूम रह जाते हैं इसलिए मेरी मांग है कि वहां पर एक यूनिवर्सिटी खोल जाए। हमारे जिले के जो 6

विधायक है।, यह उन सभी की मांग है सरकार से मेरा अनुराध है कि इस बारे में सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए इसे वहां पर अव य खोला जाए। मेरे हल्के में पानी की भी काफी समस्या है। वहां पर बडौली और दूसरे कई बड़े बड़े गांव है जहां पर पीने के पानी की काफी समस्या अै। पानी की कमी के कारण वहां के किसान और लेाग परे ान रहते है अतः मै मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि मेरे वहां पर पीने के पानी की समस्या की कोई न कोई व्यवस्था की जाये ताकि पानी की कमी न हो सके। अभी यहां पर हमारे विधायक साथियों ने रजबाहों की सफाई के बारे में कहा हैं मै कहना चहाता हूं कि हमारे वहां पर सफाई का काम अच्छी तरह से हुआ हैं पानी की पूरी मात्रा हमें मिल सके इसलिए हम आगरा कैनाल का कंट्रोल अपने हाथ में लेने के लिए एक प्रस्ताव लेकर आये। इस काम को पिछली सकार ने नही किय। इस प्रस्ताव पर अभी सदन में चर्चा चल रही है। जो अधूरी है। मै चाहता हूं कि इस चर्चा को जल्दी से जल्दी खत्म करके उस प्रस्ताव को पास करके भारत सरकार को भेजा जाए। अध्यक्ष महोदय, अभी विपक्ष के साथी कह रहे थे कि यह सरकार किसान विरोधी सरकार है। मै आपने साथियों को बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार किसान विरोधी सरकार नही है। यह किसानों के लिए बहुत अच्छा काम कर रही है। इसीलिए नहरों की सफाई की तरफ सरकार ने ध्यान देकर 40 लाख रूपये खर्च किए है। अंत में अध्यक्ष महोदय, मै आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने

के लिए समय दिया और मै सभी साथियों का भी धन्यवाद करता हूं कि उनहोने मेरी बात को ध्यानपूर्वक सुना। धन्यवाद।

अध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्प 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा स्थगित करने के लिए प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have to make an announcement.

Hon'ble Members, I have received a No Confidence Motion/Resolution given notice of by Sh. Bhajan Lal, M.L.A. and 28 other members of the Haryana Vidhan Sabha against me.

As a No Confidence Motion/Resolution has been received against me, so I consider it appropriate to refer it to the Hon'ble Deputy Speaker for taking a decision thereon and I shall my head before the decision of this august House.

(At this state Hon'ble Deputy Speaker occupied the Chair)

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, I have received a motion from Sh. Karna Singh Dalal that discussion and voting on demands for grants on Budget Estimates for the year 1997-98 be postponed in favour of discussion on No Confidence Motion against the speaker.

Now the Parliamentary Affairs Minister may move his motion.

Agriculture Minister (Sh. Karan Singh Dalal): Sir, I bet to move—

That the discussion and voting on demands for grants on the budget estimates for the year 1997-98 be postponed in favour of discussion on No confidence Motion against the speaker.

Mr.Deputy Speaker: Motion moved-

That the discussion and voting on demands for grants on the budget estimates for the year 1997-98 be postponed in favour of discussion on No confidence Motion against the speaker.

Mr. Deputy Speaker: Question is-

That the discussion and voting on demands for grants on the budget estimates for the year 1997-98 be postponed in favour of discussion on No confidence Motion against the speaker.

The motion was carried

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): उपाध्यक्ष महोदय, एक बड़ा ही संजीदा मामला सदन के सामने हैं कांग्रेस के माननीय साथी चौधरी भजन लाल जी और उनकी पार्टी तथा समता पार्टी के साथियों ने इस महान सदन के माननीय अध्यक्ष महोदय के खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव दिया हैं माननीय अध्यक्ष महोदय इस मामले को सदन के विचार के लिए छोड़ कर चेयर से उठ कर चले गये हैं उपाध्यक्ष महोदय, इस विशय पर सदन में चर्चा के लिए प्रस्ताव आया है। हमारे पालियामैंटरी अर्फयर्ज मिनिस्टर महोदय ने डिमांड की डिस्क ान को बीच में छोड़ कर इस प्रस्ताव

को रखा हैं जिसे डिस्क ान के लिए स्पीकर करते हुए स्वीकार करते हुए स्पीकर साहब ने सदन के सामने रखा हैं अभी डिमांड पर चर्चा चल रही थी और उस पर वोटिग होनी है लेकिन बीच में अवि वास प्रस्ताव आ गया हैं और आनरेबल स्पीकर साहब इस सदन के समक्ष चेयर उपाध्यक्ष महोदय को सौंप कर चले गये हैं अब जो बात सदन के सामने है वह यह है कि इस अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा करवाई जानी है अथवा डिमांड पहले पास करवानी है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये लोग डिमांड पर वोटिंग चाहते है तो करवा ले हमें कोई ऐतराज नही है। (विध्न एवं भाोर)

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावत: जो प्रस्ताव आया है हम उस पर भी वोटिंग चाहते है। (विध्न एवं भाोर)

Mr. Deputy Speaker: As the motion was against the Hon'ble Speaker himself, he considered it appropriate to refer it to me for thing a decision thereon and, as such, I have examined the matter thoroughly keeping in view the constitutional and legal aspects thereof. Before announcing the final decision would refer to the following provision of the constitution of India:-

"179 Vacation and Resignation of, revival from the office of the Speaker_____

A Member holding office as speaker_____ of any assembly _____

(c) may be removed from his office by a resolution of the Assembly passed by a majority of all the then members of the assembly:

Provided that not resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless at least fourteen day' notice has been given of the intention to move the resolution_____"

And rule that the notice is short of the period prescribed under the said provision of the constitution, which is mandatory and can not be suspended by the House. If there was any intention to give such a notice, these Hon'ble Members should have thought patently and given the notice as prescribed under the constitution. I would like to point out that both Article 179 (c) of the Constitution and Rule 11 of our Assembly Rules envisage for resolution for the removal of the Speaker and not no-confidence motion against the speaker. In the instant case, the Hon'ble Members have given a notice of no-confidence motion which is thus not in conformity with Article 179 (c) of the Constitution and Rule 11 of our Assembly Rules. Further even such a resolution can not be moved/taken up unless there are specific charges which could be met. In addition, the perusal of the notice shows that they have made very sweep high office of the Speaker. I must say that the notice does not fulfill the requirements of the Constitutional provisions and the Rules of our Assembly. Thus, prima-facie this notice deserves dismissal but I do not want to go in technicalities as the motion is against the person occupying

the August Office of the Speaker and because such mater ought to be thrashed out on the floor of the House. I, therefore, admit its notice."

Now, I request thos members who are in favour of leave being granted tomove this motion may please rise in their seats.

(At this state only 20 members from the opposition rose in their seasts.)

Mr. Deputy Speaker: The leave is not rganted because there must be 23 members in favour of the leave.

कैप्टन अजय सिंह यादवः मै खड़ा हुआ हूं।

श्री उपाध्यक्षः आपके खड़े होने के क्या होता है। इसके लिए आपके 23 मैम्बर होना जरूरी हैं लेकिन आपके 20 मैम्बर ही हैं इसलिएप्रस्ताव रिजेक्ट किया जाता है। (ोर एवं व्यवधान) जब आपको पूछा गयातो आपको बात समझ में आई नही अब आप बोल रहे हैं अब आप सब बैठ जाएं। (ोर एवं व्यवधान) Now, discussion on demands for grants will take place.

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): उपाध्यक्ष महोदय, जब आपने कहा तब तो इनको कुछ पता नही चला। असल में इनको यह ही नही पता है कि इन्होने क्या मो ान दी है।

श्री राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, आज जो ये ो ान लेअर आए है इससे ज्यादा दुःखद बात कुछ नही हो सकती। इससे ज्यादा अन–प्रैसीडैटिड बात कुन्‍ नही हो सकती हैं

(ोर एवं व्यवधान) जब इनको उपपध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का कहा तो उस वक्त ये खड़े नही हुए। अब ये बोने के लिए खड़े हो गऐ हैं जब यह मो ान रिजैक्ट हो गयाहै। हम अपने स्पीकर साहब, का इस सदन में आने का अभिन्नदर करते है। संविधान की धारा 179 यह कहती है कि अगर किसी स्पीकर के खिलाफ नोटिस लाना हो ताक कम से कम 14 दिन का नोटिस देना मैनडेटरी है। हम उस धार को भ एक तरफ रखते है लेकिन इनके तो यहां पर 23 मैम्बर भी उपस्थित नही है। जैसे ही यह मो ान मिला हमारे अध्यक्ष सदन से चले गए। हम उनका सम्मान करते हैं ओर अब स्पीकर साहब का इ सदन में स्वागत करते है। (इस समय मेज थथपाए गए।) ये जो अध्यक्ष महोदय, के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लाए है ंयह कितनी गम्भीरता की बात है और ये सदन की गरिमा को कितने गंभीरता से लेते है। यह तो जाहिर हो ही गया हैं यह इतना संगीन मसला है लेकिन इसमें इनको मालूम ही नही है कि हम क्या करने जा रहे है, इनकों यह मालूम ही नही है कि चेयर के प्रति हम अवि वास करने जा रहे है, इनको यह मालूम ही नही कि संविधान इसमें क्या कहता है, इनकों मालूम ही नही कि इस प्रस्ताव पर हमकों कहां खड़े होने चाहिए और इनका यह मालूम ही नही कि इसके लिए कितन सदस्यों की संख्या होनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत दुखदायी बात है। (विध्न)

श्री बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, मै एक और सबमि ान करना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, स्पीकर साहब ने

तो बहुत फिराखदिली दिखायी लकिन इनको ही नोटिस देना नही आया। इनको नोटिस तो देना चाहिए था रिमूवल ऑफ दि स्पीकर का क्योंकि स्पीकर के खिलाफ तो कांफिडैन्स मो ान लाने का कोई प्रोविजन नही है केवल रिमूवल का ही प्रोविजन हैं आपने तो फिराखदिली दिखायी कि नो कांफिडैन्स मो ान को रिमूवल के मो ान में बदल दिया लेकिन इसके बाद भी ये बैठे ही रहे।

श्री उपाध्यक्षः मैने तो इनती भी फिराखदिली दिखायी कि पहले तो यह खड़े नही हुए लेकिन बाद में ये खड़े हुए परन्तु तब भी मैने काउंटिग करवायी।

श्री मनी राम गोदाराः इनके तो बकहुत से पुरान मैम्बर्ज होगे। इनके साथ जो रैजोल्यू ान लाने वाला आदमी है, वह यूं कहता है कि दे ा के अन्दर मैं दो नम्बर का आदमी हूं। इस कांस्टीच्यू ान मैटर में बिजनैस ऑफ दि हाउस के मैअर में जिस आदमी को यही नही पता कि हाउस का प्रोसिजर क्या होता है तो वह क्या करेगा? उसने तो इनके दस्तख्त करवाकर इसे इनको दे दिया जैसे खांड के परमिट देते है। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, कम से कम किसी भी आदमी को अपनी बात कहने का समय तो दना ही चाहिए। राम बिलास जी ने तो बातें कही है उनका मै जवाब देना चाहूंगा। (विध्न)

श्री राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, हम सारे सदन की तरफसे स्पीकर साहब का अभिनन्द करत `है। उनहोने बहुत ज्यादा ग्रेस दिखाया है। इस महान सदन में उन्होने अपनी बहत ही उदारता का परिचय दिया। प्रजातंत्र की परम्पराओं के अनुसार उन्हाने बहुत ही उदारता दिखायी। आप हमारी भावनाऐं उन तक पहुंचा दें और इस प्रस्ताव को तुरन्त निरस्ता करके हाउस की बाकी कार्यवाही चलाए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः सर, सारे कह रहे है कि हमें उन पर वि वास नही है। (विध्न)

डॉ0 बीरेन्द्र पाल अहलावतः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं

श्री उपाध्यक्षः आप बैठे।

डॉ0 बीरेन्द्र पाल अहलावतः उपाध्यक्ष महोदय, ...

श्री उपाध्यक्षः ये अब जो बोल रहे है उसको रिकार्ड न किया जाए। अब आप बैठै। यह टौपिक अब समाप्त हो चुका है। यदि अब कोई मैम्बर डिमांड पर बोलना चाहता है तो वह बोल सकता है। (विध्न)

वर्श 1997–98 के बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

Mr. Deputy Speaker: Please sit down. Now the cut motion on the demands will be put to the vote of the House.

(At this stage Mr. Speaker occupied the Chair)

Mr. Speaker: I bow my head before the decision of this august House. Hon'ble Members, now enough discussion on demands has taken place.

Now the demands and cut motions will be put to the vote of the House.

Demand No. 1 & 2

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 33785000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of charges under demand No. 1-Vidhan Sabha.

That a sum not exceeding Rs. 649066000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 1997-98 in respect of Demand No. 2-General Administration.

Sh. Jaswant SinghSandhu: Sir,.....

Mr. Speaker: Please don't make this House a fish market. Please take your seat.

बैठक का समय बढ़ाना

Agriculture Minister (Sh. Karan Singh Dalal) Sir, the time of the sitting be extended for 15 minutes.

Mr. Speaker: It is sense of the House that the time of the sitting be extended for 15 minutes

Voice: yes;

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by 15 minutes.

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जसविन्द्र सिंह जी और इनके साथी बार–बार कह रहे हैथ कजबकि इनक विधाययक दल के मुख्य सचेतक ने उनको लिखकर दिया है कि हमने दो माननीय सदस्यों को पार्टी से निश्काशित कर दिया। उसके बाद भी उनक लिए व्हिप की बात कर रहे हें ऐसी बात थी तो आपको उनको निश्कासित नही करना चाहिए था, आपको उनको पार्टी से नही निकालना चाहिए था। अब उनको व्हिप जारी करने के क्या मायने हैं

Dr. Verender Pal Ahalawat: We want division on these demands.

Mr. Speaker: Alright, now I put the demand No. 1 & 2 for division.

After ascertaining the votes of the memebers by voices, Mr.Speaker announced that 'Ayes' have it, whereupon division was clamied. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for 'Ayes' and those who were for 'Noes',

respectively, to rise in their places and on account haveing been taken declared that the motion was carred.

The motion was carried

Demand No. 3

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय डिमांड नं0 3 पर बोलते हुए चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने बिजली बोर्ड के बारें में जो सुझाव दिए है वे बहुत अच्छे हैं हम बैठकर भी बात कर लेगे और जो काम की बात होगी उसकों करेगे क्योंकि बिजली के मामले में जो प्रदे ा में कमी है उस कमी को दूर करने के लिए हम पूरा जोर लगा रहे है। 400 मैगावाट का गैस बेस्ट प्लांट एन0टी0पी0सी0 के थ्रू फरीदाबाद में लगा रहे है और 240 मैगावाट क प्लांट आई0ओ0सी0 द्वारा पानीपत में लगा रहे है। और पानीपत में जो छोटी यूनिट पैसे की कमी की वजह से न तो चौटाला साहब की सरकार बना पाई और न ही चौधरी भजन लाल जी की सरकार बना सकी, उसको भी अब हम बना रहे है। (विध्न)

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का मौका दिया जाऐ क्योंकि मुझे समय बिल्कुल नही मिला है। (विध्न) मै एक क्लैरिफिके ान चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः कृश्ण लाल जी बैठिए, (विध्न) मिस्टर पंवार आई वार्न यू। (विध्न)

वाक आउट

आवाजे: स्पीकर साहब, अगर आप हमें कलैरिफिके ान लेने के लिए भी अलाउ नही करते तो हम एज ए प्रोजैक्ट वाक आउट करते है।

(इस समय इण्डियन ने ानल कांग्रेस और समता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

वर्श 1997–98 के बजट अनदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक कलैरिफिके ान है कि चौटाला साहिब ने अपनी तकरीर में कहा था कि चालू साल में इस सरकार ने बिजली बोर्ड के लिएज्यादा पैस रखाा है और अगले किसी को पढ़ना ही नही आता तो इसमें हमारा कोई कसूर नही हैं परन्तु हकीकत यह है कि पिछले साल टयूबवैल्ज की सबसिडी के लिए 125 करोड़ रूपया रखा गया था जबकि अगले साल के बजट में 150 करोड़ रूपये रखा गया है जोकि 25 करोड़ रूपया बढ़ाकर रखा है। बजट के पैरा नं0 25 में साफ लिखा हुआ है कि 423.30 लाख रूपया हमने बुक इडजस्टमैंट किया है और इस साल बिजली बोर्ड से 1100 करोड़ रूपया लेना बाकी है। इस 1100 करोड़ रूपये की हम बुक एडजस्टमैंट कर सकते है। येसदन को वैसे ही गुमराह कर रहे है। अगर इस पैरो का पढ़े तो साफ पता लग जायेगा।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, डिमांड नं0 3 पर कैप्टन अजय सिंह जी ने जो कहा, इसमें कोई लम्बी चौड़ी बात नही है। इस बारे में मै कलैरिफिके ान देना चाहता हूं कि आमतौर पर किडनैपिंग के केसों, मर्ड के केसों तथा रेप के केसों में बहुत सालों तक मुकद्दमें चलते है और उन मुकद्दमों में देर लगती है। इसलिए इस मामलने में मुकद्दमें पैडिंग है। दूसरे उन्होने कहा कि पुलिस के पास गाड़िया नही है। इस बारे में मै बताना चाहता हूं कि अभी मुख्य मंत्री महोदय के हुक्म से 106 गांड़िया पुलिस को अलॉट हुई है। जो कि जल्दी ही पुलिस विभाग को मिल जाएंगी।

Mr. Speaker: Now I put the cout motion No. 1 on demand No. 3 given by Sarvshir Birender Singh, Ajay Singh and Randeep Singh Surjewala to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 2/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question-

"That a sum not exceeding Rs. 2408011000 for revenue expenditure and Rs. 140000000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of cahrges under demand No. 3-Hoem.

The motion was carried.

Demand No. 4

That a sum not exceeding Rs. 530593000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 1997-98 in respect of Demand No. 4-Revenu

The motion was carried

Demand No. 5

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 2 on demand No. 5 given by Sarvshir Ajay Singh, Randeep Singh Surjewala and Dharambir Gauba to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 236400000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 5-Excise and Taxation.

The motion was carred.

Demand No. 6 & 7

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 2517283000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray

charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 6-Finance.

That a sum not exceeding Rs. 36952824000 for revenue expenditure and Rs. 300000 be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 7-Other Administrative Services.

The motion was carried.

Demand No. 8

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 3 on demand No. 8 given by Dharambir Gauba to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 183102000 for revenue expenditure and Rs. 1773480000 be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 8-Buidling and Roads.

The motion was carried.

Demand No. 9

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 4 on demand No. 9 given by Ajay Singh to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 7410639000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 9-Education

The motion was carried

Demand No. 10

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 5 on demand No. 10 given by Ajay Singh, Jai Singh Rana and Randeep Singh Surjewala to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 3697017000 for revenue expenditure and Rs. 1135200000 for capital expenditure be granted to the Government to defray charges

that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 10-Medical and Public Health.

The motion was carried.

Demand No. 11

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 6 on demand No. 11 given by Sarvshir Birender Singh, Dharambir Gauba, Ajay Singh And Chander Mohan to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 377068000 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 11-Urban Development.

The motion was carried

Demand No. 12

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 7 on demand No. 12 given by Sarvshir Ajay Singh, Randeep Singh Surjewala to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 3534890000 for revenue expenditure for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-98 in respect of Demand No. 12-Labour and Employment.

The motion was carried.

Demand No. 13

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 8 on demand No. 13 given by Sarvshir Ajay Singh, Randeep Singh Surjewala to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 2360596000 for revenue expenditure and Rs. 29800000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-98 in respect of Demand No. 13-Social Welfare and Rehabilitation.

The motion was carried.

Demand No. 14

That a sum not exceeding Rs. 126431000 for revenue expenditure and Rs. 5061336000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-98 in respect of Demand No. 14-Food and Supplies.

The motion was carried

Demand No. 15

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 9 on demand No. 15 given by Sarvshir Birender Singh, Ajay Singh, Randeep Singh Surjewala Narender Singh and Jai Singh Rana to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 5918400000 for revenue expenditure and Rs. 2935200000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 15-Irrigation.

The motion was carried

Demand No. 16

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 10 on demand No. 16 given by Sarvshir Ajay Singh, Randeep Singh Surjewala to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 335392000 for revenue expenditure and Rs. 131135000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98-98 in respect of Demand No. 16-Industries.

The motion was carried

Demand No. 17

Mr. Speaker: Now I put the cut motion No. 11 on demand No. 17 given by Sarvshir Ajay Singh, Randeep Singh Surjewala to the vote of the House.

Question is-

That the demand be reduced by Rs. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 1975912000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray

charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 17-Agriculture.

The motion was carried

Demand No. 18 to 25

Mr. Speaker:- Question is—

That a sum not exceeding Rs. 569670000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 18-Animal Husbandry.

That a sum not exceeding Rs. 65657000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 19-Fisheries.

That a sum not exceeding Rs. 579860000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 20-Forest.

That a sum not exceeding Rs. 808128000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 21-Community Development.

That a sum not exceeding Rs. 160500000 for revenue expenditure and Rs. 117275000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of

payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 22-Co-operation.

That a sum not exceeding Rs. 3597373000 for revenue expenditure and Rs. 463200000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 23-Transport.

That a sum not exceeding Rs. 3027000 for revenue expenditure and Rs. 40300000 be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 24-Tourism.

That a sum not exceeding Rs. 3723420000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1997-98 in respect of Demand No. 25-Loans and Advances by State Government.

The motion was carried.

Mr. Speaker: now, the House is adjourned till 9-30 a.m. tomorrow.

15.36 hrs

(The Sabha then adjourned till 9-30 a.m. on Wednesday, the 19th March, 1997.